@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 7 अप्रैल 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 152 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

कांग्रेस पूरी तरह परिवारवादी पार्टी : मोदी

● 'डबल इंजन सरकार' असम के हर जिले और हर परिवार के विकास के लिए काम कर रही है'

एजेंसी
होजाई। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को यहां चुनावी जनसभा में कांग्रेस को 'झूठ और भ्रष्टाचार की दुकान' बताते हुए आरोप लगाया कि पार्टी पूरी तरह परिवारवादी राजनीति में उलझी हुई है और जनता के हितों से उसका कोई सरोकार नहीं है। प्रधानमंत्री ने असम के होजाई में आयोजित जनसभा में कहा कि कांग्रेस के पास 'परिवारवाद के अलावा कोई ताकत नहीं है' और वह केवल झूठ बोलने और भ्रष्टाचार करने पर ध्यान केंद्रित करती है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के 'शाही परिवार' पर हजारों करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार के मामले चल रहे हैं और वह जमानत पर बाहर है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस का पूरा ध्यान सिर्फ दो परिवारों के भविष्य को सुरक्षित करने पर है-एक दिल्ली में और दूसरा असम में।उन्होंने कहा कि इसके विपरीत भाजपा और राजग की 'डबल इंजन सरकार' असम के हर जिले और हर परिवार के विकास के लिए काम कर रही है। मोदी ने कहा कि भाजपा के लिए 'सबका साथ, सबका विकास' केवल नारा नहीं, बल्कि शासन की प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री ने असम में हुए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब राज्य में सड़क और रेल जैसी बुनियादी सुविधाओं की स्थिति बेहद खराब थी। उन्होंने दावा किया कि उस समय असम बिजली के लिए अन्य राज्यों पर निर्भर था और अक्सर बिजली संकट का सामना करता था, लेकिन पिछले एक दशक में स्थिति पूरी तरह बदल गई है और अब असम ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनकर उभर रहा है। मोदी ने बताया कि बीते 10-11 वर्षों में लाखों घरों तक बिजली पहुंचाई गई है, जो लंबे समय से कनेक्शन का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने हाल ही में पश्चिम कार्बी आंगलोंग और दिमा हसाओ जिलों में लोअर कोपिली जलविद्युत परियोजना के उद्घाटन का जिक्र करते हुए कहा कि इससे राज्य को हर साल लगभग 45 करोड़ यूनिट अतिरिक्त बिजली मिलेगी।

● जनहित से उसका कोई सरोकार नहीं: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

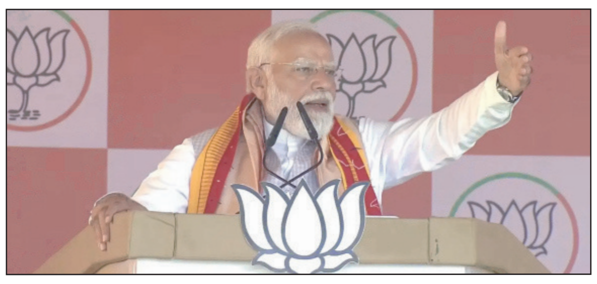

कांग्रेस विकास विरोधी, पार्टी नेतृत्व जमीन लूट में शामिल: नरेन्द्र मोदी

डिब्रूगढ़। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कांग्रेस को विकास विरोधी और पार्टी नेतृत्व को सबसे भ्रष्ट बताया। उन्होंने नेशनल हेराल्ड के माध्यम से गांधी परिवार पर प्रमुख शहरों में जमीन हड़पने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पार्टी वोट बैंक के चलते विकास के नाम पर सड़कों, रेलवे और उद्योगों के लिए दी जा रही जमीन का विरोध कर रही है। असम के डिब्रूगढ़ में मोदी ने चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस जमीन लूट का मुद्दा उठा रही है। कांग्रेस ऐसा घुसपैठियों को कवर देने के लिए कर रही है। उन्होंने कहा, 'आज कांग्रेस को जमीन की याद इसलिए आई, क्योंकि उनके घुसपैठिया वोटबैंक से जमीन छीनी जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

नई शिक्षा नीति से विज्ञान और अनुसंधान में देश होगा उन्नत : उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन

● दीनबंधु छोटूराम विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में उपराष्ट्रपति ने युवाओं को दिया संदेश

एजेंसी
सोनीपत। सोनीपत के मुरथल स्थित दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आठवां दीक्षांत समारोह सोमवार को आयोजित हुआ। समारोह के दौरान कुल 750 छात्र-छात्राओं को डिग्री प्रदान की गई। देश के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने समारोह की अध्यक्षता करते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति के साथ युवाओं को विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़कर देश की प्रगति में योगदान देना चाहिए।समारोह में हरियाणा के राज्यपाल

असीम कुमार घोष, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बडौली मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

उपराष्ट्रपति ने मंच से विद्यार्थियो को संबोधित करते हुए कहा कि इस समारोह में शामिल होना उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि हरियाणा धर्मयुद्ध की धरती रही है और दीनबंधु छोटूराम के आदर्श आज भी समाज को प्रेरित कर रहे हैं। छोटूराम ने किसानों और ग्रामीण समाज को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और देश के विकास में बड़ा योगदान दिया। उपराष्ट्रपति ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छात्राओं को स्वर्ण पदक मिलना देश के लिए गर्व की बात है। उन्होंने हरियाणा में पिछले वर्षों में लिंगानुपात में सुधार को सराहनीय बताया और कहा कि यह समाज की सकारात्मक दिशा को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यहां से डिग्री लेकर निकलने वाले विद्यार्थियों का लक्ष्य देश को आगे बढ़ाना होना चाहिए और विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि युवाओं के बिना किसी भी विकसित राष्ट्र की कल्पना संभव नहीं है। नशे के विषय पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्ति नहीं, बल्कि परिवार और राष्ट्र को भी नुकसान पहुंचाता है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और समाज के लिए प्रेरणा बनने का आह्वान किया।

● पुलिस हिरासत में मौत का मामला

मदुरै कोर्ट ने नौ पुलिसकर्मियों को दिया मृत्युदंड, पिता-पुत्र से हुई थी बेरहमी

एजेंसी
कोझिकोड। मदुरै की जिला अदालत ने सोमवार को सातांकुलम में हिरासत में मौत के मामले में दोषी पाए गए नौ पुलिस कर्मियों को मृत्युदंड सुनाया। अदालत ने कहा कि यह मामला 'दुर्लभतम' श्रेणी का है। इन पुलिसकर्मियों को जून 2020 में पी. जेयराज और उनके बेटे जे. बेनिक्स की हिरासत में हत्या और यातना के मामले में दोषी पाया गया।

फैसला सुनाते हुए जज ने क्या कहा?

जज मुथुकुमारन ने कहा, यदि आम नागरिक ने यह अपराध किया होता, तो सामान्य सजा दी जा सकती थी। लेकिन अपराध पुलिस ने किया है। इसलिए साधारण सजा नहीं दी जा सकती। अदालत ने कहा कि यह

हिरासत में हिंसा का स्पष्ट उदाहरण है। साक्ष्यों से पता चला कि पिता और पुत्र को पुलिस हिरासत में बुरी तरह पीटा गया। निरीक्षक एस श्रीधर ने हमले के लिए उकसाया। जबकि, अन्य कर्मी हिंसा और उसके बाद सबूतों को छिपाने में शामिल थे।

पुलिसकर्मियों पर क्या आरोप थे?

आरोपियों पर हत्या, गंभीर चोट पहुंचाने, साक्ष्य गढ़ने और झूठे मामले दर्ज करने के आरोप शामिल थे।

पूरा मामला क्या हुआ था?

पुलिस ने जेयराज (58 वर्षीय) और बेनिक्स (31 वर्षीय) को 19 जून 2020 को हिरासत में लिया था। उन पर कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान नियम तोड़ने का आरोप लगाया गया था। कुछ दिनों बाद उनकी कोविलपत्ती सरकारी अस्पताल में मौत हो गई थी। जांच में पता चला कि पुलिस हिरासत में उन्हें क्रूर यातना दी गई थी।

सीबीआई ने साबित किया अपराध

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने फॉरेंसिक साक्ष्य, मेडिकल रिपोर्ट और गवाहों के बयान के आधार पर साबित किया कि सातांकुलम थाने में उन पर क्रूर हमला हुआ था। थाने में पाए गए खून के धब्बे और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दर्ज चोटें मुख्य साक्ष्य रहे।

राजनीति हमारे लिए सत्ता का माध्यम नहीं राष्ट्र नीति का मार्ग है : नितिन नवीन

'बंगाल, केरलम, जम्मू कश्मीर सहित कई प्रांतों में कई कार्यकर्ताओं ने बलिदान दिया है।'

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पार्टी के 47वें स्थापना दिवस के अवसर पर पार्टी मुख्यालय में ध्वजारोहण किया। उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय को नमन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राजनीति हमारे लिए सत्ता का माध्यम नहीं राष्ट्र नीति का मार्ग है। हमारा सफर आसान नहीं रहा है। इस दौरान पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। ध्वजारोहण के साथ कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय सहित कई पूर्व अध्यक्षों एवं नेताओं की उपलब्धियों को याद किया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने संगठन को और मजबूत बनाने तथा आगामी चुनावों के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। भाजपा के

राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन ने राष्ट्र प्रथम की विचारधारा को आत्मसात करते हुए पार्टी और संगठन को सशक्त बनाने वाले करोड़ों समर्पित कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि राजनीति हमारे लिए सत्ता का माध्यम नहीं राष्ट्र नीति का मार्ग है। हमारा सफर आसान नहीं रहा है। हजारों कार्यकर्तो ने यातनाएं ओर बलिदान दे कर हमें इस मुकाम तक पहुंचाया है।

पुडुचेरी चुनाव: राहुल गांधी ने महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा और युवाओं को 2000 रुपये का किया वादा

● 'पुडुचेरी में महिलाओं को मुफ्त बस सेवा दी जाएगी'

एजेंसी
पुडुचेरी। पुडुचेरी विधानसभा चुनाव अंतिम चरण में पहुंच चुका है। इस बीच कांग्रेस नेता एवं सांसद राहुल गांधी ने यहां एक जनसभा में हिस्सा लेकर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने बेरोजगार युवाओं को हर महीने 2000 रुपये और महिलाओं को सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा देने का वादा किया।नौ अप्रैल को होने वाले चुनाव के मद्देनजर प्रचार के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी 6 अप्रैल को तमिलनाडु पहुंचे। वे दिल्ली से चेन्नई आए और वहां से हेलीकॉप्टर के जरिए पुडुचेरी पहुंचे। पुडुचेरी के लॉस्पेट में जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि पुडुचेरी में महिलाओं

को मुफ्त बस सेवा दी जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि पुडुचेरी को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के लिए कांग्रेस प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरियों के लिए आयु सीमा 40 वर्ष तक बढ़ाई जाएगी। हर परिवार को 20 लाख का स्वास्थ्य बीमा दिया जाएगा और कांग्रेस की सरकार बनने के 6 महीने के भीतर स्थानीय निकाय चुनाव कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पुडुचेरी में सरकारी और निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ाए जाएंगे। हम बेरोजगार युवकों को प्रतिमाह दो हजार रुपये देंगे। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि नकली दवाओं के मामले में केंद्र शासित प्रदेश की सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की है। उन्होंने यह भी कहा कि स्कूलों के पास शराब की दुकानें खोली जा रही हैं और मंदिरों की जमीन बेची जा रही है। चुनाव में अब केवल 3 दिन बचे हैं और सभी राजनीतिक दलों के नेता जोर-शोर से प्रचार में जुटे हुए हैं।

मालदा घटना पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

हाईकोर्ट सीजे का फोन न उठाने पर मुख्य सचिव को लगाई फटकार, कहा- माफी मांगो

एजेंसी
नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में न्यायिक अधिकारियों के घेराव की घटना को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने राज्य के मुख्य सचिव को

कड़ी फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल पुलिस को मालदा के मामले से जुड़े दस्तावेज एनआईए को सौंपने का निर्देश दिया और कहा कि स्थानीय पुलिस पर भरोसा नहीं किया जा सकता।

एनआईए करेगी पूछताछ

सुप्रीम कोर्ट ने अपने विशेष अधिकार अनुच्छेद 142 का इस्तेमाल करते हुए मालदा की घटना से जुड़े सभी मामलों की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दी है। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि इस मामले में पश्चिम बंगाल पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए 26 लोगों से अब एनआईए पूछताछ करेगी।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव को कड़ी फटकार लगाई। अदालत ने नाराजगी जताते हुए कहा कि उन्होंने कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का फोन नहीं उठाया, जो कि बेहद गंभीर लापरवाही है। कोर्ट ने मुख्य सचिव को निर्देश दिया कि वे इस मामले में मुख्य न्यायाधीश से माफी मांगें। इतना ही नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने राज्य की नौकरशाही पर भी तीखी टिप्पणी की। चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमल्या बागची व जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि पश्चिम बंगाल प्रशासन की विश्वसनीयता कमजोर हो रही है और राजनीति सचिवालय और सरकारी दफ्तरों में घुस रही है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मालदा घटना पूर्व नियोजित और प्रेरित थी, जिसमें न्यायिक अधिकारियों को घंटों घेरा गया। कोर्ट ने एनआईए को उन 26 लोगों से पूछताछ करने का आदेश दिया, जिन्हें राज्य पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

कोर्ट ने बंगाल के मुख्य सचिव दुष्यंत नारियाला को फटकार लगाते हुए कहा कि उन्होंने घटना वाले दिन एक अप्रैल को कलकत्ता हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के फोन कॉल नहीं उठाए। कोर्ट ने मुख्य सचिव से माफी मांगने को कहा। शीर्ष कोर्ट ने यह भी कहा कि यह जिला प्रशासन की विफलता को दर्शाता है।

एसआईआर प्रक्रिया में तैनात थे 700 न्यायिक अधिकारी

700 न्यायिक अधिकारी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड से एसआईआर प्रक्रिया में तैनात थे, जो 60 लाख से अधिक मतदाताओं के आपत्तियों और दावों का निपटारा कर रहे थे।

सुप्रीम कोर्ट का एसआईआर न्यायाधिकरणों को आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची अपडेट के लिए एक दिन की समयसीमा तय की और एसआईआर न्यायाधिकरणों को दस्तावेजों को फिर से देखने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा, हमने न्यायाधिकरणों से अनुरोध किया है कि वे पूरी दस्तावेजी प्रक्रिया को फिर से देखें, जिसमें न्यायिक अधिकारियों के कारण भी शामिल हैं, ताकि किसी भी शक को दूर किया जा सके। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा, हमने उनसे अनुरोध किया है कि पक्षकारों को निष्पक्ष सुनवाई दी जाए।

इंदिरा गांधी ने कहा था असम 'शांति का द्वीप' : खड़गे

कछार (असम)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष व लोकसभा सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को सिलचर के बरखोला में आयोजित एक विशाल चुनावी जनसभा में पहुंचे, जहां उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी अभिजीत पाल के समर्थन में प्रचार किया। इस दौरान उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने कभी असम को 'शांति का द्वीप' बताया था। जनसभा को संबोधित करते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि वर्तमान समय में असम की परिस्थितियां बदल गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 10 वर्षों से बराक घाटी की अनदेखी की जा रही है और क्षेत्र विकास के मामले में पीछे छूट गया है।

उन्होंने कहा कि सिलचर फ्लाईओवर का निर्माण कार्य अब तक अधूरा पड़ा है, वहीं तारापुर एलिवेटेड कॉरिडोर का काम भी ठप हो गया है। इन परियोजनाओं के अधूरे रहने से छात्रों, कर्मचारियों और मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

महाराष्ट्र की उप मुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने बारामती विधान सभा उपचुनाव के लिए भरा नामांकन

मुंबई। महाराष्ट्र की उप मुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने सोमवार को बारामती विधान सभा उपचुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल कर दिया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, भाजपा नेता और राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, प्रफुल्ल पटेल सहित कई कद्दावर नेता मौजूद थे।नामांकन भरते समय उप मुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार भावुक हो गईं थीं । उप मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने कभी भी यह नहीं सोचा कि उन्हें उप चुनाव लडऩा पड़ेगा। सुनेत्रा पवार ने कहा कि वे चार बार मुख्यमंत्री रहे शरद पवार की बहू हैं। छह बार उपमुख्यमंत्री रहे अजीत पवार की पत्नी हैं। उन्होंने कहा, अजितदादा ने बारामती में आखिरी सांस ली।

'देश में रसोई गैस का पर्याप्त भंडार'

घबराकर अनावश्यक भंडारण न करें: केंद्र

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) और ईंधन की आपूर्ति को लेकर सोशल मीडिया पर फैल रहीं तमाम प्रकार की भ्रामक खबरों और अफवाहों पर लोगों से विश्वास न करने की अपील की है। सरकार ने कहा है कि भारत में ईंधन और गैस का पर्याप्त स्टॉक है। उपभोक्ता अपनी आवश्यकतानुसार ही खरीदारी करें और घबराकर अनावश्यक भंडारण न करें। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने सोमवार को राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि देश में गैस का पर्याप्त भंडार मौजूद है और प्रतिदिन लगभग 50 लाख सिलेंडर बेचे जा रहे हैं। पिछले 14 दिनों में 6.75 लाख से अधिक छोटे सिलेंडर बेचे गए हैं। शर्मा ने कहा कि बढ़ती मांग को देखते हुए सरकार ने 5 किलोग्राम वाले छोटे

एलपीजी सिलेंडरों की बिक्री तेज कर दी है। इसके लिए उपभोक्ता केवल एक वैध पहचान पत्र के साथ नजदीकी विक्रेता से 5 किलो का सिलेंडर ले सकता है। इसके लिए आवास प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं है। चार अप्रैल को इसकी बिक्री 90 हजार के पार पहुंच गई। किसी भी विक्रेता के पास स्टॉक खत्म होने की स्थिति नहीं है। पिछले पांच सप्ताह में लगभग 18 करोड़ घरों को एलपीजी सिलेंडर पहुंचाया गया है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण एलपीजी आयात प्रभावित हुआ है, क्योंकि भारत अपनी जरूरत का एक बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से मंगवाता है।

सरकार ने समय रहते अतिरिक्त कार्गो का इंतजाम कर लिया है ताकि घरेलू उपभोक्ताओं को किसी तरह की समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों में पिछले दो दिनों में करीब 5,500 जागरूकता शिविर लगाए गए हैं जिसमें 6,700 पांच किलो के सिलेंडर बेचे गए हैं।

जब तक 'आप' सरकार सत्ता में है, लोगों को 24 घंटे मुफ्त बिजली मिलती रहेगी: मुख्यमंत्री मान

कौमी पत्रिका
चंडीगढ़; 6 अप्रैल: पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज जोर देकर कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार के अधीन राज्य के बिजली क्षेत्र में बड़ा ढांचागत बदलाव आया है। जो विभाग कभी घाटे में चल रहा था, वह अब 90 प्रतिशत घरों को मुफ्त बिजली देने के बावजूद मुनाफा कमा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने न केवल 600 यूनिट मुफ्त बिजली देकर अधिकांश परिवारों के लिए शून्य बिजली बिल सुनिश्चित किए हैं, बल्कि पिछली सरकारों द्वारा सार्वजनिक संपत्तियों को बेचने की पुरानी प्रवृत्ति को बदलते हुए 540 मेगावाट गोइंदवाल थर्मल पावर प्लांट खरीदकर बिजली उपलब्धता में महत्वपूर्ण सुधार किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यावसायिक और औद्योगिक उपभोक्ताओं सहित अन्य श्रेणियों के लिए टैरिफ कम किए गए हैं, किसानों को निर्बाध बिजली आपूर्ति

मिल रही है और नए सबस्टेशन व ट्रांसफार्मरों के माध्यम से बुनियादी ढांचे को मजबूत किया गया है। रोजगार सृजन पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि बिजली क्षेत्र में 9593 युवाओं को नौकरियां दी गई हैं और 1750 अन्य पदों पर भर्ती जारी है। पंजाब बिजली विभाग (पीएसपीसीएल) द्वारा ए+ रेटिंग प्राप्त करना और राष्ट्रीय स्तर पर दूसरा स्थान हासिल करना राज्य को बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने तथा लोगों को 24 घंटे मुफ्त बिजली देने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, आप सरकार ने हर क्षेत्र को सस्ती और निर्बाध बिजली उपलब्ध कराकर नया रिकॉर्ड स्थापित किया है। पहली बार लोगों को बिना किसी अतिरिक्त वित्तीय बोझ के लगातार बिजली आपूर्ति दी जा रही है।

शेष पृष्ठ 3 पर

सैकड़ों महिलाओं के साथ अश्लील हरकत करने वाले बाबा अशोक खरात की संपत्ति की होगी जांच

नासिक (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक में खुद को आध्यात्मिक गुरु बताने वाले अशोक खरात का मामला अब एक बड़े राष्ट्रीय स्कैंडल में तब्दील होता जा रहा है। रेप, धोखाधड़ी और अवैध रूप से करोड़ों की संपत्ति अर्जित करने के गंभीर आरोपों में घिरे इस फर्जी बाबा के खिलाफ सरकार ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई के संकेत दिए हैं। राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्पष्ट किया है कि अशोक खरात की बेहिसाब संपत्ति और संदिग्ध वित्तीय लेनदेन की जांच अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा की जाएगी। मुख्यमंत्री के इस बयान के बाद यह साफ हो गया है कि प्रशासन अब केवल आपराधिक मामलों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इस पूरे साम्राज्य की आर्थिक जड़ों को भी खोदेगा। अशोक खरात पर आरोप है कि उसने आस्था की आड़ में न केवल महिलाओं का यौन शोषण और दुष्कर्म किया, बल्कि डरा-धमका कर और धोखाधड़ी के जरिए भारी मात्रा में चल-अचल संपत्ति भी खड़ी की है। ईडी की एंट्री का मतलब है कि अब उसके बैंक खातों, विदेशी लेनदेन और बेनामी संपत्तियों के स्रोतों की गहराई से पड़ताल होगी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने सदन और सार्वजनिक मंचों पर यह स्पष्ट कर दिया है कि सरकार केवल हवा-हवाई आरोपों पर नहीं, बल्कि ठोस सबूतों के आधार पर काम कर रही है। अब तक खरात के खिलाफ विभिन्न थानों में करीब 12 मामले दर्ज किए जा चुके हैं, और जैसे-जैसे जांच का दायरा बढ़ रहा है, पीड़ित और गवाह भी हिम्मत जुटाकर सामने आ रहे हैं। इस मामले में एक नया मोड़ तब आया जब कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) लीक होने का विवाद गरमाया।

ईरान जंग का असर, एअर इंडिया ने इजराइल के लिए उड़ाने 31 मई तक कीं रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच एयर इंडिया ने नई दिल्ली-तेल अवीव रूट पर 31 मई तक उड़ानें रद्द कर दी हैं। तेल अवीव के लिए ज्यादातर अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस पहले ही अपनी उड़ानें बंद कर चुकी हैं। फिलहाल एल अल, इस्राएर, अर्किया और एयर हाइफा ही सीमित सेवाएं चला रही हैं। फ्लाइट सस्पेंड होने से 40 हजार से ज्यादा भारतीय पर असर पड़ा हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत आने के लिए उन्हें जॉर्डन या मिस्र के रास्ते जाना पड़ रहा है। तेल अवीव स्थित भारतीय दूतावास ने 24 घंटे की हेल्पलाइन शुरू की है। रजिस्ट्रेशन अभियान भी चला रहा है। राजदूत जेपी सिंह ने भारतीय कामगारों और छात्रों से वर्चुअल बातचीत कर उन्हें हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। नई दिल्ली-तेल अवीव के बीच सीधी उड़ान सेवा 1 जनवरी से शुरू हुई थी, जिसमें सप्ताह में चार फ्लाइट बोइंग 787 ड्रीमलाइनर से संचालित की जा रही थीं।

राजधानी दिल्ली में फिर से डीयू के दो कॉलेजों को मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली(एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में फिर से डीयू (दिल्ली यूनिवर्सिटी) के दो कॉलेजों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद कॉलेजों में अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। दिल्ली पुलिस ने बताया कि दिल्ली यूनिवर्सिटी के रामजस कॉलेज और मिरांडा कॉलेज में बम की धमकी के बाद सोमवार को कॉलेज परिसर को खाली करा लिया गया। पुलिस के मुताबिक, कॉलेज एडमिनिस्ट्रेशन को ई-मेल मिला, जिसमें उन्हें कैंपस में एक संभावित एक्सप्लोसिव डिवाइस के बारे में अलर्ट किया था। पूरी तरह से तलाशी लेने के लिए बम डिस्पोजल और स्निफर डॉग स्क्वॉड को तैनात किया गया है। वहीं, स्टूडेंट्स, स्टाफ और फैकल्टी को एहतियात के तौर पर बाहर निकाला गया और सर्च ऑपरेशन जारी है। पुलिस दोनों कॉलेजों में गहनता से जांच कर रही है। अभी यह पता नहीं चल पाया है कि धमकी किसने दी है?

भोपाल पुलिस के इनपुट पर यूपी एसटीएफ ने कछुआ तस्कर को दबोचा

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने वन्यजीव तस्कर को लखनऊ के सैरपुर स्थित आईआईएम रोड से गिरफ्तार किया। एसटीएफ ने यह कार्रवाई भोपाल पुलिस के इनपुट मिलने पर की। संयुक्त टीम ने छापेमारी कर आरोपी को गिरफ्तार किया। वह चार वर्ष से फरार चल रहा था। उसे सैरपुर थाने में दाखिल किया गया। जहां भोपाल पुलिस साथ लेकर चली गई। एसटीएफ के एएसपी सत्यसेन यादव के मुताबिक, आरोपी रविंद्र उर्फ रमन मलिहाबाद के बख्तियार नगर का रहने वाला है। उसके खिलाफ मध्य प्रदेश के भोपाल में कछुआ तस्करी का मामला दर्ज था। भोपाल पुलिस को इनपुट मिला का रविंद्र उर्फ रमन लखनऊ में छिपा है। इस पर मध्य प्रदेश पुलिस ने एसटीएफ से सहयोग मांगा। संयुक्त टीम ने रविवार को आईआईएम रोड स्थित सैरपुर थाना क्षेत्र से सुबह करीब 11:45 बजे दबोचा गया। एसटीएफ के अनुसार पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह उत्तर प्रदेश की नदियों से प्रतिबंधित और संरक्षित प्रजाति के कछुओं को निकालकर अंतर्राज्यीय तस्करों को सप्लाई करता था। आगे की कार्रवाई मध्य प्रदेश की स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स द्वारा की जाएगी।

ऊधम सिंह नगर में बंद पड़े पोल्ट्री फार्म में 69 गैस सिलेंडर, 3.17 किलोग्राम गांजा बरामद

रुद्रपुर (एजेंसी)। उत्तराखंड के ऊधम सिंह नगर के काशीपुर क्षेत्र में पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने बड़े कालाबाजारी रैकेट का भंडाफोड़ कर दिया है। परमानंदपुर स्थित एक पुराने पोल्ट्री फार्म में छापेमारी के दौरान 69 गैस सिलेंडर, 3.17 किलोग्राम गांजा और 100 लीटर कच्ची शराब बरामद हुई। इसमें से 16 सिलेंडर भरे हुए और 53 खाली थे। प्रशासन ने मौके से एक आरोपी जुबैर अली को गिरफ्तार किया, जो उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले के ग्राम घोसीपुरा पट्टीकला का निवासी है। सूचना के आधार पर एसडीएम अभय प्रताप सिंह और तहसीलदार पंकज चंदोला ने टीम के साथ तुरंत छापेमारी की। उन्होंने बताया कि पुराने बंद पोल्ट्री फार्म का उपयोग गैस सिलेंडरों की अवैध बिक्री और अन्य नशीली वस्तुओं के धंधे के लिए हो रहा था। बरामदगी से यह स्पष्ट होता है कि आरोपी कई तरह के अवैध कारोबार में शामिल था। गैस सिलेंडरों को खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के इंस्पेक्टर तन्मय मैथानी को सौंपा गया है, जबकि गांजा और शराब को पुलिस ने सील कर लिया है। आरोपी से गहन पूछताछ जारी है ताकि इसके नेटवर्क और अन्य सहयोगियों का पता लगाया जा सके।

बार-बार हताशा में कांग्रेस अब मतदाताओं को ही अपमानित करने लगी है

गुजरात को लेकर दिए कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के बयान पर भड़की बीजेपी

तिरुवंतपुरम (एजेंसी)। केरल विधानसभा चुनाव से ठीक पहले राजनीतिक पारा चढ़ गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इडुक्की की एक रैली में गुजरात के लोगों को लेकर एक टिप्पणी की जिसने विवाद का रूप ले लिया है। बीजेपी ने इसे गुजरात की अस्मिता और देश के महान सपूतों का अपमान करार देते हुए कांग्रेस पर हमला बोला।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रविवार को इडुक्की में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे ने केरल की साक्षरता की तुलना अन्य राज्यों से की। उन्होंने पीएम मोदी और सीएम पिनाराई विजयन पर निशाना साधते हुए कहा कि केरल के लोगों को गुमराह मत करो। वे बहुत समझदार और पढ़े-लिखे हैं। मोदीजी, विजयनजी, आप दोनों गुजरात या अन्य जगहों के उन लोगों को बेवकूफ़ बना सकते हैं जो अनपढ़ हैं, लेकिन आप केरल के लोगों को बेवकूफ़ नहीं बना सकते। खड़गे के इस बयान के बाद बीजेपी ने तुरंत मोर्चा खोल दिया। गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने एक्स पर कांग्रेस अध्यक्ष को घेरा। संघवी ने कहा कि यह टिप्पणी गुजरात के छह करोड़ लोगों और महात्मा गांधी, सरदार पटेल व पीएम मोदी जैसे महापुरुषों का अपमान है। उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार सत्ता से बाहर होने की हताशा में कांग्रेस अब मतदाताओं को ही अपमानित करने लगी है। उन्होंने स्पष्ट में कहा कि गुजरात माफ़ नहीं करेगा। संघवी ने कांग्रेस पर बार-बार गुजरात को निशाना बनाने का आरोप लगाया और पूछा कि क्या पार्टी की यह आलोचना राज्य के लोगों द्वारा सत्ता से बाहर किए जाने की वजह से है। उन्होंने कहा कि खड़गे का बयान उनकी हताशा को नहीं, बल्कि कांग्रेस के असली कद को दर्शाता है और कहा कि गुजरात की राजनीतिक रूप से जागरूक जनता ने हमेशा उन लोगों को नकारा है जो गांधी और पटेल की धरती का अपमान करते हैं और आगे भी ऐसा ही करती रहेगी, उन्होंने यह भी जोड़ा कि गुजरात माफ नहीं करेगा। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे पर पलटवार करते हुए पूछा कि वे महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी जैसे नेताओं की बुद्धिमत्ता के बारे में क्या सोचते हैं, जो सभी गुजरात, यूपी और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों से आते थे। त्रिवेदी ने कांग्रेस पर 9 अप्रैल को होने वाले केरल चुनावों से पहले फूट डालो और राज करो की राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि राज्य की जनता चुनावों में इसका करारा जवाब देगी।

टीवीके प्रमुख विजय ने चेन्नई में चुनावी दौरा किया रद्द, समय की कमी और पुलिस पाबंदियों का हवाला

चेन्नई (एजेंसी)। विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्तरी कड़गम (टीवीके) ने सोमवार को चेन्नई में प्रस्तावित चुनावी प्रचार कार्यक्रम रद्द कर दिया। पार्टी सूत्रों के अनुसार, विजय को विल्लीवाक्कम और टी नगर विधानसभा क्षेत्रों में जनसभाएं और रोड शो करने थे, लेकिन प्रशासनिक पाबंदियों के चलते कार्यक्रम को रद्द करना पड़ा। सूत्रों का कहना है कि चुनाव प्रचार की अनुमति मिलने के बावजूद पुलिस द्वारा दोनों स्थानों के बीच आवागमन के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया। इसी वजह से कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से पूरा करना संभव नहीं था। पार्टी ने इसे गंभीर मुद्दा बताते हुए कहा कि इस तरह की पाबंदियां चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती हैं। बताया जा रहा है कि टीवीके इस मामले को इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया के समक्ष उठाने की तैयारी कर रही है। हालांकि, पार्टी की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनावी मौसम में इस तरह की प्रशासनिक चुनौतियां राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के लिए बड़ी समस्या बन सकती हैं। वहीं, निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन की भूमिका भी अहम मानी जाती है। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान होना है, जबकि मतगणना 4 मई को होगी। ऐसे में सभी दल अपने-अपने स्तर पर प्रचार में तेजी ला रहे हैं, और हर छोटा घटनाक्रम चुनावी रणनीति पर असर डाल सकता है।

असम में कल्पना के हेलीकॉप्टर को उतरने की नहीं दी अनुमति, डर में हिमंता?

–सोरेन ने फोन के जरिए लोगों से कहा– मतदान के जरिए अपनी ताकत दिखाएं

दिसपुर, (एजेंसी)। असम में चुनाव प्रचार के दौरान झारखंड मुक्ति मोर्चा की नेता कल्पना सोरेन को हेलीकॉप्टर लैंडिंग की अनुमति न मिलने से उनका तय कार्यक्रम प्रभावित हुआ, लेकिन उन्होंने फोन के जरिए लोगों से संपर्क कर अपना संदेश पहुंचाया। असम के खुमताई, नहरकटिया और मार्गेरीटा विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव प्रचार में कल्पना सोरेन को परेशानी झेलनी पड़ी। उनका इन जगहों पर जनसभा करने का कार्यक्रम था, लेकिन प्रशासन ने हेलीकॉप्टर उतारने के लिए हेलीपैड की अनुमति नहीं दी। इस वजह से वह खुमताई और नहरकटिया नहीं पहुंच सकीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। मार्गेरीटा जाते समय सड़क रास्ते में ही फोन के जरिए खुमताई और नहरकटिया के लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि उन्हें पहले से अंदेशा था कि उनके कार्यक्रम में रुकावट डाली जाएगी और उनकी आवाज दबाने की कोशिश हो रही है। वहीं झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने भी असम में एक सभा में आरोप लगाया कि उनकी बढ़ती भीड़ से सत्ता पक्ष परेशान है। इसलिए लोगों को उनकी सभा में आने से रोका जा रहा है।

कल्पना सोरेन ने अपने भाषण में कहा कि रास्ते रोके जा सकते हैं, लेकिन जनता का गुस्सा नहीं रोका जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता में बैठे लोग विपक्ष की आवाज दबाना चाहते हैं।

मतदान के जरिए अपनी ताकत जरूर दिखाएं कल्पना ने खुमताई, नहरकटिया और मार्गेरीटा के लोगों से खासकर चाय बागान के मजदूरों, आदिवासी समाज, अल्पसंख्यकों, युवाओं और महिलाओं से 9 तारीख को ज्यादा से ज्यादा वोट देने की अपील की। उन्होंने इस चुनाव को सिर्फ सरकार बदलने का नहीं, बल्कि सम्मान, पहचान और अधिकार की लड़ाई बताया। लोगों से कहा कि वे तीर-धनुष चुनाव चिह्न पर वोट देकर अपना जवाब दें। आखिर में उन्होंने कहा कि मतदान के जरिए अपनी ताकत दिखाएं।

यूपी के करीब 6000 मजदूर इजराइल में हैं सुरक्षित, सरकार कर रही लगातार निगरानी

किसी भी मजदूर ने विशेष रूप से भारत लौटने की नहीं जताई इच्छा

लखनऊ (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच तेज होती जंग और ताबड़तोड़ मिसाइल हमलों के बीच इजराइल में काम कर रहे यूपी के करीब 6000 मजदूरों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई जा रही थी। कई लोग सवाल कर रहे थे कि क्या ये मजदूर सुरक्षित हैं और क्या उन्हें भारत वापस लाया जाएगा? इन सवालों का जवाब देते हुए यूपी सरकार ने कहा कि सभी मजदूर पूरी तरह सुरक्षित हैं और सरकार लगातार उनकी निगरानी कर रही है।

यूपी सरकार के प्रमुख सचिव डॉ. शन्मुगा सुंदरम ने बताया कि सीएम योगी के निर्देश पर वे नियमित रूप से भारतीय दूतावास के अधिकारियों के संपर्क में हैं। दूतावास के जरिए यूपी के सभी मजदूरों की लगातार निगरानी की जा रही है। उन्होंने साफ किया कि तनावपूर्ण हालात के बावजूद अभी तक किसी भी मजदूर की ओर से भारत लौटने की कोई मांग नहीं की गई है। डॉ. शन्मुगा सुंदरम ने बताया कि ईरानी हमलों के बावजूद इजराइल में कार्यरत यूपी के 6000 से ज्यादा मजदूर सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि हम भारतीय दूतावास के साथ निरंतर संपर्क बनाए हुए हैं। दूतावास के अधिकारियों के जरिए हम हर श्रमिक की लोकेशन और सुरक्षा स्थिति की जानकारी ले रहे हैं। यूपी सरकार ने साफ किया कि जरूरत पड़ने पर श्रमिकों की सुरक्षित वापसी की पूरी व्यवस्था पहले से तैयार है। हालांकि, फिलहाल किसी भी मजदूर ने विशेष रूप से भारत लौटने की इच्छा नहीं जताई है। प्रमुख सचिव ने बताया कि सीएम योगी ने इस मामले में सख्त निर्देश दिए हैं कि विदेश में काम कर रहे यूपी के किसी भी मजदूर की सुरक्षा से कोई समझौता न किया जाए। इसके तहत श्रम विभाग लगातार दूतावास के साथ समन्वय कर रहा है। इस जंग की शुरुआत से ही ईरान तेल अवीव समेत इजराइल के बड़े शहरों पर मिसाइलें बरसा रहा है। ऐसे में विदेश में रह रहे भारतीयों, खासकर इजराइल में काम करने वाले मजदूरों की सुरक्षा चिंता का विषय बन गई थी। यूपी भारत का सबसे बड़ा राज्य होने के कारण यहां से सबसे ज्यादा लोग इजराइल में निर्माण, कृषि और अन्य क्षेत्रों में काम करते हैं। योगी सरकार ने तनाव शुरू होते ही तुरंत सक्रिय भूमिका निभाई। सुंदरम ने भारतीय दूतावास, तेल अवीव के साथ सीधा संपर्क स्थापित किया और यूपी के श्रमिकों की सूची साझा की। दूतावास के अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि सभी भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं।

सरकार ने स्पष्ट किया कि अगर कोई श्रमिक स्वेच्छा से भारत लौटना चाहे या स्थिति और बिगड़ती है, तो उनकी सुरक्षित वापसी की पूरी व्यवस्था कर ली गई है। श्रम विभाग ने सभी जिला मजदूर कल्याण अधिकारियों को अलर्ट किया है कि अगर कोई श्रमिक परिवार से संपर्क कर सहायता मांगे तो तुरंत मदद की जाए। डॉ. शन्मुगा सुंदरम ने कहा कि हमारी प्राथमिकता श्रमिकों की सुरक्षा है। अभी हालात नियंत्रण में हैं और श्रमिक अपने काम पर बने हुए हैं, लेकिन सरकार किसी भी आपात स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार है।

पत्नी पर लगाए कांग्रेस नेताओं के आरोपों का है पाकिस्तानी कनेक्शन

असम सीएम सरमा ने कहा– यह चुनाव को प्रभावित करने का प्रयास

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम विधानसभा चुनाव के पहले राज्य की राजनीति में उबाल आ गया। सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने अपनी पत्नी रिंकी भुइयां सरमा पर कांग्रेस द्वारा लगाए गए वित्तीय आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हुए इसमें विदेशी साजिश और पाकिस्तानी कनेक्शन होने का दावा किया है। इस मामले में अब कानूनी कार्रवाई शुरू हो गई है और एफआईआर भी दर्ज की जा चुकी है।

यह आरोप उन्होंने तब लगाया जब कांग्रेस नेताओं ने मौजूदा चुनावी माहौल में उनकी पत्नी के वित्तीय और निजी रिकॉर्ड पर सवाल उठाए। यह विवाद तब शुरू हुआ जब गौरव गोगोई समेत कांग्रेस नेताओं ने नई दिल्ली और गुवाहाटी में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके दावा किया कि सीएम सरमा की पत्नी, रिंकी भुइयां सरमा के पास तीन पासपोर्ट हैं और वह व्योमिंग स्थित एक कंपनी के ज़रिए 52,000 करोड़ रुपए की संपत्ति को नियंत्रित करती हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सरमा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस्तेमाल की गई सामग्री एक पाकिस्तानी सोशल मीडिया नेटवर्क से ली गई थी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी मीडिया चैनलों ने हाल के दिनों में असम चुनावों पर असामान्य रूप से कई चर्चाएं प्रसारित की हैं, जो सभी कांग्रेस के पक्ष में थीं। उन्होंने दावा किया कि पिछले 10 दिनों में पाकिस्तान में कम से कम 11 टॉक शो असम चुनावों पर केंद्रित थे। उन्होंने इसे अभूतपूर्व बताया और सुझाव दिया कि यह चुनावी माहौल को प्रभावित करने का एक सुनियोजित प्रयास है।

सरमा ने पुष्टि की कि उनकी पत्नी, रिंकी भुइयां ने एफआईआर दर्ज कराई है जिसमें उन्होंने आरोपों को मनगढ़ंत और मानहानिकारक करार दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि चुनावों को प्रभावित करने के लिए कथित तौर पर जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करने पर गंभीर कानूनी परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। कांग्रेस के आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए सीएम सरमा ने तर्क दिया कि विदेशों में शेल कंपनियां बनाना अपेक्षाकृत आसान है और उन्होंने अपने विरोधियों पर सबूत गढ़ने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति 199 यूएसडी का भुगतान करके कंपनी रजिस्टर करवा सकता है। कल की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद उन्होंने तो रिंकी के नाम पर एक और कंपनी भी बना ली। उन्होंने फिर दोहराया कि कांग्रेस नेताओं द्वारा पेश किए गए दस्तावेज़, जिनमें पासपोर्ट की तस्वीरें भी शामिल थीं, मनगढ़ंत थे और उन्हें संदिग्ध विदेशी संस्थाओं से हासिल किया गया था। बता दें असम में मतदान 9 अप्रैल को होना है और परिणाम 4 मई को आएगा।

पहलगाम आतंकी हमले की पहली बरसी से पहले घाटी पहुंचे सीडीएस जनरल चौहान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले की पहली बरसी से पहले जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था को अभूतपूर्व रूप से मजबूत किया गया है। जैसे-जैसे बरसी नजदीक आ रही है, घाटी में सतर्कता और सख्ती साफ दिख रही है। सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट हैं और जमीन से लेकर आसमान तक निगरानी का व्यापक नेटवर्क तैयार है, ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते नाकाम कर सके।

इस बीच रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान का कश्मीर दौरा बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उन्होंने उत्तरी कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) का दौरा कर सुरक्षा हालात और ऑपरेशनल तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने चिनार कोर की तैयारियों की सराहना कर संकेत दिया कि अब सुरक्षा बल केवल जवाब देने की रणनीति तक सीमित नहीं रहने वाले हैं, बल्कि दुश्मन की हर चाल को पहले से भांपकर विफल करने के लिए तैयार हैं।

जनरल चौहान ने अपने संबोधन में कहा कि अब पारंपरिक युद्ध के तरीके पर्याप्त नहीं हैं और ÷मल्टी-डोमेन ऑपरेशन्स÷ यानी बहु-आयामी रणनीति अपनाने की आवश्यकता है। इसके तहत सेना, वायुसेना, नौसेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियां एकीकृत ढांचे में मिलकर काम करेंगी। आधुनिक तकनीक, साइबर क्षमता और मानसिक दृढ़ता को भी इस रणनीति का अहम हिस्सा बताया गया। घाटी में जमीनी स्तर पर भी कार्रवाई तेज कर दी गई है। सांबा जिले में संदिग्ध गतिविधियों के बाद सेना, पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने संयुक्त तलाशी अभियान चलाया। हालांकि अभी तक किसी मुठभेड़ की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यह स्पष्ट है कि सुरक्षा बल किसी भी सूचना को हल्के में नहीं ले रहे। इसके अलावा, सीमाओं पर घुसपैठ रोकने के लिए एलओसी पर विशेष निगरानी बढ़ा दी गई है। ड्रोन, सेंसर और अन्य आधुनिक उपकरणों के जरिए हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। खुफिया तंत्र को भी पहले से ज्यादा सक्रिय और मजबूत किया गया है। कुल मिलाकर, पहलगाम हमले की बरसी केवल एक याद नहीं, बल्कि एक मजबूत संकल्प का प्रतीक बन गई है। यह संकल्प है कि अब कोई चूक नहीं होगी और हर खतरे का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। भारत अब केवल प्रतिक्रिया देने वाला नहीं, बल्कि पहल कर खतरे को खत्म करने वाला देश बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

तमिलनाडु में बड़े दलों ने ब्राह्मणों को किया दरकिनार, टिकट देने को भी नहीं हैं तैयार

चैन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए प्रमुख राजनीतिक दलों ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। इन सूचियों के विश्लेषण से एक चौंकाने वाला पैटर्न सामने आया है–राज्य की मुख्यधारा की राजनीति से ब्राह्मण उम्मीदवारों का लगभग पूरी तरह गायब होना। करीब 3 प्रतिशत आबादी वाले इस समुदाय को द्रविड़ राजनीति के गढ़ में इस बार बड़ी पार्टियों ने टिकट देने से परहेज किया है। राजनीतिक विश्लेषक इसे राज्य के चुनावी इतिहास में एक बड़े बदलाव के रूप में देख रहे हैं।

सबसे चौंकाने वाला फैसला अन्नाद्रमुक (एआईएडीएमके) का रहा है। लगभग 35 वर्षों में यह पहली बार है जब पार्टी ने एक भी ब्राह्मण उम्मीदवार को मैदान में नहीं उतारा है। पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता के निधन के बाद से पिछले 10 वर्षों में पार्टी ने केवल एक बार 2021 में इस समुदाय के व्यक्ति को टिकट दिया था। विशेषज्ञों का मानना है कि जयललिता और एमजीआर के दौर में ब्राह्मण उम्मीदवार पार्टी की प्राथमिकता हुआ करते थे, लेकिन अब समीकरण बदल चुके हैं। राजनीतिक टिप्पणीकारों के अनुसार, जयललिता के बाद ब्राह्मण मतदाताओं का झुकाव भाजपा की ओर बढ़ा है, जिसके कारण अन्नाद्रमुक को अब इस समुदाय को टिकट देने में कोई सीधा चुनावी लाभ नजर नहीं आ रहा है। हैरानी की बात यह है कि हिंदुत्व की राजनीति करने वाली भारतीय जनता पार्टी ने भी अपनी 27 सीटों की सूची में किसी ब्राह्मण चेहरे को स्थान नहीं दिया है। इसी तरह सत्ताधारी द्रमुक (डीएमके) और कांग्रेस ने भी इस समुदाय से दूरी बनाई है। द्रमुक की राजनीति का आधार ही गैर-ब्राह्मण सशक्तिकरण रहा है, इसलिए उनकी सूची में यह बदलाव स्वाभाविक माना जा रहा है।

हालांकि, मुख्यधारा की पार्टियों के उलट कुछ नए और छोटे दलों ने अलग राह चुनी है। अभिनेता विजय की नई पार्टी तमिलगा वेत्रि कझगम (टीवीके) ने दो ब्राह्मण उम्मीदवार उतारे हैं। विश्लेषकों का मानना है कि विजय इसके जरिए संदेश देना चाहते हैं कि उनकी पार्टी ब्राह्मण-विरोधी नहीं है। वहीं, तमिल राष्ट्रवादी नेता सीमन की पार्टी नाम तमिलर कच्ची (एनटीके) ने सबसे अधिक छह ब्राह्मण उम्मीदवारों को टिकट दिया है। सीमन ने मायिलापुर और श्रीरंगम जैसे क्षेत्रों को चुना है जहाँ ब्राह्मण मतदाता निर्णायक भूमिका में हैं। जानकारों का कहना है कि सीमन द्रविड़ दीवार को तोड़ने के लिए हर सामाजिक समीकरण का इस्तेमाल कर रहे हैं। कुल मिलाकर, तमिलनाडु की चुनावी बिसात पर इस बार पारंपरिक जातीय प्रतिनिधित्व के मायने बदलते दिख रहे हैं।

फिल्म धुरंधर एक साहसिक सिनेमाई प्रयास, धुरंधर में खालिस्तानी आंदोलन के इतिहास, अलगाववादी गतिविधियां केवल विचारधारा तक सीमित नहीं रहती: चरणजीव मल्होत्रा

नई दिल्ली। प्रमुख समाजसेवी गऊमाता सेवक एवं करोना योद्धा चरणजीव मल्होत्रा ने बताया कि हाल ही में रिलीज़ हुई फिल्म धुरंधर ने खालिस्तानी गतिविधियों जैसे गंभीर और विवादित विषय को केंद्र में रखकर एक साहसिक प्रयास किया है। यह फिल्म न केवल मनोरंजन प्रदान करती है, बल्कि दर्शकों को देश की आंतरिक सुरक्षा से जु? खतरों के प्रति जागरूक भी करती है। फिल्म 'धुरंधर' की कहानी एक काल्पनिक लेकिन वास्तविक घटनाओं से प्रेरित कथानक पर आधारित है। इसमें दिखाया गया है कि कैसे कुछ कट्टरपंथी संगठन विदेशों से संचालित होकर भारत में अस्थिरता फैलाने की साजिश रचते हैं। फिल्म में यह भी दर्शाया गया है कि इन संगठनों के नेटवर्क कितने व्यापक और गुप्त होते हैं, जो सोशल मीडिया, फंडिंग चैनलों और स्थानीय सहयोगियों के माध्यम से अपनी गतिविधियों को अंजाम देते हैं। फिल्म का मुख्य किरदार एक खुफिया अधिकारी है, जो देश के खिलाफ चल रही इन साजिशों का पर्दाफाश करने के मिशन पर होता है। वह न केवल अपने जीवन को जोखिम में डालता है, बल्कि कई बार ऐसी परिस्थितियों का सामना करता है जहां उसे अपने कर्तव्य और व्यक्तिगत भावनाओं के बीच कठिन निर्णय लेने प?ते हैं। यह किरदार देशभक्ति, साहस और बलिदान का प्रतीक बनकर उभरता है। धुरंधर' में खालिस्तानी आंदोलन के इतिहास और उसके वर्तमान स्वरूप को भी बारीकी से दिखाया गया है। फिल्म यह बताने की कोशिश करती है कि किस तरह यह आंदोलन, जो कभी एक अलग राज्य की मांग से जु?ा था, अब कुछ कट्टरपंथी तत्वों द्वारा हिंसा और आतंकवाद के रूप में परिवर्तित हो गया है। हालांकि, फिल्म यह भी स्पष्ट करती है कि यह विचारधारा पूरे सिख समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं करती, बल्कि कुछ गिने-चुने लोगों की सोच है। फिल्म के निर्देशक ने इस संवेदनशील विषय को बेहद संतुलित और जिम्मेदार तरीके से प्रस्तुत करने की कोशिश की है। उन्होंने यह सुनिश्चित किया है कि कहानी किसी विशेष समुदाय या धर्म के खिलाफ न जाकर केवल उन तत्वों को उजागर करे जो देश की एकता और अखंडता के लिए खतरा हैं। यही कारण है कि फिल्म को दर्शकों के साथ-साथ कई आलोचकों से भी सराहना मिली है। चरणजीव मल्होत्रा ने आगे कहा कि फिल्म के रिलीज़ के बाद सुरक्षा एजेंसियों और सरकार की भूमिका पर भी चर्चा तेज हो गई है। कई विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की फिल्में आम जनता को उन खतरों के बारे में जागरूक करती हैं, जिनके बारे में वे सामान्यतः अनजान रहते हैं। वहीं, कुछ लोगों का यह भी कहना है कि फिल्मों के माध्यम से इस तरह के विषयों को दिखाते समय और अधिक जिम्मेदारी बरतनी चाहिए। कुल मिलाकर, धुरंधर एक ऐसी फिल्म है जो केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रहती, बल्कि एक गंभीर मुद्दे को सामने लाकर दर्शकों को सोचने पर मजबूर करती है। यह फिल्म यह संदेश देती है कि देश की सुरक्षा केवल सरकार या सुरक्षा बलों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर नागरिक का भी कर्तव्य है कि वह सतर्क और जागरूक रहे। भाजपा का सिखों को सम्मान – एक समय था जब सिख समुदाय भाजपा से दूरी बनाया करता था मगर पिछले कुछ समय से भाजपा द्वारा सिख समुदाय के लिए ऐसे कार्य किए गए जिससे अब सिख समुदाय का झुकाव

पूरी तरह से भाजपा के पक्ष में होता दिख रहा है। भाजपा ने सिखों को सम्मान देते हुए पहले हरदीप सिंह पुरी, रवनीत सिंह बिट्टू को चुनाव हारने के बावजूद केन्द्रीय मंत्री मण्डल में शामिल किया और अब दिल्ली में उपराज्यपाल के अहम पद पर तरनजीत सिंह सन्धू को जिम्मेवारी सौंपी गई है। तरनजीत सिंह सन्धू भी पंजाब के अमृतसर से चुनाव हारने वालों में शामिल है, बावजूद इसके उन्हें इतना अहम पद दिया गया। इससे पहले उत्तराखण्ड में भी सिख राज्यपाल बनाया गया है, मगर दिल्ली की अहमियत अपनी ही रहती है, क्योंकि यह देश की राजधानी है और सभी देशों के दूतावास यहां हैं इसलिए दिल्ली का उपराज्यपाल बनाया जाना सिख समुदाय के लिए गर्व की बात है। तरनजीत सिंह सन्धू देश की आजादी में योगदान देने वाले स. तेजा सिंह समुन्द्री के वंशज हैं जिनका नाम इतिहास के पन्नों में सुनहरी अक्षरों से दर्ज है। यह अलग बात है कि आज तक वह सुनहरी इतिहास स्कूली पाठयक्रम में शामिल नहीं है। अब स. तरनजीत सिंह सन्धु दिल्ली की बागडौर संभाल रहे हैं ऐसे में उन्हें चाहिए कि इस ओर ध्यान देते हुए स्कूली पाठ्यक्रम में स. तेजा सिंह समुन्द्री का इतिहास दर्ज करवाएं। इस प्रकार कई वर्षों के अल्पसंख्यक आयोग के चेयरमैन पद बाद मोदी सरकार आने के बाद राष्ट्रीय पर स. इकबाल सिंह लालपुरा को बिठाया गया था जिनका कार्यकाल पूरा हो चुका है। एयर चीफ मार्शल अमरजीत सिंह भी सिख समुदाय से हैं। 10 साल दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार में तीन सिख विधायक चुने जाने के बाद भी किसी को मंत्रिमण्डल में जगह नहीं दी गई थी, पर भाजपा ने अपनी सरकार में मनजिन्दर सिंह सिरसा को मंत्री पद दिया। उत्तराखंड और उ.प्र. में भाजपा सरकार के चलते अमनजीत सिंह बख्शी को स्टील कंस्यूमर फोर्म में चेयरमैन बनाया गया है, इस प्रकार और भी कई अहम पद सिख समुदाय को दिए गए हैं। प्रमुख समाजसेवी चरणजीव मल्होत्रा ने कहा कि, यह कहा जा सकता है कि धुरंधर ने एक कठिन और संवेदनशील विषय को उठाकर एक महत्वपूर्ण बहस को जन्म दिया है। चाहे दर्शक इससे सहमत हों या असहमत, लेकिन यह फिल्म उन्हें उदासीन नहीं रहने देती। यही किसी भी प्रभावशाली सिनेमा की सबसे ब?ी सफलता होती है।

जब तक 'आप' सरकार सत्ता में है, लोगों को 24 घंटे मुफ्त बिजली मिलती रहेगी: मुख्यमंत्री मान

प्रथम पृष्ठ का शेष

उन्होंने आगे कहा, जब हमने राज्य की बागडोर संभाली थी, तब सिंचाई के लिए केवल 22 प्रतिशत नहरी पानी का उपयोग हो रहा था, लेकिन अब यह बढ़कर 78 प्रतिशत हो गया है और आने वाले धान सीजन तक इसे 90 प्रतिशत तक पहुंचा दिया जाएगा। सिंचाई सुधारों के बारे में बताते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, भाखड़ा नहर की क्षमता 9500 क्यूसेक है, लेकिन हमारे प्रयासों से अब किसानों को 11,000 क्यूसेक पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। यानी बिना एक इंच जमीन अधिग्रहित किए एक नई भाखड़ा नहर जैसी क्षमता तैयार कर दी गई है। उन्होंने कहा, पहली बार पानी की हर बूंद का हिसाब रखा जा रहा है, जिससे न केवल उत्पादन बढ़ेगा बल्कि कृषि क्षेत्र को मुफ्त बिजली भी इसी तरह मिलती रहेगी। बिजली आपूर्ति के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा, पहली बार किसानों को धान सीजन के दौरान आठ घंटे से अधिक बिजली आपूर्ति मिली और दिन के समय 95 प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की गई। उन्होंने आगे कहा, घरेलू उपभोक्ताओं को प्रति माह 300 यूनिट मुफ्त बिजली दी जा रही है और लगभग 90 प्रतिशत घरों के बिजली बिल शून्य आ रहे हैं। रोजगार के अवसरों के बारे में जानकारी देते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा, अप्रैल 2022 से पीएसपीसीएल और पीएसटीसीएल में लगभग 9593 कर्मचारियों की भर्ती की गई है, जिसमें 8014 सीधी भर्तियां और 1579 तरस के आधार पर दी गई नौकरियां शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा कि पीएसपीसीएल में 1181 और पीएसटीसीएल में 569 पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है, जो जून 2026 तक पूरी हो जाएगी। रिकॉर्ड उपलब्धियों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब ने 5 जून 2025 को 16,670 मेगावाट की अब तक की सबसे अधिक बिजली मांग को पूरा किया, जो 29 जून 2024 के 16,058 मेगावाट के पिछले रिकॉर्ड से अधिक है। उन्होंने कहा कि जहां अधिकांश सरकारें सार्वजनिक संपत्तियों का निजीकरण कर रही हैं, वहीं पंजाब सरकार ने 1080 करोड़ रुपये में निजी थर्मल प्लांट खरीदकर नई मिसाल कायम की है। इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, इसी क्षमता वाले नए प्लांट की लागत 4320 करोड़ रुपये होती, जिससे यह सरकार का सबसे सस्ता और लाभकारी निर्णय साबित हुआ है। उन्होंने बताया कि पहले जीवीके थर्मल पावर प्लांट के नाम से जाना जाने वाला यह प्लांट अब श्री गुरु अमरदास जी के नाम पर रखा गया है। फरवरी 2024 में अधिग्रहण के बाद गोइंदवाल साहिब स्थित इस प्लांट के प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है—वित्त वर्ष 2024-25 में प्लांट लोड फैक्टर 34 प्रतिशत से बढ़कर 65 प्रतिशत हुआ, जुलाई 2024 में 90 प्रतिशत और जुलाई 2025 में 82 प्रतिशत तक पहुंच गया। बुनियादी ढांचे और ईंधन आपूर्ति के बारे में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि ट्रांसमिशन क्षमता 7400/8000 मेगावाट से बढ़कर 10400/10900 मेगावाट हो गई है, जिससे राष्ट्रीय ग्रिड से बिजली आपूर्ति का अनुपात बढ़ा है। पच्छवाड़ा कोयला खदान से आपूर्ति फिर शुरू हुई है और वर्ष 2024-25 में 70 लाख मीट्रिक टन कोयला सप्लाई किया गया, जिससे अक्टूबर 2022 से अब तक 1462 करोड़ रुपये की बचत हुई है। उन्होंने कहा कि किसी भी थर्मल प्लांट में कोयले की कमी नहीं है—रोपड़ में 41 दिन, लहरा मोहब्बत में 37 दिन और गोइंदवाल साहिब में 32 दिन का स्टॉक उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि 206 मेगावाट का शाहपुर कंडी हाइडल प्रोजेक्ट मई 2027 तक शुरू होने की उम्मीद है, जिस पर सितंबर 2025 तक 5192.51 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि अगले छह वर्षों में ग्रीन एनर्जी का उपयोग 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 80 प्रतिशत किया जाएगा। 2720 मेगावाट सौर ऊर्जा 2.33 से 2.97 रुपये प्रति यूनिट की दर पर जोड़ी गई है, जबकि पहले यह दर 15.20 रुपये प्रति यूनिट थी। उन्होंने बताया कि 2062 मेगावाट सौर परियोजनाएं प्रगति पर हैं, 658 मेगावाट चालू हो चुकी हैं और 581 मेगावाट रूफटॉप सोलर स्थापित किया गया है। नेटवर्क मजबूती के बारे में उन्होंने कहा कि 26 नए 66 केवी सबस्टेशन स्थापित किए गए हैं, 194 ट्रांसफार्मर अपग्रेड किए गए हैं और 2738 एमवीए क्षमता वृद्धि तथा 337 सर्किट किलोमीटर नई लाइनों के साथ 34 नए ट्रांसफार्मर लगाए गए हैं। एक नई पहल की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों के खेतों से गुजरने वाली हाई-टेंशन तारों को भूमिगत करने की योजना जल्द शुरू की जाएगी, जिसकी शुरुआत उनके पैतृक गांव से होगी, जहां 413 ट्यूबवेल और 1100 बिजली के खंभे 2000 एकड़ क्षेत्र में फैले हैं।

NAME CHANGE
I hitherto Known as SANJAY KUMAR GUPTA alias SANJAY GUPTA S/o RAMESH CHAND GUPTA, R/o H - 3/86 3rd Floor, Sec - 18 Rohini, Sec - 11, North West Delhi, Delhi - 110085 have changed my name and shall hereafter be known as SANJAY GUPTA.

NAME CHANGE
It is for general information that I, JASPAL S/o RATAN LAL R/o RZ – 443A, Gali No. 20, Sadh Nagar Palam Colony, South West Delhi, Delhi – 110045 declare that the name of mine has been wrongly written as JASHPAL in my minor son namely DEEPAK aged 15 years in his School Record. The actual name of my mine is JASPAL Which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Mrs. Rakhi W/o Mr. Vinod Saini is the owner and in possession of a Freehold Residential Vacant Plot area measuring 50 Sq. Yds. i.e. 41.80 Sq. Mtrs. Being Part of Khasra No.175 Mi. Situated at Mohalla Ambedkar Nagar Godhapuri, Modi Nagar, Village Sikri Khurd, Pargana Jalalabad, Tehsil Modi Nagar, District Ghaziabad, U.P. Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed dated 20.02.2015, Vide Doc No.2311, Book No.1, Volume No.7636, on Page Nos.1-14, Registered on 20.02.2015, in S.R-Modi Nagar. In the chain of documents, the Death Certificate & SMC of Late Mr. Ajay Kumar is not available, Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. And same property sold to be Mr. Kuldeep Malik, the said property is presently financed / mortgaged with AAVAS FINANCIERS LIMITED., Branch: Modi Nagar, U.P. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I, MD NAUSHAD S/O MEER BARKATULLAH R/O T-221, 24 QARTER, BASTI HARPHOOL SINGH SADAR THANA SADAR BAZAR NORTH DELHI 110006, CHANGED MY NAME TO MOHD NOUSHAD.

NAME CHANGE
I, SARBARI W/O MOHD NOUSHAD R/O T-221, 24 QARTER, BASTI HARPHOOL SINGH SADAR THANA SADAR BAZAR NORTH DELHI 110006, CHANGED MY NAME TO LADALI.

NAME CHANGE
I, AMJAD S/O MOHD NOUSHAD R/O T-221, 24 QARTER, BASTI HARPHOOL SINGH SADAR THANA SADAR BAZAR NORTH DELHI 110006, CHANGED MY NAME TO MOHD AMJAD.

NAME CHANGE
I, No-15423422X Rank-NK Name-PRATHEEP CHELLURU Resident of 1/73, MADDI VEEDHI, VILL-CHINADOKULAPADU, PO-DOKULAPADU, TEH-VAJRAPUKOTTURU, DIST-SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532222, have changed my mother's name from CHITIAMMA to CHELLURI CHITTAMMA for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 12/05/1965 instead of her correct date of birth as 01/01/1959 vide Affidavit dated 06/04/2026 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, SHEIKH MOHD SHAHARYAR / MOHD SHAHARYAR S/o Sartaj Ahmad R/o 2153, 2162 & 2163, S/F, Rodgran Lal Kuan, Delhi-110006, have changed my name to SHAHARYAR permanently.

NAME CHANGE
I, SANDEEP GUPTA R/o A-72, Third Floor, Vivek Vihar Phase-1, Vivek Vihar, Delhi-110095, have changed my minor daughter's name from SNEHA GUPTA to ISHIKA GUPTA permanently

NAME CHANGE
I, KUMARI SANJANA W/o Abhishek Tandon R/o F-55, Gali Khumaran, Below Purani Mnadi, Jammu, Jammu & Kashmir-180001, have change my name after marriage from KUMARI SANJANA to SANJANA TANDON permanently and HRISHABH RAJPUT is my son.

NAME CHANGE
I Varma Priti Raju.W/0 Aman Verma R/0 G -2/46 Jai Vihar Nangloi Road Phase 1 Najafgarh Delhi 110043 Changed my name to Priti Raju Verma

NAME CHANGE
I, SUDHA SINGH W/O MANOJ KUMAR SINGH R/O A-220, CHATTARPUR ENCLAVE PHASE-2, DELHI, 110074 HAVE CHANGED MY NAME TO SUDHA KUMARI SINGH FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, ZEEHAN ZAMA KHAN S/O AHMAD ZAMA KHAN R/O 98-G JASOLA VIHAR SECTOR 7 OKLA NEW DELHI 110025 HAVE CHANGED MY NAME TO ZESHAN ZAMA KHAN FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, SOURABH MALIK S/O SHAMSHER MALIK R/O FLAT NO-303, AK TOWER ANTRIKSH HEIGHTS, SECTOR-84, KHARKI DAULA, GURGAON, HARYANA-122004, HAVE CHANGED MY NAME TO SORABH MALIK FOR ALL FUTURE PURPOSES

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्री रजत यादव, संपत्ति संख्या 82, खसरा संख्या 66/5/2, क्षेत्रफल 31 वर्ग गज, जो ग्राम हस्तसाल, आबादी क्षेत्र ओम विहार, फेज V, उत्तम नगर, नई दिल्ली में स्थित है, को श्रीमती बिरबती से क्रय करना चाहते हैं। राजस्व अभिलेखों के अनुसार उक्त संपत्ति के मूल स्वामी श्री के. के. सरून थे। तत्पश्चात श्री के. के. सरून ने दिनांक 20.06.1996 को तक्क ،ञ्रस एवं वसीयत (Will) के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री कुलदीप सिंह को हस्तांतरित की। इसके पश्चात संपत्ति का हस्तांतरण निम्नानुसार GPA, ATS एवं Will के माध्यम से हुआ- श्री कुलदीप सिंह से श्रीमती निशा गुप्ता, श्रीमती निशा गुप्ता से श्री अशोक कुमार, श्री अशोक कुमार से श्री संदीप अहलावत, श्री संदीप अहलावत से श्री जी. के. गंभीर, श्री जी. के. गंभीर से श्री राजिंदर पाल आहूजा (दिनांक 30.12.2005), श्री राजिंदर पाल आहूजा से श्रीमती आशा देवी (दिनांक 01.04.2008), श्रीमती आशा देवी से श्रीमती नीलम, श्रीमती नीलम से श्री एन. सी. मित्तल (दिनांक 29.02.2012), श्री एन. सी. मित्तल से श्रीमती शांति देवी (दिनांक 25.05.2012), श्रीमती शांति देवी से श्री रमेश कुमार (दिनांक 17.12.2012), श्री रमेश कुमार से श्री सुंदर सिंह (दिनांक 19.04.2013), श्री सुंदर सिंह से श्रीमती दुर्गा देवी (दिनांक 14.12.2017), श्रीमती दुर्गा देवी से श्रीमती माया, श्री राहुल शर्मा एवं श्री कृष्ण (दिनांक 22.12.2021), श्रीमती माया, श्री राहुल शर्मा एवं श्री कृष्ण से श्रीमती बिरबती (दिनांक 10.09.2025), अतः, श्रीमती बिरबती उक्त संपत्ति की पूर्ण एवं वैध स्वामिनी हैं।, उक्त संपत्ति सभी प्रकार के वाद-विवाद, बंधक, भार, ऋण या किसी भी प्रकार के दावे से मुक्त है। कृपया ध्यान दें कि उक्त संपत्ति के लिए वित्तपोषण आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, बाराखंबा, सी.पी. शाखा, नई दिल्ली के द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सुचित किया जाता है कि मेरे मुवकिल श्री बी एन सिहं पुत्र स्वर्गीय श्री एस पी सिंह निवासी सी-53. जीवन पार्क उत्तम नगर नई दिल्ली 110059 ने अपने पुत्र विवेक सिंह व उसकी पत्नि प्रीति सिंह को उनकी गैर जिम्मेवार हरक्तो व नियन्त्र मे ना होने के कारण अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है तथा अब विवेक सिंह व उसकी पत्नि प्रीति सिंह से अपने सारे सम्बन्ध विच्छेद कर लिए है मेरे मुवक्लि का अब अपने पुत्र विवेक सिंह व उसकी पत्नि प्रीति सिंह से कोई सम्बन्ध नही रहा है और भविश्य मे विवेक सिंह व उसकी पत्नि प्रीति सिंह के साथ कोई लेन देन करता है तो मेरे मुवक्लि कि कोई जिम्मेवारी नही होगी तथा उसका स्वंय का जोखिम होगा !
विजय पाल सिंह, अधिवक्ता
CH. NO. 847,LAWYERS CHAMBER
DWARKA DISTRICT COURT N.D.75.

सार्वजनिक सूचना
मैं, राजन कुमार पुत्र स्व0 श्री रामलाल व श्रीमति उषा पत्नी श्री निवासी-मकान नं0 52, डीपी सदन हेली लेन VTC नई दिल्ली GPO PO नई दिल्ली घोषित करता हूं कि मेरे तीन पुत्र है उनमे से मैं सबसे बडे बेटे अंकित कमार व पत्नी श्रीमती रागनी को उनके गलत आचरण / गलत व्यवहार के कारण अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहा हूँ। क्योकि इसका कारण मेरी पुत्रवधू श्रीमति रागनी है। उसने हमे बहुत परेशान कर रखा है। और हम दोनो पति पत्नी अपने बडे बेटे अंकित व पुत्रवधू को बेदखल कर रहे है। अगर भविष्य में मेरे बेटे अकित व मेरी पुत्रवधू किसी व्यक्ति से लेन-देन करती है तो हमारी कोई जिम्मेदारी नही होगी। अगर निकट भविष्य में मेरे पुत्र जतिन, 2. शुभ चेतन्नया कुमार व मुझे व मेरी पत्नी उषा को कुछ अनहोनी होती है तो उसका जिम्मेदार मेरी पुत्रवधू रागनी उसकी मॉ राजकुमारी पिता श्याम लाल व उसके दो भाई अमन और रमन जिम्मेदार होगें।

NAME CHANGE
I BALU HAUSERAO CHAVAN legally father of Army No - 2824480F, Rank - Sep, Name - Chavan Akshay Balasaheb, Presently Residing At - Arvi, Post- Ajnuj, Teh - Shrigonda, Dist - Ahmednagar, Pin - 414701, State- Maharashtra have changed my name From BALU HAUSERAO CHAVAN to BALASAHEB HAUSERAO CHAVAN for all future purposes Vide affidavit dated 04/04/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I LATA legally mother of Army no - 2824480F, Rank - Sep, Name - Chavan Akshay Balasaheb, Presently residing At - Arvi, Post- Ajnuj, Teh - Shrigonda, Dist - Ahmednagar, State- Maharashtra, Pin - 414701 have changed my name from LATA to LATA BALASAHEB CHAVAN for all future purposes. Vide affidavit dated 04/04/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I KUSUM Legally Mother of Army no - JC-462889M, Rank - NBSUB, Name - SHINDE SHASHIKANT BHAGWAN Presently Residing, At - RAHIMATPUR, Post - RAHIMATPUR, Teh - KOREGAON, Dist - SATARA, Pin - 415511, State - MAHARASHTRA have changed my name From KUSUM to KUSUM BHAGWAN SHINDE and date of birth from 13/07/1963 to 15/07/1961 for all future purposes. Vide affidavit Dated 04/04/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I BHAGWAN Legally Father of Army no - JC-462889M, Rank - NBSUB, Name - SHINDE SHASHIKANT BHAGWAN Presently Residing, At - RAHIMATPUR, Post - RAHIMATPUR, Teh - KOREGAON, Dist - SATARA, Pin - 415511, State - MAHARASHTRA have changed my name From BHAGWAN to BHAGWAN VISHVANATH SHINDE and date of birth from 13/07/1955 to 09/09/1957 for all future purposes. Vide affidavit Dated 04/04/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I SEEMA Legally wife of Army no - JC-462889M, Rank - NBSUB, Name - SHINDE SHASHIKANT BHAGWAN Presently Residing, At - RAHIMATPUR, Post - RAHIMATPUR, Teh - KOREGAON, Dist - SATARA, Pin - 415511, State - MAHARASHTRA have changed my name From SEEMA to SEEMA SHASHIKANT SHINDE for all future purposes. Vide affidavit Dated 04/04/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, No-14892311H Rank-SEP/MT Name-PUSHPENDRA KUMAR Presently residing at RAFATPUR, FATEHABAD URF MANAKPURI, BIJNOR RURAL, BIJNOR UTTAR PRADESH-246701, have changed my father's name from BRIJPAL SINGH to BRAJPAL SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 06/04/2026 before Notary Public, Delhi.

Lost & Found
I Gurcharan Singh Babbar S/o Late. Jaswant Singh R/o - N 31, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi - 110009 Have Lost My Original Property Allotment Letter & Possession Memo of Plot No. B - 594, Residencial, Sector C 9, Tronica City, Tds City, Loni, Ghaziabad Uttar Pradesh - 201103. If Any Found Contact 9971359517, An Fir Has Been Logged Vide LR No. 213777/2026 At Mukherjee Nagar Delhi.

NAME CHANGE
I, ATUL KUMAR RAGHUWANSHI S/O VIRENDRA SINGH RAGHUWANSHI R/O HOUSE NO-160,3rd FLOOR,E-BLOCK, SECTOR -56,GURGAON, HARYANA-122011,HAVE CHANGED MY NAME TO ATUL RAGHUWANSHI FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, SHEETAL BAJRANG PRASAD JAGETIYA W/O BAJRANG PRASAD JAGETIYA R/O B4-502,EXPERION THE HEARTSONG,SECTOR-108,GURGAON,HARYANA-122006,HAVE CHANGED MY NAME TO SHEETAL BAJRANG JAGETIYA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, BAJRANG PRASAD RANG LAL JAGETIYA S/O RANG LAL CHAGAN LAL JAGETIYA R/O B4-502,EXPERION THE HEARTSONG,SECTOR-108,GURGAON,HARYANA-122006,HAVE CHANGED MY NAME TO BAJRANG PRASAD JAGETIYA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I HARISH CHANDRA S/O SHYAM LAL R/O R-1/14 1ST FLOOR , PAREWA NIWAS BUDH VIHAR PH-1 DELHI 110086 have changed my name to HARISH CHANDRA GUPTA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I RANI KUMARI W/O AJEET KUMAR R/O C-66 KAMAL KUNJ SECTOR -61, NOIDA GAUTAM BUDDHA NAGAR UTTAR PRADESH 201307 have changed my name to RANI THAKUR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I BHAWNA JOSHI W/O MAHESH PRASAD R/O H.NO 220 BLOCK - 1 KHICHRIPUR PATPARGANJ DELHI- 110091 have changed my name to BHAWNA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I NIKHILESH KUMAR S/O JOGINDER SINGH R/O FLAT NO- 122 D , POCKET-A NEAR POLICE STATION MAYUR VIHAR PHASE -2 DELHI - 110091 have changed my name to NIKHILESH Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I SAJJATH AHMED THAYYAN S/O KHADER THAYYAN R/O B-3/ UG-3 DILSHAD COLONY EAST DELHI 110095 HAVE CHANGED MY NAME TO SAJJATH AHMED

NAME CHANGE
I hitherto known as GIRIJA THRESSIA MATHEW D/O MATHEW PALLIVATHUKKAL W/O SREENIVASAN PLACHIKKATTIL R/O R 3/2 Type 2 Police Station Qtrs Model Town 1 North West Delhi Delhi-110009 have changed my name and shall hereafter be known as GIRIJA.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SUNIL KUMAR S/O RAJENDER R/O Flat No-53 Pkt-2 Sec-23 Landmark Ner Pkt Rohini Po: Rohini Sector-7 Dist: North West Delhi Delhi-110085, declare that name of my minor son has been wrongly written as KAVYANSH in my minor son namely KAVYANSH DAHIYA aged 12 years in his school records. The actual name of my minor son is KAVYANSH DAHIYA which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I. MANGAL is a real mother of No 2810662K Rank SEP Name PATIL MADHUR BALKRISHNA presently residing VILL-KURNI, POST-MALAGE, TEH-KAGAL, DIST-KOLHAPUR (MAHARASHTRA)-416219, have changed my name from MANGAL TO MANGAL BALKRISHNA PATIL and date of birth from 16/03/1958 to 01/01/1951 for all future purposes. Vide affidavit dated 06/04/2026 before Public Notary Delhi

NAME CHANGE
I. KALE AMBADAS DADA is legally father of No.2818475A Rank SEP Name KALE NILESH AMBADAS presently residing VILL- KOTAMGAON, POST- KOTAMGAON,TEH-NIPHAD DIST-NASHIK, (MAHARASHTRA)-422306, have changed my date of birth from 02/06/1977 to 05/06/1971 for all future purposes. Vide affidavit dated 06/04/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, No-14892311H Rank-SEP/MT Name-PUSHPENDRA KUMAR Presently residing at RAFATPUR, FATEHABAD URF MANAKPURI, BIJNOR RURAL, BIJNOR UTTAR PRADESH-246701, have changed my father's name from BRIJPAL SINGH to BRAJPAL SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 06/04/2026 before Notary Public, Delhi.

Lost & Found
I Gurcharan Singh Babbar S/o Late. Jaswant Singh R/o - N 31, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi - 110009 Have Lost My Original Property Allotment Letter & Possession Memo of Plot No. B - 594, Residencial, Sector C 9, Tronica City, Tds City, Loni, Ghaziabad Uttar Pradesh - 201103. If Any Found Contact 9971359517, An Fir Has Been Logged Vide LR No. 213777/2026 At Mukherjee Nagar Delhi.

NAME CHANGE
I Pankaj Kumar S/o Om Parkash R/o House No-172, KH NO, 20/1 UPPER GROUND FLOOR, RZ-T BLOCK, EXTN FRONT, DWARKA DELHI- 110059 have changed my name to PANKAJ SINGLA S/O OM PRAKASH SINGLA for all future purposes.

NAME CHANGE
I,Saroj Nagar W/o Pratap Singh Nagar R/o E-101, Gali No.6, Khajoori Khas Extn., Karawal Nagar, Delhi-110094 have changed my name to Saroj.

NAME CHANGE
I Shivani Kumari W/o Deepak Soni R/o H. No. 41, Second Floor, Pocket-3, Sector-24, Near Delhi Public School, Rohini, North West Delhi-110085 have changed my name to Shivani Soni for all future purposes.

NAME CHANGE
I Jianna D/o Anuj Bajaj, H. No. 1534, Outram Lines, Kingsway Camp, Delhi-110009 have changed my name to Jianna Bajaj for all future purposes.

NAME CHANGE
I. PATIL BALKRISHNA KERABA is a real father of No 2810662K Rank SEP Name PATIL MADHUR BALKRISHNA presently residing VILL-KURNI, POST- MALAGE,TEH-KAGAL, DIST -KOLHAPUR,(MAHARASHTRA)-416219, have changed my name from PATIL BALKRISHNA KERABA to BALKRISHNA KERBA PATIL and date of birth from 01/06/1953 to 01/01/1948 for all future purposes. Vide affidavit dated 06/04/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I,VAISHALI W/O No. 2804170P Rank- HAV Name-MALI DEEPAK SITARAM VILL- EKLAHARE POST -EKLAHARE TEH- AMALNER DIST- JALGAON MAHARASHTRA-425401 have changed my name from VAISHALI to VAISHALI DEEPAK MALI and date of birth from 02/10/1991 for all future purposes Vide affidavit dated 06/04/2026 Before Public Notary Delhi.

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्री अश्वनी वर्मा उर्फ गोलू, रेलवे रोड, कस्बा दादरी (जी.टी. रोड और पायल सिनेमा के बीच), परगना एवं तहसील दादरी, जनपद गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित दो-मंजिला पश्चिममुखी दुकान, जिसका कुल क्षेत्रफल 49.82 वर्ग गज (अर्थात 41.65 वर्ग मीटर) है, तथा जिसका पुराना खसरा संख्या 871 एवं नया खसरा संख्या 1986 है, के स्वामी हैं। उक्त संपत्ति की मूल स्वामिनी श्रीमती शांति देवी थीं, जिन्होंने दिनांक 19.03.1986 को एक वसीयत निष्पादित कर उक्त संपत्ति श्री लोकेश कुमार उर्फ पप्पू एवं श्री त्रिलोकचंद उर्फ राजू के पक्ष में की थी। दुर्भाग्यवश, तत्पश्चात श्रीमती शांति देवी का देहांत हो गया। इसके उपरांत, श्री लोकेश कुमार उर्फ पप्पू एवं श्री त्रिलोकचंद उर्फ राजू के नाम राजस्व अभिलेखों में विधिवत दर्ज (म्यूटेशन) कर दिए गए। इसके पश्चात, श्री लोकेश कुमार उर्फ पप्पू ने दिनांक 15.12.2022 को एक उपहार विलेख (गिफ्ट डीड) के माध्यम से अपनी हिस्सेदारी श्री अश्वनी वर्मा उर्फ गोलू के पक्ष में हस्तांतरित कर दी। फलस्वरूप, श्री अश्वनी वर्मा उर्फ गोलू उक्त संपत्ति के पूर्ण एवं वैध स्वामी बन गए। उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, बंधक, भार, ऋण या दावों से मुक्त है। साथ ही, यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति को वास्तु हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड, नोएडा शाखा, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित किया जाना प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NOTICE
Public at large is hereby informed that my client Mr. Anil Rangila is the owner of Property no. 32, area measuring 350 sq. yds, situated at Sector-15, Urban State, Faridabad, Tehsil & Distt. Faridabad, Haryana. Initially, HUDA allotted the said Property to Darshan Lal Behal. Later, Deed of Conveyance dated 28.07.1987 executed by HUDA in favour of Darshan Lal Behal in respect of the said property. (Doc No. 5427). Later, Sale Deed dated 04.09.1987 executed by Darshan Lal Behal in favour of Dina Nath Rangila in respect of the said property. (Doc No. 7259). Later, Dina Nath Rangila died on 01.12.2023 and his wife Shanti Devi already died on 27.02.2012 Leaving behind Legal Heirs namely Anil Rangila, Sangeeta Arora, Sushma & Sunita Gandhi. Later, Affidavit cum NOC given by Sangeeta Arora in favour of Anil Rangila in respect of the said property. Later, Affidavit cum NOC given by Sushma in favour of Anil Rangila in respect of the said property. Later, Affidavit cum NOC given by Sunita Gandhi in favour of Anil Rangila in respect of the said property. Finally, Re-Allotment Letter dated 11.02.2026 issued by HUDA in favour of Anil Rangila in respect of the said property, who intends to mortgage the said immovable property for his bonafide requirements to Cholamandalam Investment and Finance Company Ltd. Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.
NEW DELHI — **PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE**
DATE: 6/4/2025 — Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मोहम्मद मुकीम कुरेशी** पुत्र मोहम्मद रहीश निवासी मकान नंबर-1190, धोबी वाली गली, जस्सी पुरा पीएसी चौक, नज्द होटल जिला-गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 14846/2018 धारा 379/411 भा.द.स, थाना नंद नगरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मोहम्मद मुकीम कुरेशी** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त **मोहम्मद मुकीम कुरेशी** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा कि जाती है की उक्त अभियुक्त **मोहम्मद मुकीम कुरेशी, प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 14846/2018 धारा 379/411 भा.द.स, थाना नंद नगरी, दिल्ली** के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **23.05.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से
सुश्री दीपाक्षी राणा
महानगर मजिस्ट्रेट-03
कोर्ट संख्या 19
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/4361/NE/2026

NAME CHANGE
I. SUNITA is a real mother of No-2818475A Rank-SEP Name KALE NILESH AMBADAS presently residing at VILL-KOTAMGAON,POST - KOTAMGAON ???-NIPHAD DIST-NASHIK (MAHARASHTRA)-422306, have changed my name from SUNITA TO SUNITA AMBADAS Kale and date of birth from 02/06/1977 for all future purposes. Vide affidavit dated 06/04/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, SUMAN is legally mother of No. JC-462665M Rank- NB SUB Name-PATIL SACHIN MARUTI presently residing at VILL- NAGARDALE, POST- KINI, TEH- CHANDGAD, DIST- KOLHAPUR, STATE MAHARASHTRA, PIN-416508, have changed my name from SUMAN to SUMAN MARUTI PATIL and date of birth from 16/05/1958 to 04/06/1954 for all future purposes. Vide affidavit dated 06/04/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, PUSHPABAI, is legally mother of Army No. 2803782A, Rank – Hav, Name – SHIJ R, presently residing at Vill – Perumkadavila, Post – Perumkadavila, Teh – Neyyattinkara, Dist – Trivandrum, State – Kerala, Pin – 695124, have changed my name from PUSHPABAI to PUSHPA BAI D and date of birth from 16/12/1964 to 01/01/1965 for all future purposes. Vide affidavit dated 06/04/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, S W NEENA, is legally spouse of Army No. 2803782A, Rank – Hav, Name – SHIJ R, presently residing at Vill – Perumkadavila, Post – Perumkadavila, Teh – Neyyattinkara, Dist – Trivandrum, State – Kerala, Pin – 695124, have changed my name from S W NEENA to NEENA S W for all future purposes. Vide affidavit dated 06/04/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, VYAPARI RAJENDRA MADHAV, is legally father of Army No. 2816424N, Rank – Nk, Name – VYAPARI CHANDRAKANT RAJENDRA, presently residing at Vill – Wakad, Post – Wakad, Teh – Niphad, Dist – Nashik, State – Maharashtra, Pin – 422305, have changed my name from VYAPARI RAJENDRA MADHAV to RAJENDRA MADHAV VYAPARI for all future purposes. Vide affidavit dated 06/04/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, SHAKUNTALA, is legally mother of Army No. 2816424N, Rank – Nk, Name – VYAPARI CHANDRAKANT RAJENDRA, presently residing at Vill – Wakad, Post – Wakad, Teh – Niphad, Dist – Nashik, State – Maharashtra, Pin – 422305, have changed my name from SHAKUNTALA to SHAKUNTALA RAJENDRA VYAPARI and date of birth from 01/04/1972 to 01/01/1980 for all future purposes. Vide affidavit dated 06/04/2026 before Public Notary Delhi

NAME CHANGE
I, SOPAN, is legally father of JC No. 462821L, Rank – Nb Sub, Name – VAWDHANE KAILAS SOPAN, presently residing at Vill – Manori Khurd, Post – Deshmane, Teh – Niphad, Dist – Nashik, State – Maharashtra – 423401, have changed my name from SOPAN to SOPAN THAMAJI VAWDHANE and my date of birth from 24/09/1955 to 01/01/1960 for all future purposes. Vide affidavit dated 6/04/2026 before Public Notary Delhi.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

गुरुग्राम में कब्जाई सरकारी जमीन पर चला बुलडोजर

एजेंसी

गुरुग्राम। भू-माफियाओं पर प्रहार करते हुए क्राइम ब्रांच की टीमों ने उनके द्वारा किए गए अवैध कब्जों पर बुलडोजर चलाया। जीरो टॉलरेंस नीति के तहत पुलिस ने यह कार्रवाई की और काफी सरकारी जमीन उनके कब्जे से मुक्त कराई। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि भू-माफियाओं और अपराध की दुनिया से जुड़े लोगों पर इस तरह की सर्जिकल स्ट्राइक आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि सेक्टर-17, सेक्टर-39 व सेक्टर-40 क्राइम ब्रांच की टीमों ने ड्यूटी मजिस्ट्रेट आरएस बाठ के साथ कार्रवाई की। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई। सेक्टर-45 स्थित गांव कन्हई और वजीराबाद स्थित हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की सरकारी भूमि पर किए गए अवैध कब्जों की पहचान करके उन्हें ध्वस्त किया गया। इस कार्रवाई में कुख्यात अपराधी जगबंधु पुरई निवासी पश्चिम बंगाल, नरेश निवासी वजीराबाद तथा उमेद महलावत, हिमांशु, नितिन कौशिक निवासी झाड़सा गुरुग्राम द्वारा कब्जा की गई प्रॉपर्टी को मुक्त कराया गया। सभी अपराध की दुनिया में सक्रिय हैं। इन पर हिंसक अपराध, चोरी, मादक पदार्थ तस्करी और रंगदारी जैसे गंभीर अपराधों में केस दर्ज हैं और ये कई बार जेल जा चुके हैं।

मेहनत और धैर्य से ही मिलती है सफलताः कृष्णा गहलावत

सोनीपत। ब्राह्मण समाज की ओर से शहर में प्रेरणादायक सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें संघ लोक सेवा आयोग परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले जिले के सर्व समाज के मेधावी युवाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राई क्षेत्र की विधायक कृष्णा गहलावत मुख्य अतिथि रहीं। समारोह का उद्देश्य प्रतिभाशाली युवाओं का उत्साहवर्धन करना तथा अन्य विद्यार्थियों को ऊँचे लक्ष्य तय करने के लिए प्रेरित करना रहा। पूरे आयोजन में उत्साह और गर्व का वातावरण दिखाई दिया। विधायक कृष्णा गहलावत ने सफल अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत नहीं बल्कि पूरे जिले और समाज के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, बल्कि यह केवल मेहनत, धैर्य और निरंतर प्रयास से ही प्राप्त होती है। आसान रास्ते खोजने वाले लोग अक्सर लक्ष्य से भटक जाते हैं, जबकि कठिनाइयों से लड़कर हासिल की गई सफलता ही स्थायी होती है। उन्होंने कहा कि असफलता भी सीख देती है और आगे बढ़ने की प्रेरणा बनती है, इसलिए लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखते हुए ईमानदारी से परिश्रम करना आवश्यक है।

बुजुर्ग श्रद्धालुओं को कराई जाएगी हजूर साहिब की निःशुल्क यात्रा-डीसी

कैथल। डीसी अपराजिता ने बताया कि हरियाणा सरकार की पहल 'मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना' के अंतर्गत बुजुर्ग श्रद्धालुओं को पवित्र तीर्थ स्थल तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब नांदेड़ (महाराष्ट्र) के दर्शन करवाए जाएंगे। पांच मई को कुरुक्षेत्र से एक विशेष ट्रेन रवाना होगी, जिसे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा।उन्होंने बताया कि योजना के तहत यात्रा पूरी तरह निःशुल्क होगी और पात्र श्रद्धालुओं को रहने व खाने सहित सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। इच्छुक श्रद्धालु 15 अप्रैल तक सरल हरियाणा पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। चयन प्रक्रिया 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर होगी, इसलिए पात्र लाभार्थियों से समय रहते आवेदन करें। इस यात्रा का पूरा खर्च सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए कुछ नियम निर्धारित किए हैं। इसके लिए आवेदक की आयु 60 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए। परिवार की वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये से कम होनी चाहिए । योजना के नियमों के अनुसार, कोई भी व्यक्ति तीन वर्षों में केवल एक बार ही इस सुविधा का लाभ ले सकता है।डीसी अपराजिता ने स्पष्ट किया कि पंजीकरण करवाने वाले सभी लाभार्थियों को 16 अप्रैल से पहले लघु सचिवालय स्थित जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय में अपनी सूचना देना अनिवार्य होगा, ताकि यात्रा संबंधी व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित की जा सकें।उन्होंने जिले के पात्र बुजुर्गों से अपील की कि वे इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और पवित्र धाम के दर्शन कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करें।

कैथल के चीका में मोबाइल की दुकान पर फायरिंग, बदमाश फरार

कैथल। जिले के चीका कस्बे में शनिवार देर शाम एक मोबाइल दुकान पर अज्ञात बदमाशों ने फायरिंग कर इलाके में दहशत फैला दी। घटना मेन मार्केट की है, जहां दो बदमाश बाइक पर सवार होकर पहुंचे और अचानक पिस्टल निकालकर कई राउंड फायर कर दिए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बदमाशों ने दुकान के सामने कुछ सेकंड रुक कर फायरिंग की। गोलियां दुकान के शीशे तोड़ते हुए अंदर दीवार में जा घुसीं। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। इस वारदात का एक करीब 50 सेकंड का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दोनों बदमाश बिना नंबर प्लेट की काली स्पलेंडर बाइक पर आते दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने चेहरे पर डार्क रंग के मास्क पहने हुए थे। वीडियो में एक बदमाश पिस्टल निकालकर फायर करता और दूसरा दोबारा पिस्टल लोड कर अगला राउंड फायर दिखाई दे रहा है।

मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में हरियाणा विकास पथ पर अग्रसर : बेदी

एजेंसी

जींद। कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में हरियाणा विकास पथ पर अग्रसर है। आज हरियाणा में जो सरकार बनी है वो केवल जींद की वजह से बनी है। भूपेंद्र हुड्डा कहते थे कि जींद मेरा है। ठेकेदारी तो जींद की करते थे और वोट बटोरते थे और जींद में कभी विकास नही किया। जींद के लोगों ने बता दिया कि हम भाजपा के साथ हैं। कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी जींद में आयोजित धन्यवाद एवं विकास रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विपक्ष कहता है कि न बीजेपी कर्मचारी, महिलाओं, मजदूर की नही सुनती। विपक्ष के पास इससे ज्यादा कुछ नही है। विधानसभा में भी यही बोलते हैं। वो केवल विरोध करना चाहते हैं। आज 24 फसलें एमएसपी पर हरियाणा प्रदेश में खरीदी जा रही हैं। खराबे का पैसा सबसे पहले हरियाणा में सरकार ने डाला है। महिलाओं को 500 रुपये में सिलेंडर

दिया जा रहा है। हर वर्ग के लिए जनकल्याणकारी योजनाएं भाजपा सरकार हर वर्ग के लिए चला रही है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में भाजपा सरकार हर वर्ग का कल्याण कर रही है। बेदी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जातिवाद के झगड़े यह फैलाएंगे और आरोप उन पर लगाया जाएगा। भाजपा ने कभी इलाका देख कर विकास नही किया, न ही नौकरियां दी। संपूर्ण देश का विकास करने की योजना लेकर भाजपा सरकार आई है। इसी सोच को लेकर भाजपा सरकार चल रही है। बेदी ने कहा कि विधानसभा में हुड्डा ने कहा कि यह वोट चोरी की सरकार है। जिस दिन उन्होंने जवाब दिया और बताया कि 46 जगह वोट मांगने नही गए तो वोट चोरी कौन सी हो गई। बीरेंद्र सिंह, रणदीप सुरजेवाला के बेटे व शैलजा को यह हराने में लग रहे थे।

बेदी ने कहा कि आज जो पूरे देश के अंदर चारों तरफ कमल का फूल खिला है, वो भाजपा कार्यकर्ताओं की बदौलत है। आज धन्यवाद और विकास रैली है। धन्यवाद तो कितना करें कोई सीमा नही है। एक तरफ 11 साल बेमिसाल तो दूसरी तरफ प्रतिपक्ष का लगभग 60 साल का राज। भाई के किसी भी कोने में चले जाओ लेकिन जींद में जाना मुश्किल है।

मोदी और नायब सरकार की नीतियों जन जन तक पहुंचाएं कार्यकर्ता : धनखड़

एजेंसी

झज्जर। केंद्र में मोदी सरकार और हरियाणा में नायब सरकार अंत्योदय की भावना से जनसेवा के उल्लेखनीय कार्य कर रही हैं। समाज के हर वर्ग की देश - प्रदेश के विकास में बराबर की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। सभी भाजपा कार्यकर्ताओं का दायित्व बनता है कि वह यह सुनिश्चित करें कि अपने अपने क्षेत्र में हर पात्र नागरिक को मोदी और नायब सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने पार्टी कार्यालय में जिला कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए यह आह्वान किया। जिला कार्यकारिणी की बैठक में संगठन द्वारा लिए कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई और आगामी कार्यक्रमों लेकर विचार विमर्श हुआ। बैठक में पहुंचने पर भाजपा के राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़ का जिला अध्यक्ष विकास वाल्मीकि की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने जोश और उत्साह के साथ स्वागत किया। राष्ट्रीय सचिव धनखड़ ने कार्यकर्ताओं को दिशा निर्देश देते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ता की पहचान देश और समाज सेवा से होती है। पात्र नागरिक को योजना का लाभ मिलने से उसका विश्वास आपके प्रति , भाजपा के प्रति और भाजपा की मोदी नायब सरकार के प्रति और बढ़ेगा। नागरिकों के विश्वास से ही भाजपा संगठन और मजबूत होगा। धनखड़ ने कहा कि पीएम मोदी जी के सशक्त नेतृत्व में देश ने हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। अर्थव्यवस्था,सैन्य,संस्कृति ,शिक्षा, चिकित्सा के क्षेत्र में भारत मजबूत होकर उभरा है। आज भारत की बात को दुनिया में ध्यान से सुना जाता है। दूसरी तरफ विपक्ष है जिसके ना सर्वमान्य नेता और और न ही नीति। कांग्रेस लगातार सिकुड़ती जा रही है। कार्यकारिणी बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष विकास वाल्मीकि ने संगठन के आगामी कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में कमल खिलाएगी जनताः बड़ौली

एजेंसी

सोनीपत। मोहन लाल बड़ौली ने सोनीपत में आयोजित कार्यक्रम में महाराजा सूरजमल की प्रतिमा का अनावरण किया और युवाओं को राष्ट्रभक्ति, साहस तथा सामाजिक समरसता का संदेश दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि के रूप में संबोधन करते हुए मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि महाराजा सूरजमल युद्ध कौशल, रणनीति और वीरता के अद्वितीय प्रतीक थे। उन्होंने बताया कि महाराजा सूरजमलने अपने जीवन में अनेक युद्ध लड़े और कभी पराजय स्वीकार नहीं की। वे न्यायप्रिय, दूरदर्शी तथा किसानों के हितों के प्रति समर्पित शासक थे। उनकी प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को देशभक्ति और साहस की प्रेरणा देती रहेगी। पत्रकारों से बातचीत में मोहन लाल बड़ौली ने आगामी पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों को लेकर कहाकि भारतीय जनता पार्टी की जीत सुनिश्चित है। उन्होंने पश्चिम बंगाल में जनता के समर्थन का दावा करते हुए कहा कि इस बार परिवर्तन निश्चित है। उन्होंने यह भी कहा कि असम में पार्टी तीसरी बार सरकार बनाकर इतिहास रचेगी।

किसान हितों पर बोलते हुए उन्होंने बताया कि नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में राज्य सरकार मंडियों में बेहतर व्यवस्था लागू कर रही है, जिससे किसानों को किसी प्रकार की समस्या न हो।

सरकार 24 फसलों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदने के लिए प्रतिबद्ध है और किसानों की फसल का एक-एक दाना खरीदा जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी अपने संकल्पों को पूरा करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

किसानों के लिए मंडियों में बारदाना, झारनों और पंखों की हो व्यवस्था : गौरव गौतम

एजेंसी

पलवल। हरियाणा सरकार रबी फसल खरीद सीजन के मद्देनजर किसानों की सुविधा और हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूरी तरह सक्रिय है। हरियाणा सरकार में खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने जिला में फसल खरीद प्रक्रिया का सुव्यवस्थित और सुचारू रूप से संचालन सुनिश्चित करने के लिए जिला के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ पलवल स्थित अनाज मंडी पहुंचकर व्यवस्थाओं और सुविधाओं का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि फसल खरीद प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, व्यवस्थित और समयबद्ध होनी चाहिए। खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने निरीक्षण के दौरान स्पष्ट शब्दों में कहा कि फसल खरीद प्रक्रिया के दौरान किसी भी किसान

को असुविधा नहीं होनी चाहिए।उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडियों में सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित हों और किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके लिए नोडल अधिकारियों की सक्रिय उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि जिले में रबी फसल की खरीद प्रक्रिया को सुचारू, पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के साथ-साथ किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए सरकार और जिला प्रशासन पूरी तरह सजग और सतर्क है। खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने संबंधित अधिकारियों को किसानों की सुविधा के लिए मंडियों में बारदाना, झारनों और पंखों की पर्याप्त व्यवस्था करने सहित गेट पास व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी तरीके से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी अनाज मंडियों में एक्टिव रहकर कार्य करें और पूरी फसल खरीद प्रक्रिया की नियमित रूप से मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें।

कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने झज्जर के सेक्टर 9 में भगवान परशुराम भवन का किया शिलान्यास

एजेंसी

झज्जर। हरियाणा के सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि झज्जर में स्थापित होने वाला भगवान परशुराम भवन इलाके में जरूरतमंदों की सेवा और युवाओं को लक्ष्य प्राप्त करने का माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण समुदाय हमेशा 36 बिरादरी को साथ लेकर चला है, जिसकी बदौलत समाजिक व्यवस्था मजबूत हुई है।

परिवारों में मजबूती और खुशहाली लाने के लिए हम सब मिलकर काम करेंगे। सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने सेक्टर 9, झज्जर में श्री ब्राह्मण महासभा के तहत निर्माण होने वाले श्री परशुराम भवन का शिलान्यास किया। श्री ब्राह्मण महासभा प्रधान पंडित राज देवरखाना, महासचिव सन्त सुरेहती, वरिष्ठ उपप्रधान पंडित कुलदीप, उपप्रधान रविन्द्र कौशिक, कोषाध्यक्ष बालकिशन भदाना, सहसचिव विजय कुमार द्वारा सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा का भव्य स्वागत किया । उपस्थित जनसमूह को संबोधित

करते हुए कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि झज्जर में ऐतिहासिक श्री परशुराम भवन बनेगा, जो ब्राह्मण समाज के साथ-साथ अन्य वर्गों को साथ लेकर आगे वढ़ाने में बड़ा योगदान देगा। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने ब्राह्मण समाज उत्थान के लिए निरन्तर कदम उठा रहे हैं। विधानसभा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा के तीसरे कैम्पस के पास हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा सेक्टर 26 में चार एकड़ में भगवान परशुराम विरासत पार्क विकसित करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि समाज का मान-सम्मान और मजबूती निरन्तर बढ़ रही है, जिस प्रकार गौमाता में 33 कोटि देवी-देवता वास करते हैं, उसी प्रकार ब्राह्मण 36 बिरादरी को साथ लेकर चलता है। उन्होंने आह्वान किया कि समाज के प्रबुद्धजनों को चाहिए कि वो युवाओं को मजबूती और अनुशासन के साथ आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करें और एक-दूसरे को मजबूती देने का काम करें। सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि हमें पंडित भगवत दयाल शर्मा, पंडित श्रीराम शर्मा, पंडित नेकीराम शर्मा की भांति सभी पथप्रदर्शकों के विचारों को आगे बढ़ाने के लिए काम करें। कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार की पारदर्शिता की बदौलत युवाओं को रोजगार के भरपूर अवसर मिले हैं। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी अभिभावकों की असली पूंजी है। उन्होंने श्री ब्राह्मण सभा, झज्जर के पदाधिकारियों से आह्वान किया कि वो श्री परशुराम भवन में डिजिटल लाइब्रेरी जरूर स्थापित करें, ताकि युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर आगे बढ़े सकें।

जिला प्रशासन का गैस की कालाबाजारी पर शिकंजा कसने का दावा

-पिछले एक सप्ताह में गैस की कालाबाजारी की नहीं आई कोई शिकायत

-कंट्रोल रूम में मिल रही हर शिकायत का त्वरित समाधान

एजेंसी

गुरुग्राम। जिला प्रशासन का दावा है कि जिला में एलपीजी गैस की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य बनी हुई है। पिछले एक सप्ताह के दौरान कालाबाजारी की एक भी शिकायत सामने नहीं आई है। उपायुक्त अजय कुमार ने रविवार को बताया कि जिला प्रशासन द्वारा एलपीजी वितरण प्रणाली पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने बताया कि कालाबाजारी, जमाखोरी और अवैध डायवर्जन पर रोक लगाने के लिए खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग की टीमें लगातार फील्ड में सक्रिय हैं और विभिन्न क्षेत्रों में निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता को समय रहते रोका जा सके। डीएफएससी की सप्लाई ब्रांच के इंस्पेक्टर राकेश कुमार ने बताया कि प्रशासन के निर्देशानुसार जिले की सभी 58 गैस एजेंसियों और प्रिंट मीडिया तथा आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर कंट्रोल रूम का नंबर 0124-2868930 प्रदर्शित किया गया है, ताकि उपभोक्ता सीधे संपर्क कर सकें और उन्हें त्वरित सहायता मिल सके। उन्होंने बताया कि कंट्रोल रूम में मिल रही प्रत्येक शिकायत का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जा रहा है। राकेश कुमार ने कहा कि जिले में एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। वर्तमान में 58 गैस एजेंसियों के पास 14,881 सिलेंडर मौजूद हैं, जिससे आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह सुचारू बनी हुई है। विभाग द्वारा रोजाना सप्लाई की निगरानी की जा रही है, ताकि आगे भी किसी प्रकार की कमी न हो।

अमर शहीदों से जाना जाता है दक्षिणी हरियाणा : आरती सिंह राव

एजेंसी

रेवाड़ी। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने रेवाड़ी जिला के गांव भांडोर में शहीद कैलाश चंद की प्रतिमा का अनावरण किया। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने इस अवसर पर कि शहीद केवल किसी एक परिवार या गांव तक सीमित नहीं होते, बल्कि वे पूरे देश की धरोहर होते हैं। उन्होंने कहा कि दक्षिणी हरियाणा की पहचान ही अमर शहीदों से है, जहां हर घर से सैनिक और हर गांव से वीरों की गाथाएं जुड़ी हुई हैं। उन्होंने शहीद कैलाश चंद की शहादत को याद करते हुए बताया कि वर्ष 1993 में छत्तीसगढ़ में चुनाव ड्यूटी के दौरान माओवादियों से मुठभेड़ में उन्होंने वीरगति प्राप्त की थी। उनकी यह शहादत सदैव देशवासियों को प्रेरित करती रहेगी। आरती सिंह राव ने शहीद की वीरांगना भतेरी देवी और उनके परिवारजनों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि सरकार उनके साथ हर कदम पर खड़ी है। उन्होंने ग्रामीणों द्वारा रखी गई मांगों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का आश्वासन भी दिया।

स्वास्थ्य मंत्री ने इस अवसर

पर कहा कि रेवाड़ी जिला के गांव माजरा में निर्माणाधीन एम्स में एमबीबीएस की 50 सीटों को स्वीकृति मिल चुकी है। अब जल्द ही एम्स में ओपीडी शुरू करवाई जाएगी। वह जल्द ही एम्स का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा भी लेंगी। उन्होंने बताया कि पूरे हरियाणा में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। सरकारी अस्पतालों में आधुनिक मशीनें उपलब्ध करवाई जा रही है। रोहतक पीजीआई में निरीक्षण के दौरान मिली लापरवाही पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से जवाब तलब किए गए हैं। इस अवसर पर बावल के विधायक डॉ. कृष्ण कुमार भी उपस्थित थे।

धर्म परिवर्तन करने वालों को बंद हो आरक्षण सुविधा : प्रवीण डोलके

एजेंसी

पानीपत। पानीपत जीटी रोड स्थित एसडीवीएम स्कूल में वनवासी कल्याण आश्रम हरियाणा द्वारा आयोजित 'पूर्वोत्तर की लड़कियों का हरियाणा भ्रमण कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य पूर्वोत्तर की लड़कियों को हरियाणा की संस्कृति से रूबरू करना था, कार्यक्रम में मुख्य वक्ता केंद्रीय संपर्क कार्यकर्ता प्रशासनिक दिल्ली प्रवीण ढोलके ने कहा कि देश में धर्म परिवर्तन करने वालों को आरक्षण की सुविधा बंद करने पर विचार चल रहा है। जिसके समर्थन में पूरे भारत से वनवासी कल्याण आश्रम के दो लाख वनवासी 24 मई को लाल किला मैदान में एकत्र होंगे। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि वनवासी कल्याण आश्रम की स्थापना 1952 में हुई थी। और अब इस आश्रम से 12.5 करोड़ वनवासी बंधु जुड़ चुके है । उन्होंने बताया की 23 हजार सेवा प्रकल्पों द्वारा ढाई करोड़ वनवासी बंधुओं को लाभान्वित किया गया हैद्ध जिस कारण वनवासी बंधु समाज की मुख्य धारा के साथ जुड़कर राष्ट्र की सुरक्षा, एकता व अखंडता के लिए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने जानकारी दी कि छात्रावास की 30 छात्राएं यहां की संस्कृति से रूबरू होने के लिए पानीपत में पहुंची, नगर के एक एक परिवार दो छात्राओं को अपने घर ले गए ।

पुलिस की 57 टीमों ने शहर में चलाया सर्च अभियान

एजेंसी

सिरसा। स्थानीय पुलिस द्वारा नशा तस्करों की सप्लाई चेन तोडने व नशे की डिमांड को खत्म करने के उद्देश्य से अल सुबह सिरसा शहर में सर्च अभियान चलाया गया। पुलिस की 57 टीमों ने हुडा सेक्टर 19 के फ्लैटों में दबिश नशा तस्करी में संलिप्त लोगों के घरों की तलाशी ली। सिरसा के एसपी दीपक सहारण ने बताया कि सर्च ऑपरेशन का मुख्य उद्देश्य नशे में संलिप्त व नशे का कारोबार करने वाले लोगों पर प्रभावी ढंग से अंकुश लगाने के लिए चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सर्च ऑपरेशन के दौरान जहां नशे का कारोबार करने वाले के खिलाफ पुलिस ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रही है, वहीं आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक भी किया गया है।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने गली, गांव तथा मोहल्ले की पूरी जिम्मेदारी लें तथा सिरसा पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम में बढ़-चढ़कर भाग लें ताकि समाज को पूरी तरह से नशा एंव अपराध मुक्त किया जा सके । नशा मानव जीवन के लिए एक अभिषाप है, इसलिए नशे जैसी सामाजिक बुराई को जड़ मूल से समाप्त करने के लिए समाज के सभी लोगों को आगे आकर नशे का कारोबार करने वालों का सामाजिक बहिष्कार करना चाहिए।

एसपी ने बताया कि पुलिस के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा समय-समय पर सेमिनार व गोष्ठियों के माध्यम से शहर व गांवों में भ्रमण कर लोगों को नशा जैसी सामाजिक बुराई के खिलाफ लगातार जागरूक भी किया जा रहा है जिसके काफी सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। उन्होंने आमजन से आह्वान करते हुए कहा कि जिला पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे इस अभियान में सामाजिक संस्थाएं, ग्राम पंचायतें, युवा क्लब व गांव में गठित कमेटियां इस अभियान में जिला पुलिस का पूरा सहयोग करें ताकि इस अभियान को सफलता के शिखर तक ले जाया जा सकें। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि नशे के खतरे से लडने् के लिए युवाओं को विशेष रुप से आगे आना चाहिए तभी हम नशा मुक्त समाज की स्थापना कर सकें।

उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा समाज को नशामुक्त करने के लिए अथक प्रयास निरंतर जारी हैं और भविष्य में इस तरह के अभियान जारी रहेंगे। सर्च ऑपरेशन के दौरान प्रशिक्षु आईपीएस शिवम यादव, डीएसपी आदर्श दीप, संजीव बल्हारा, राजसिंह, राजेश कुमार, सिद्धार्थ बिश्नोई सहित सैकड़ो पुलिस कर्मचारी शामिल रहे।

रेवाड़ी एम्स में जल्द शुरू होगी ओपीडी : स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव

एजेंसी

रेवाड़ी। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि जिले के गांव माजरा में निर्माणाधीन एम्स को लेकर बड़ी प्रगति हुई है। उन्होंने बताया कि यहां एमबीबीएस की 50 सीटों को स्वीकृति मिल चुकी है और जल्द ही एम्स में ओपीडी सेवाएं भी शुरू करवाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि वे स्वयं जल्द ही एम्स का दौरा कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लेंगी। स्वास्थ्य मंत्री गांव कुंड में आयोजित विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर रही थीं। इस दौरान उन्होंने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र लोगों से इनका अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। मंत्री ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत

बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। सरकारी अस्पतालों में आधुनिक मशीनें उपलब्ध करवाई जा रही हैं, ताकि मरीजों को बेहतर उपचार मिल सके। उन्होंने रोहतक पीजीआई में निरीक्षण के दौरान सामने आई लापरवाही पर भी कड़ा रुख अपनाते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किए जाने की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने गांव कुंड में बालाजी हॉस्पिटल के डॉ संजय और दीन दयाल हॉस्पिटल के डॉ अरविंद के आवास पर आयोजित सामाजिक आयोजनों में विशेष रूप से भाग लिया। इस मौके पर मंत्री और बावल के विधायक डा. कृष्ण कुमार का ग्रामीणों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ वंदना पोपली, जिला परिषद चेयरमैन मनोज यादव, अनिल रायपुर, रामपुरा सरपंच नरेश यादव नूरू, सरपंच नरेश कुमार, सरपंच विकास, पूर्व जिला प्रमुख डॉ शुभ्रा यादव, पूर्व जिला पार्षद जीतू चेयरमैन, चेयरमैन यशु , चेयरमैन करणपाल खोला सहित अनेक जनप्रतिनिधि व बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

सोने के दामों में 18.5 फीसदी गिरावट, गिरवी सोने को नीलामी से बचाने सावधान रहें

–50–60 प्रतिशत से ज्यादा लोन लेने से बचें

मुंबई।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच सोने के दामों में करीब 18.5 फीसद की गिरावट दर्ज की गई है। कीमतों में इस कमी का असर गोल्ड लोन लेने वाले ग्राहकों पर भी पड़ रहा है। जिन लोगों ने ऊंचे भाव पर सोना गिरवी रखकर अधिक राशि का कर्ज लिया था, उनके सामने अब 'मार्जिन कॉल' का खतरा बढ़ गया है।विशेषज्ञों के अनुसार, जब सोने की कीमत घटती है तो गिरवी रखे आभूषणों की वैल्यू कम हो जाती है और लोन-टू-वैल्यू (एलटीवी) अनुपात बढ़ जाता है। ऐसी स्थिति में बैंक या वित्तीय संस्थान अतिरिक्त रकम जमा कराने या आंशिक लोन चुकाने का नोटिस दे सकते हैं। तय समय में भुगतान नहीं करने पर गिरवी सोने की नीलामी की प्रक्रिया भी शुरू हो सकती है।वित्तीय सलाहकारों का कहना है कि मौजूदा अस्थिर बाजार में सोने के वर्तमान मूल्य का 50 से 60 फीसदी तक ही लोन लेना सुरक्षित माना जाता है। इससे कीमतों में गिरावट आने पर भी उधारकर्ता के पास सुरक्षा का पर्याप्त मार्जिन रहता है और नीलामी की नौबत नहीं आती। ग्राहकों को समय-समय पर बाजार भाव पर नजर रखने और जरूरत पड़ने पर लोन आंशिक रूप से चुकाने की सलाह दी गई है।

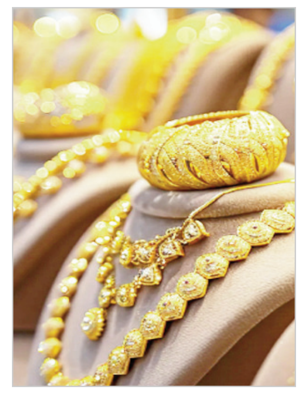

वित्त वर्ष 2025-26 में देश में वाहन बिक्री में 13.3 फीसदी की रिकॉर्ड वृद्धि

- पिछले वित्त वर्ष में वाहनों की बिक्री 41,63,927 इकाई थी

नई दिल्ली ।

देश में सभी श्रेणियों के वाहनों की खुदरा बिक्री वित्त वर्ष 2025-26 में 13.3 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 2,96,71,064 इकाई तक पहुंच गई। यह जानकारी फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) ने सोमवार को जारी की।` पिछले वर्ष की तुलना में यह बिक्री 2,61,87,255 इकाई थी। वर्ष की शुरुआत धीमी रहने के बावजूद जीएसटी 2.0 लागू होने के बाद बाजार में तेजी आई। यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री 13 प्रतिशत बढ़कर 47,05,056 इकाई हुई, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 41,63,927 इकाई थी। दोपहिया वाहनों की बिक्री 13.4 प्रतिशत बढ़कर 2,14,20,386 इकाई रही।

तिपहिया वाहनों की बिक्री 11.68 प्रतिशत बढ़कर 13,63,412 इकाई और वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 11.74 प्रतिशत बढ़कर 10,60,906 इकाई रही। फाडा के एक अे धिकारी ने कहा` कि यह वर्ष भारतीय मोटर वाहन उद्योग के लिए ऐतिहासिक रहा। छह में से पांच वाहन श्रेणियों में बिक्री के नए रिकॉर्ड बने हैं। तीन करोड़ इकाइयों के स्तर के करीब पहुंचना दो साल पहले असंभव लगता था। जीएसटी 2.0 के लागू होने से दोपहिया, छोटी कारों, तिपहिया और कुछ वाणिज्यिक वाहनों की वहनीयता में सुधार हुआ। हालांकि, फाडा ने भविष्य में पश्चिम एशिया युद्ध, ईंधन कीमतों और उपभोक्ता विश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर सतर्क रहने की चेतावनी दी। संगठन के सर्वेक्षण में 36.5 प्रतिशत डीलरों ने कहा कि बढ़ती ईंधन कीमतें ग्राहकों के खरीद निर्णयों को प्रभावित कर रही हैं। वहीं, वित्तपोषण स्थितियां स्थिर रही, और 72.5 प्रतिशत डीलरों ने पिछले 30 दिनों में कोई बदलाव नहीं देखा।

जिंदल स्टील ने ईंधन संकट में सिंगैस का इस्तेमाल शुरू किया

– कोयले से तैयार सिंथेसिस गैस (सिंगैस) एक स्वच्छ जलने वाला ईंधन है

नई दिल्ली ।

ईंधन की कमी के बीच जिंदल स्टील ने अपने उच्च तापमान वाली भट्टियों में सिंथेसिस गैस (सिंगैस) का इस्तेमाल शुरू किया है। इससे प्राकृतिक गैस, एलपीजी और प्रोपेन की आपूर्ति में व्यवधान के बावजूद उत्पादन में निरंतरता बनी। यह इस्पात उद्योग में ऐसा पहला प्रयास है। सिंथेसिस गैस एक स्वच्छ जलने वाला ईंधन है जो अपशिष्ट और जैविक पदार्थों को ऊर्जा में बदलता है। जिंदल स्टील ने इसे कोयले के गैसीकरण से तैयार किया है। इसके इस्तेमाल से गैल्वनाइजिंग लाइन में इस्पात पर जस्ता की परत और कलर कोटिंग लाइन में धातु पर रंग की परत चढ़ाने वाली भट्टियों का संचालन सुचारू हुआ। कंपनी ने देश का पहला डीआरआई संयंत्र स्थापित किया है, जिसमें सिंगैस का इस्तेमाल लोहे के उत्पादन में होता है। इसके साथ ही ब्लास्ट फर्नेस में सिंगैस इंजेक्शन से आयातित कोकिंग कोयले पर निर्भरता कम हुई और प्रति टन इस्पात कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आई। अंगुल संयंत्र के एक कार्यकारी निदेशक के अनुसार स्वदेशी कोयले से तैयार सिंगैस आयातित गैस, अमोनिया और द्रवीकृत प्राकृतिक गैस का विकल्प बन सकता है।

इससे भारत को अपने विशाल कोयला भंडार का उपयोग कर भविष्य में कम कार्बन उत्सर्जन वाली वृद्धि सुनिश्चित करने और विदेशी मुद्रा बचाने में मदद मिलेगी। जिंदल स्टील के संयंत्र ओडिशा (अंगुल), छत्तीसगढ़ (रायगढ़) और झारखंड (पतरातू) में हैं, और कंपनी का भारत और अफ्रीका में भी रणनीतिक परिचालन है।

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर मार्च में 14 महीने में सबसे धीमी रही पीएमआई

– मार्च में नए कारोबार की वृद्धि धीमी रही, लेकिन नए निर्यात आदेशों में तेज उछाल दर्ज किया गया

नई दिल्ली ।

देश के सेवा क्षेत्र में मार्च 2026 में विस्तार जारी रहा, लेकिन वृद्धि की गति पिछले 14 महीनों में सबसे धीमी रही। एचएसबीसी इंडिया द्वारा जारी मासिक सर्वेक्षण के अनुसार, मौसमी रूप से समायोजित सेवा पीएमआई कारोबार सूचकांक फरवरी के 58.1 से घटकर मार्च में 57.5 पर आ गया। पीएमआई में 50 से ऊपर अंक गतिविधियों के विस्तार और 50 से कम अंक संकुचन का संकेत देते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, मार्च में नए कारोबार की वृद्धि धीमी रही, लेकिन नए निर्यात आदेशों में तेज उछाल दर्ज किया गया। कंपनियों ने अफ्रीका, एशिया, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, अमेरिका और पश्चिम एशिया से मांग बढ़ने की बात कही। सर्वेक्षण में यह भी बताया गया कि बिक्री मूल्य मुद्रास्फीति सात महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई, क्योंकि कच्चे माल की लागत में तेज वृद्धि हुई। फरवरी के बाद खाना पकाने का तेल, अंडे, बिजली, फल, ईंधन, श्रम, मछली, चिकन, मीट और सब्जियों की कीमतें बढ़ीं। निजी क्षेत्र में लागत दबाव लगभग चार वर्ष में सबसे अधिक रहा। रोजगार में लगातार तीसरे महीने वृद्धि दर्ज हुई।

कंपनियों का मानना है कि बढ़ते विश्वास और मांग के कारण नौकरी सृजन मजबूत रहा।

उत्पादन के दृष्टिकोण में कंपनियों की आशावादिता पिछले 12 वर्षों में सबसे अधिक रही। एचएसबीसी इंडिया का समग्र पीएमआई फरवरी के 58.9 से घटकर मार्च में 57.0 हो गया, जो लगभग तीन वर्षों में विस्तार की सबसे धीमी दर दर्शाता है। यह सूचकांक विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के भारित औसत पर आधारित है।

विप्रो ने ओलाम समूह से किया एक अरब डॉलर का करार

- कंपनी की माइंडस्प्रिंट को 37.5 करोड़ डॉलर में खरीदने की योजना

नई दिल्ली ।

सूचना प्रौद्योगिकी सेवा कंपनी विप्रो ने सिंगापुर स्थित खाद्य एवं कृषि कारोबार समूह ओलाम के साथ आठ वर्ष का बहुवर्षीय रणनीतिक समझौता किया है। इस करार का अनुमानित मूल्य 1 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक है, जिसमें 80 मिलियन डॉलर का सुनिश्चित व्यय शामिल है। इसके तहत विप्रो, ओलाम की आईटी और डिजिटल सेवा इकाई माइंडस्प्रिंट प्राइवेट लिमिटेड का अधिग्रहण करेगी। विप्रो ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि यह समझौता कंपनी की ÷फार्म से फोर्क÷ क्षमताओं को बढ़ाने और खाद्य एवं कृषि उद्योग में डिजिटल प्रभाव को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। माइंडस्प्रिंट की स्थापना 2007 में सिंगापुर में हुई थी

और कंपनी के 3,200 से अधिक कर्मचारी भारत, सिंगापुर, अमेरिका, ब्रिटेन और पश्चिम एशिया में कार्यरत हैं। कंपनी ने 2025 में 13.56 मिलियन डॉलर का समेकित राजस्व दर्ज किया। ओलाम समूह, जिसकी प्रमुख हिस्सेदारी टेमासेक होल्डिंग्स के पास है, दुनिया भर में 60 से अधिक देशों में लगभग 22,000 ग्राहकों को खाद्य पदार्थ, सामग्री, पशु चारा और रेशे की आपूर्ति करता है। यह अधिग्रहण ओलाम समूह की पुनर्गठन योजना के अनुरूप है, जिसके तहत समूह अपनी शेष परिसंपत्तियों और कारोबारों को जिम्मेदारीपूर्वक बेचकर विशेष लाभांश के रूप में शेयरधारकों में वितरित करेगा। माइंडस्प्रिंट का अधिग्रहण पूरी तरह नकद में किया जाएगा और 30 जून 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है। यह समापन समायोजन और आवश्यक नियामकीय मंजूरी (सऊदी अरब और ऑस्ट्रेलिया में प्रतिस्पर्धा-रोधी मंजूरी सहित) के अधीन होगा। विप्रो के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि यह साझेदारी खाद्य एवं कृषि उद्योग में डिजिटल सेवाओं के विस्तार और विप्रो इंटेलिजेंस के प्रभाव को बढ़ाने में मदद करेगी। अे धिकारी ने कहा` कि माइंडस्प्रिंट के विकास में यह कदम संगठन को और मजबूत और भविष्य के लिए तैयार बनाएगा।

आईईएक्स पर वित्त वर्ष 2025–26 में बिजली और नवीकरणीय ऊर्जा कारोबार में रिकॉर्ड वृद्धि

– सालाना आधार पर बिजली का कारोबार 17 प्रतिशत बढ़कर 141 अरब यूनिट हो गया

नई दिल्ली।

भारतीय ऊर्जा बाजार में वित्त वर्ष 2025-26 आईईएक्स (इंं डियन इनर्जी एक्सचेंज) के लिए नए रिकॉर्ड लेकर आया। सालाना आधार पर बिजली का कारोबार 17 प्रतिशत बढ़कर 141 अरब यूनिट हो गया। विशेषज्ञों का कहना है कि इस वृद्धि का मुख्य कारण रियल-टाइम बाजार का मजबूत प्रदर्शन है, जिसने बाजार को अधिक सक्रिय और प्रतिस्पर्धात्मक बनाया।

वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में आईईएक्स पर बिजली का कारोबार 39.4 अरब यूनिट तक पहुंच गया, जो अब तक का सबसे अधिक तिमाही स्तर है और सालाना आधार पर 24.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। मार्च 2026 में मासिक स्तर पर भी कारोबार 13.90 अरब यूनिट तक बढ़ गया, जो पिछले साल की तुलना में 23.5 प्रतिशत अधिक है। नवीकरणीय ऊर्जा प्रमाणपत्र (आरईसी) कारोबार भी मजबूत रहा। पूरे वित्त वर्ष में कुल 187.20 लाख आरईसी का लेन-देन हुआ, जो सालाना आधार पर 5 प्रतिशत अधिक है। जनवरी-मार्च तिमाही में 71.70 लाख

आरईसी का कारोबार दर्ज हुआ, जबकि मार्च 2026 में यह आंकड़ा सालाना आधार पर 119.9 प्रतिशत बढ़कर 28.94 लाख तक पहुंच गया।

'डे-अहेड मार्केट' में अगले दिन की आपूर्ति के लिए सौदों का मूल्य सालाना आधार पर 13.7 प्रतिशत घटकर 3.86 रुपये प्रति यूनिट रहा। वहीं वास्तविक समय बाजार का समापन मूल्य 3.59 रुपये प्रति यूनिट रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 16 प्रतिशत कम है।

भारत में स्वच्छ ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता क्षेत्रों में रोजगार में वृद्धि की संभावन

- 2030 तक बदल जाएगी रोजगार की तस्वीर, लगभग 13,33,700 तक पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

भारतीय अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संबंध अनुसंधान परिषद (इक्रियर) के अध्ययन के अनुसार भारत में*स्वच्छ ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता (ईई) क्षेत्रों में रोजगार अगले चार वर्षों में तीन गुना बढ़ सकता है। 2021-22 में इन क्षेत्रों में कुल रोजगार 4,44,900 था, जो 2029-30 तक लगभग 13,33,700 तक पहुंचने की संभावना है। अध्ययन के अनुसार वर्ष 2029-30 तक स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में 9,05,000 और ऊर्जा दक्षता में 4,28,700 रोजगार होने की उम्मीद है। 2021-22 में स्वच्छ ऊर्जा और अन्य पारंपरिक स्वच्छ ऊर्जा में रोजगार 3,18,000 और ईई में 1,26,900 था। इक्रियर का कहना है कि यदि भारत 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता हासिल करता है तो संबंधित रोजगार 2.8 गुना बढ़ जाएंगे। वहीं 15 करोड़ टन तेल समतुल्य ऊर्जा बचत का लक्ष्य प्राप्त होने पर ईई में रोजगार 3.8 गुना बढ़ने की संभावना है। विश्लेषण में यह भी सामने आया कि सौर ऊर्जा क्षेत्र में रोजगार का हिस्सा सबसे अधिक रहेगा। अध्ययन में यह भी उजागर हुआ कि वर्ष 2022-2030 के बीच गुजरात में 79,000 व राजस्थान में 77,000 अतिरिक्त नौकरियों का सृजन होगा और ये सबसे अधिक रोजगार सृजन करने वाले राज्य बनने की उम्मीद है। पवन ऊर्जा आधारित रोजगार सृजन के मामले में तमिलनाडु और गुजरात अग्रणी हैं जबकि आंध्र प्रदेश में बड़े जलविद्युत आधारित रोजगार में सबसे अधिक हिस्सेदारी होने की उम्मीद है। छतों पर सौर पैनल लगाने से संबंधित रोजगार के मामले में गुजरात के अग्रणी रहने की उम्मीद है जबकि जमीन पर लगाए जाने वाले सौर पैनल में सबसे अधिक अतिरिक्त रोजगार राजस्थान में मिलने की संभावना है। ऊर्जा दक्षता के रोजगार में तमिलनाडु का दबदबा है और उसके बाद गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक आते हैं।

होर्मुज तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतों में उछाल, ब्रेंट क्रूड 110 डॉलर

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच वैश्विक तेल कीमतों में तेज की कीमतों में उछाल दर्ज किया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरान को दी गई चेतावनी के बाद बाजार में अनिश्चितता बढ़ गई। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.74 प्रतिशत बढ़कर 109.8 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गया। वहीं रवीवार को अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की कीमत 1.4 फीसदी बढ़कर 110.60 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई, जबकि अमेरिकी क्रूड (डब्ल्यूटीआई) में 1.8 फीसदी की तेजी आई और यह 113.60 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर होर्मुज को तुरंत नहीं खोला गया, तो ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमला किया जा सकता है। उन्होंने संकेत दिया कि अमेरिका कड़े सैन्य कदम उठा सकता है। इस बयान के जवाब में एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने स्पष्ट किया कि मौजूदा परिस्थितियों में जलडमरूमध्य नहीं खोला जाएगा। उनका कहना था कि जब तक युद्ध से हुए नुकसान की पूरी भरपाई नहीं होती, तब तक यह मार्ग बंद रहेगा।

शीर्ष नौ शहरों में विदेशी कंपनियों ने 91 लाख वर्गफुट कार्यालय स्थान लिए पट्टे पर

नई दिल्ली ।

जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में भारत के शीर्ष नौ शहरों में विदेशी कंपनियों द्वारा कार्यालय स्थान पट्टे पर लेने की गतिविधि रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। एक रियल एस्टेट सलाहकार कंपनी के आंकड़ों के अनुसार, इस दौरान कुल 91 लाख वर्ग फुट कार्यालय स्थान पट्टे पर लिया गया, जो किसी भी तिमाही का अब तक का उच्चतम आंकड़ा है। कंपनी के अनुसार इन नौ शहरों में कुल कार्यालय पट्टे की मात्रा 2.07 करोड़ वर्ग फुट रही, जो पिछले साल इसी अवधि के 1.97 करोड़ वर्ग फुट की तुलना में 5 फीसदी अधिक है। इन शहरों में मुंबई, दिल्ली-एनसीआर, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, पुणे, कोलकाता, अहमदाबाद और कोच्चि शामिल हैं। बेंगलुरु ने 29 फीसदी हिस्सेदारी के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके बाद दिल्ली-एनसीआर 22 फीसदी और मुंबई 16 फीसदी के साथ प्रमुख शहर बने।

एचडीएफसी बैंक में अनिश्चितता, मार्च तिमाही में शेयर 26 फीसदी टूटे

- चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती के इस्तीफे के बाद विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली

मुंबई ।

देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक को मार्च 2026 तिमाही में अनिश्चितता और निवेशकों की बिकवाली का सामना करना पड़ा। चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती के अचानक इस्तीफे ने बैंक में उथल-पुथल पैदा की और शेयरों पर दबाव देखा जा रहा है। मार्च तिमाही में बैंक के शेयरों में 26.2 फीसदी गिरावट आई, जो मार्च 2020 के बाद सबसे बड़ी है। सिर्फ पिछले महीने विदेशी निवेशकों (एफआईआई) ने बैंक से लगभग 35,000 करोड़ रुपये निकाले। इसी दौरान विदेशी निवेशकों ने 47.95 करोड़ शेयर बेचे, जिससे उनकी संख्या घटकर 2,528 रह गई, जो दिसंबर 2025 में 2,757 थी। इस लगातार तीसरी तिमाही है जब विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी घट रही है। मार्च के अंत तक विदेशी हिस्सेदारी घटकर 44.05 फीसदी हो गई, जो पिछले तिमाही में 47.67 फीसदी थी। विश्लेषकों के अनुसार, चेयरमैन के इस्तीफे और निवेशकों के भरोसे में कमी ने बैंक की छवि और शेयर प्रदर्शन दोनों पर असर डाला है।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र के कर्ज में चौथी तिमाही में 22 प्रतिशत बढ़ोतरी

- कुल कारोबार 6.42 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा

नई दिल्ली ।

पुणे मुख्यालय वाले सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में मजबूत वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है। बैंक ने शेयर बाजार को जानकारी देते हुए बताया कि कुल ऋण और जमा दोनों में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। बैंक के अनुसार जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में कुल ऋण 2.92 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 2.40 लाख करोड़ रुपये था, यानी 22 फीसदी की बढ़ोतरी। इसमें कॉरपोरेट ऋण 1.12 लाख करोड़ और खुदरा, कृषि तथा एमएसएमई क्षेत्र के ऋण 1.79 लाख करोड़ रुपये शामिल हैं। कुल जमा 3.50 लाख करोड़ रुपये होकर 14 फीसदी बढ़ गया, जबकि चालू और बचत खाते (सीएएसए) का अनुपात 13 फीसदी बढ़कर 1.84 लाख करोड़ रुपये रहा। इन परिवर्तनों के साथ बैंक का कुल कारोबार 6.42 लाख करोड़ रुपये तक पहुँच गया, जो पिछले वित्त वर्ष की तिमाही में 5.46 लाख करोड़ रुपये था। बैंक की यह तिमाही वृद्धि उसकी वित्तीय स्थिति और तरलता में सुधार को दर्शाती है।

विज्ञान आधारित स्वास्थ्य क्रांति की ओर बढ़ती दुनिया

योगेश कुमार गोयल

'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाए जाने की शुरूआत डब्ल्यूएचओ द्वारा 7 अप्रैल 1950 को की गई थी और यह दिवस मनाने के लिए इसी तारीख का निर्धारण डब्ल्यूएचओ की संस्थापना वर्षगांठ को चिन्हित करने के उद्देश्य से ही किया गया था। डब्ल्यूएचओ की स्थापना के साथ ही 1948 में विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव भी रख दी गई थी।

स्वास्थ्य का विज्ञान, समानता का आधार... दुनिया के प्रत्येक व्यक्ति को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और वैश्विक स्वास्थ्य मानकों में सुधार लाने के उद्देश्य के साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के बैनर तले प्रतिवर्ष 7 अप्रैल को एक खास थीम के साथ 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस को मनाए जाने का प्रमुख उद्देश्य स्वास्थ्य को लेकर विश्व में प्रत्येक व्यक्ति को बीमारियों के प्रति जागरूक करना, लोगों के स्वास्थ्य स्तर को सुधारना और हर व्यक्ति को इलाज की अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना ही है। पूरी दुनिया इस साल 'स्वास्थ्य के लिए एकजुट रहें, विज्ञान के साथ खड़े रहें' विषय के साथ 76वां विश्व स्वास्थ्य दिवस मना रही है। यदि पिछले कुछ वर्षों की स्वास्थ्य दिवस की थीम पर नजर डालें तो 2025 का विषय था 'स्वस्थ शुरूआत, आशापूर्ण भविष्य', 2024 में यह दिवस 'मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार', 2023 में 'सभी के लिए स्वास्थ्य', 2022 में 'हमारा ग्रह, हमारा स्वास्थ्य', 2021 में 'सभी के लिए एक निष्पक्ष, स्वस्थ दुनिया का निर्माण', 2020 में 'नर्सों और दाईयों का समर्थन करें' तथा 2019 में 'सार्वभौमिक स्वास्थ्यः हर कोई, हर जगह' विषय के साथ मनाया गया था। इस वर्ष का विषय न केवल वैश्विक सहयोग को सुदृढ़ करने का आह्वान करता है बल्कि भ्रामक सूचनाओं के इस दौर में वैज्ञानिक प्रमाणों पर जन-विश्वास को पुनर्स्थापित करने और साक्ष्य-आधारित नीतियों के माध्यम से मानवता की रक्षा करने पर केंद्रित है।

'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाए जाने की शुरूआत डब्ल्यूएचओ द्वारा 7 अप्रैल 1950 को की गई थी और यह दिवस मनाने के लिए इसी तारीख का निर्धारण डब्ल्यूएचओ की संस्थापना वर्षगांठ को चिन्हित करने के उद्देश्य से ही किया गया था। डब्ल्यूएचओ की स्थापना के साथ ही 1948 में विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव भी रख दी गई थी। दरअसल उस समय लोगों की सेहत को बढ़ावा देने और उन्हें गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से दुनिया के कई देशों ने मिलकर दुनियाभर में ठोस कार्य करने की जरूरत पर बल दिया और आखिरकार विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव रखने के दो वर्ष बाद सन 1950 में पहली बार 7 अप्रैल को यह दिवस मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र का अहम हिस्सा 'डब्ल्यूएचओ' दुनिया के तमाम देशों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर आपसी सहयोग और मानक विकसित करने वाली संस्था है, जिसका प्रमुख कार्य विश्वभर में स्वास्थ्य समस्याओं पर नजर रखना और उन्हें सुलझाने में सहयोग करना है। इस संस्था के माध्यम से प्रयास किया जाता है कि दुनिया का प्रत्येक व्यक्ति शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ रहे।

हालांकि चिंता की स्थिति यह है कि पिछले कुछ दशकों में एक ओर जहां स्वास्थ्य क्षेत्र ने काफी प्रगति की है, वहीं कुछ वर्षों के भीतर एड्स, कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों के प्रकोप के साथ हृदय रोग, मधुमेह, क्षय रोग, मोटापा, तनाव जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी तेजी से बढ़ी हैं। ऐसे में स्वास्थ्य क्षेत्र की चुनौतियां निरन्तर बढ़ रही हैं। वैसे तो दुनिया के तमाम देश बीते कुछ दशकों से स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार प्रगति कर रहे हैं लेकिन कोरोना काल के दौरान जब अमेरिका जैसे विकसित देश को भी बेबस अवस्था में देखा गया और वहां भी स्वास्थ्य कर्मियों के लिए जरूरी सामान की भारी कमी नजर आई, तब पूरी दुनिया को अहसास हुआ कि अभी भी जन-जन तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन स्वयं मानता है कि दुनिया की कम से कम आधी आबादी को आज भी आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। विश्वभर में अरबों लोगों को स्वास्थ्य देखभाल हासिल नहीं होती। करोड़ों लोग ऐसे हैं, जिन्हें रोटी, कपड़ा और मकान जैसी मूलभूत आवश्यकताओं तथा स्वास्थ्य देखभाल में से किसी एक को चुनने पर विवश होना पड़ता है।

भारतीय समाज में तो सदियों से धारणा रही है 'पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में हो माया' लेकिन चिंता का विषय यही है कि हमारे यहां भी स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बहुत खराब है। बहरहाल, विश्व स्वास्थ्य दिवस के माध्यम से जहां समाज को बीमारियों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जाता है, वहीं इसका सबसे महत्वपूर्ण बिन्दु यही होता है कि लोगों को स्वस्थ वातावरण बनाकर स्वस्थ रहना सिखाया जा सके। दरअसल विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ होना ही मानव-स्वास्थ्य की परिभाषा है। यह बेहद चिंता का विषय है कि दुनिया की करीब 30 प्रतिशत आबादी के पास बुनियादी स्वास्थ्य उपचार तक पहुंच नहीं है और करीब 200 करोड़ लोग विनाशकारी अथवा खराब स्वास्थ्य देखभाल लागत का सामना कर रहे हैं, जिसमें काफी असमानताएं हैं, जो सबसे वंचित परिस्थितियों में लोगों को प्रभावित कर रही हैं। हालांकि स्वास्थ्य का अधिकार एक ऐसा मौलिक मानवाधिकार है, जिसके तहत प्रत्येक व्यक्ति को बगैर किसी वित्तीय बोझ के, जब भी जरूरत हो, स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच मिलनी चाहिए।

वैज्ञानिक उपलब्धियों का जश्न मनाते हुए हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि तकनीक और विज्ञान तभी वास्तविक रूप से सफल माने जाएंगे, जब वे एक गरीब की झोपड़ी तक सुलभ और वहनीय हों। जल जनित रोग, टाइफाइड और कुपोषण जैसी बीमारियां अभी भी हमारे समाज के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई हैं, जो सीधे तौर पर स्वच्छता, शुद्ध पेयजल और वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन की कमी को दर्शाती हैं। स्वास्थ्य सेवा की पहुंच को सार्वभौमिक बनाने के लिए विज्ञान के साथ अडिग खड़ा होना और साक्ष्य-आधारित मार्गदर्शन को पूरी निष्ठा से अपनाना ही वह एकमात्र मार्ग है, जो हमें एक स्वस्थ भारत और समृद्ध विश्व की ओर ले जाएगा। आज आवश्यकता केवल उपचार की नहीं बल्कि वैज्ञानिक सोच को अपनी दिनचर्या और जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनाने की है।

संपादकीय

दवा के दर्द

खाड़ी में अमेरिका-इस्राइल व ईरान के बीच जारी संघर्ष का प्रभाव केवल पेट्रोलियम पदार्थों पर ही नहीं, कृषि से लेकर दवा उद्योग पर भी असर दिखाने लगा है। इस संघर्ष ने अब हिमाचल और हरियाणा के दवा उद्योग को भी अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है। सर्वविदित है, ये क्षेत्र देश के दवा उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, खासकर लघु एवं मध्यम उद्यमों के माध्यम से। लेकिन पश्चिमी एशिया में जारी अशांति के चलते, प्रमुख कच्चे माल की आपूर्ति में अचानक गंभीर व्यवधान पैदा हो गया है। दरअसल, इस संकट के मूल में जरूरी फार्मास्यूटिकल अवयवों यानी एपीआई, सॉल्वैंट्स और पेट्रोकेमिकल डेरिवेटिव्स की कीमतों में भारी वृद्धि होना है। दरअसल, इनमें से कई कच्चे मालों की आपूर्ति पश्चिमी एशिया से होती है या इन देशों से लगते समुद्री मार्गों से होकर भारत पहुंचती है। एक तो इस इलाके में संघर्ष के चलते शिपिंग मार्गों पर भारी दबाव पड़ा है। वहीं ऊर्जा साधनों की कीमतों में अस्थिरता के चलते, कुछ क्षेत्रों में कच्चे माल की कीमतों में तीस प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। खासकर पैकेजिंग सामग्री, जो अधिकांशतः पेट्रोलियम पदार्थों पर आधारित होती है, वह भी खासी महंगी हो गई है। जिसके चलते प्रतिस्पर्धा के कारण पहले कम लाभ के मार्जिन पर काम कर रहे दवा उद्योग पर अतिरेक दबाव पड़ गया है। लेकिन इस संकट का दूसरा पहलू यह है कि इस व्यवधान का असर उद्योग पर वित्तीय कारणों से ही नहीं है, बल्कि श्रमिकों से जुड़े कारणों से भी है।

दरअसल, इस संकट के बीच प्रवासी श्रमिक भी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। ईंधन संकट और छोटे एलपीजी सिलेंडरों की आवश्यक आपूर्ति में बाधा का असर श्रमिकों के दैनिक जीवन और कार्य स्थिरता को लेकर पड़ना शुरू हो गया है। ऐसे में प्रवासी श्रमिकों पर अत्यधिक निर्भर फार्मा इकाइयों के लिये यह व्यवधान उत्पादकता में गतिरोध पैदा कर सकता है। वास्तव में देखा जाए तो उद्योग की मजबूती केवल आपूर्ति शृंखला से ही नहीं जुड़ी है बल्कि उनके श्रमिकों के हितों और उनके आत्मविश्वास से भी जुड़ी है। हिमाचल प्रदेश के बद्दी-बरोटीवाला-नालागढ़ क्षेत्र और हरियाणा के फार्मा क्लस्टर्स पर इसकी दोहरी मार पड़ रही है। जहां एक ओर उत्पादन लागत में भारी वृद्धि हुई है, वहीं दूसरी ओर छोटे निमार्ताओं को उत्पादन में कटौती करने अथवा नुकसान उठाने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। दूसरी ओर बढ़ती लागत व वैश्विक परिवहन लागत में वृद्धि के कारण निर्यात प्रतिस्पर्धा में ये उद्योग पिछड़ रहा है। बहरहाल, इस संकट ने आयातित कच्चे माल और वैश्विक आपूर्ति शृंखला पर भारत की निर्भरता की कमजोरी को भी उजागर कर दिया है। हालांकि, केंद्र सरकार की पहल से आयातित कच्चे सामान पर शुल्क में छूट से भले ही कुछ राहत मिली हो, लेकिन कच्चे माल के वैकल्पिक स्रोत तलाशने, घरेलू एपीआई उत्पादन क्षमता बढ़ाने और प्रवासी श्रमिकों के लिये सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर व्यापक सुधार करने की आवश्यकता है। सही मायनों में एक दूर का युद्ध भारत की दवा आपूर्ति और उसके उत्पादकों के धैर्य की परीक्षा ले रहा है।

चिंतन-मनन

विचारों की तरंगें

राजा की सवारी निकल रही थी। सर्वत्र जय-जयकार हो रही थी। सवारी बाजार के मध्य से गुजर रही थी। राजा की दृष्टि एक व्यापारी पर पड़ी। वह चन्दन का व्यापार करता था। राजा ने व्यापारी को देखा। मन में घृणा और ग्लानि उभर आई। उसने मन ही मन सोचा, यह व्यापारी बुरा है। इसे मृत्युदंड दे देना चाहिए। नगर-परिभ्रमण कर राजा महल में पहुंचा। मंत्री को बुलाकर कहा, मंत्रीवर! न जाने क्यों उस व्यापारी को देखकर मेरा मन उद्विग्न हो गया और मन में आया कि उसको मार डाला जाए। मंत्री ने कहा, राजन्! मैं सारी व्यवस्था करता हूं। मंत्री व्यापारी के पास गया। औपचारिक बातें हुई। व्यापारी ने कहा, मंत्रीजी! चन्दन का भाव प्रतिदिन कम होता जा रहा है। मेरे पास चन्दन का बहुत संग्रह है। लाखों रूपयों का घाटा हो रहा है। मन चिन्ता से भरा है। राजा के सिवाय चन्दन को कौन खरीदे? राजा भी क्यों खरीदेगा? यह तो मरणवेला में प्रचुर मात्रा में काम आती है। मैं घाटे से दबा जा रहा हूं।

सच कहूं, आज जब राजा की सवारी निकल रही थी, तब राजा को देखकर मेरे मन में आया कि यदि आज राजा की मृत्यु हो जाए तो मेरा सारा चन्दन बिक जाए, अच्छे मूल्य में बिक जाए। मंत्री ने सुना। राजा के उदास होने और व्यापारी को मृत्युदंड देने की भावना के जागने का रहस्य समझ में आ गया। विचार संप्रमणशील होते हैं। वे बिना कहे दूसरे तक पहुंच जाते हैं। विचारों की रश्मियां होती हैं और तरंगें पूरे आकाशमण्डल में फैल जाती हैं और सम्बन्धित व्यक्ति के मस्तिष्क से टकराकर उसे प्रभावित करती हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने खोया मानसिक संतुलन, गाली गलौज पर उतरे

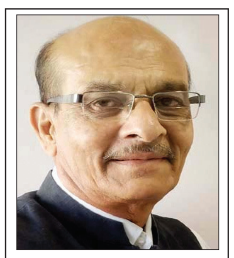

सनत जैन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जब से दूसरी बार राष्ट्रपति बने हैं, उसके बाद से ही उनकी कथनी और करनी को लेकर सारी दुनिया में उनकी एक नई छवि बनी है। पिछले 1 साल में उन्हें एक अहंकारी नेता के रूप में देखा जा रहा था। पिछले एक साल में जिस तरह से उन्होंने टैरिफ को लेकर आतंक मचाया था। उस समय उनकी पहचान एक गैंगस्टर के रूप में बनी थी। अमेरिकी मुद्रा डॉलर में वैश्विक व्यापार सारी दुनिया में होता है। उसके बल पर वह जो दादागिरी कर रहे थे, उसी समय से उनका विरोध होना शुरू हो गया था। उन्होंने वैश्विक व्यापार संधि का उल्लंघन करते हुए अपने मनमाने नियम और कानूनों के बल पर वसूली करने की जो प्रक्रिया शुरू की थी, उसी समय एक गैंगस्टर की तरह उनकी पहचान बनी। जिस तरह से उन्होंने वेनेजुएला के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी का अपहरण कर अमेरिका लाया। वेनेजुएला की सत्ता में अप्रत्यक्ष रूप से अमेरिका ने खुलेआम कब्जा किया। अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन किया। उसके बाद उनकी हिम्मत बढ़ी, उन्होंने ईरान मे अयातुल्लाह खामेनेई की सत्ता के खिलाफ ईरान की जनता को भड़काया, वहां पर आंदोलन कराए, खामेनेई को सत्ता से हटाने की कोशिश ट्रम्प ने की। जब यह प्रयास सफल नहीं हो पाया, उसके बाद अमेरिका और इजरायल ने बातचीत में उलझा कर ईरान के ऊपर हमला कर दिया। ईरान की सत्ता के सुप्रीमो अयातुल्लाह खामेनेई सहित दर्जनो नेताओं और रक्षा अधिकारियों की हत्या कर दी गई। ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतान्याहू ने सोचा था, जनता विद्रोह करेगी और वह ईरान के पूर्व राज परिवार के निष्कासित सदस्य को ईरान की सत्ता सौंप देंगे। ट्रंप का यह प्रयास सफल नहीं हुआ। ईरान ने अमेरिका की इस कार्यवाही का भरपूर जवाब दिया। पिछले 35 दिनों में ईरान ने बता दिया है, वह युद्ध का मुकाबला और अपनी रक्षा करने में सक्षम है। पिछले 35 दिनों में जिस तरह से ईरान ने अमेरिका और इजरायल की सुरक्षा व्यवस्था को ध्वस्त करते हुए, जिस तरह का नुकसान पहुंचाया है, उसकी कल्पना अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने नहीं की थी। इतनी करारी चुनौती अमेरिका को ढाई सौ साल के इतिहास में कभी नहीं मिली, जो ईरान से मिल रही है। ईरान ने एक ही झटके में पिछले 47 सालों से अमेरिका द्वारा ईरान पर प्रतिबंध लगाकर जो दादागिरी की जा रही थी। ईरान ने एक ही बार में जवाब देकर अमेरिका के अहंकार को तोड़ते हुए, जिस तरह से भयमुक्त लड़ाई लड़ी जा रही है। उससे लगता है, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा है, वह क्या करें। इस युद्ध में रोजाना अमेरिका को आरबों रूपयों की राशि खर्च करनी पड़ रही है। अमेरिका की संसद उनसे पूछ रही है, यह युद्ध हम ईरान से क्यों लड़ रहे हैं। युद्ध लड़ने के लिए ट्रम्प बहुत बड़ी राशि संसद से मांग रहे हैं।

ट्रम्प ने युद्ध करने के पहले संसद को विश्वास में नहीं लिया। वर्तमान स्थिति में अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ विरोध बढ़ता ही जा रहा है। खाड़ी देशों की सुरक्षा अमेरिका नहीं कर पा रहा है। अमेरिका की सारे सैन्य अड्डे ईरान द्वारा बर्बाद कर दिए गए। इसी तरह से इजरायल पर ईरान के हमलों से भारी नुकसान हुआ है। इजरायल में, नेतान्याहू के खिलाफ जनता का विरोध देखने को मिल रहा है। ऐसी हालत में ट्रंप का यह कहना, ईरान बास्टर्ड है। ईरान को नर्क बना देंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने जो पोस्ट की है, उसके शब्द इतने खराब हैं। उसको सह पाना आम आदमी के लिए संभव नहीं है। ट्रम्प ने ईरान के बारे में जिस तरह से पोस्ट में शब्दों का चयन किया है, इसकी दुनिया के देशों में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई है। यह कहा जाने लगा है कि ट्रम्प अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कारण जो रही-सही साख अमेरिका की है, वह कितने दिनों तक बनी रहेगी कहना मुश्किल है। दुनिया के अधिकांश देश मानने लगे हैं, ट्रंप की सनक और अहंकार के कारण सारी दुनिया के देशों में ऊर्जा संकट खड़ा हो गया है। खाद का संकट खड़ा हो रहा है। सारी दुनिया में आर्थिक मंदी की स्थिति देखने को मिलने लगी है। इसके बाद भी डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह की हरकत कर रहे हैं, उससे डोनाल्ड ट्रंप के साथ-साथ अमेरिका की साख को भी भारी नुकसान होता हुआ दिख रहा है। डोनाल्ड ट्रंप की यही नीति कुछ और दिन चलेगी, तो अमेरिका अपना वर्चस्व सारी दुनिया में खो देगा। ऐसा लगने लगा है जो हाल सोवियत रूस का पूर्व राष्ट्रपति गोर्बाच्योव के समय हुआ था। अब वही स्थिति अमेरिका की होती हुई दिख रही है। अमेरिका के राज्यों और आमजनता में जो नाराजगी देखने को मिल रही है। उससे लगता है ट्रम्प ज्यादा दिन तक राष्ट्रपति के पद पर नहीं रह पायेंगे।

अशोक खरात जैसे ढोंगी बाबाओं पर लगाम कब लगेगी ?

सौरभ वार्ष्णेय

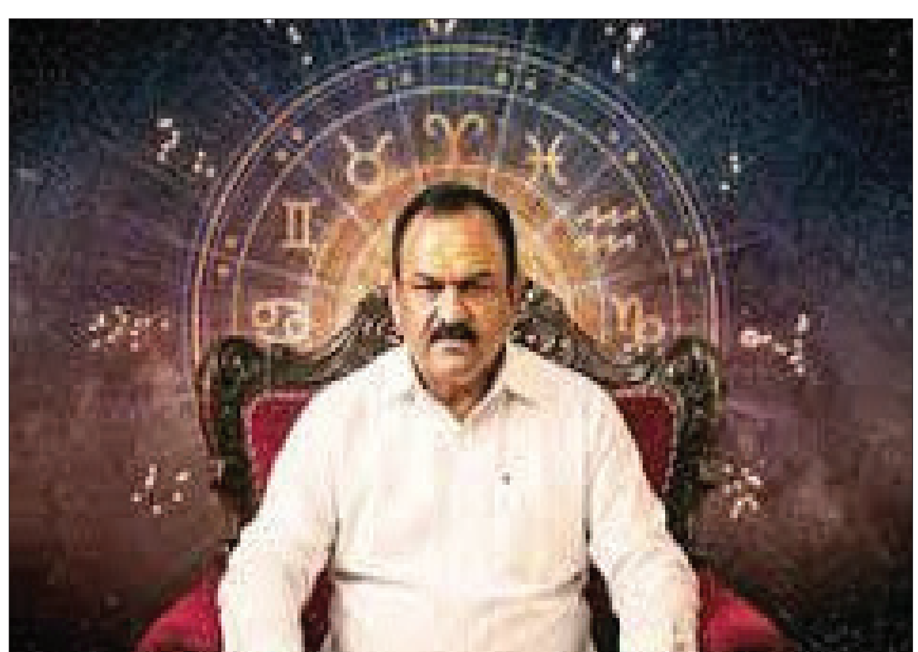

आखिरकार समाज में आस्था के नाम पर पनप रहे ऐसे अनगिनत ढोंगी बाबाओं पर लगाम कब और कैसे लगेगी यह गहरा प्रश्नचिन्ह गहरा रहा है। ऐसे में समाज में जागरूकता, कानून का सख्त पालन और सामाजिक जिम्मेदारी साथ-साथ नहीं चलेंगे, तब तक ऐसे मामले सामने आते रहेंगे। हाल के समय में अशोक खरात (कैप्टन बाबा) को लेकर जो आरोप और विवाद सामने आए हैं, उन्होंने समाज में गहरी चिंता पैदा की है। खुद को धार्मिक या सामाजिक नेता बताने वाले ऐसे व्यक्तियों का आचरण जब नैतिकता और कानून के दायरे से बाहर जाता है, तो वह न केवल अपने अनुयायियों का भरोसा तोड़ता है बल्कि पूरे समाज को बदनाम करता है।

कहा जाता है कि बाबा के नाम पर लोगों की आस्था का फायदा उठाकर कई तरह की अनियमितताएँ और शोषण किए जाते हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है, तो यह न केवल व्यक्तिगत अपराध है बल्कि समाज की संवेदनाओं के साथ धोखा भी है। आस्था का स्थान हमेशा पवित्र माना गया है, और जब उसी का दुरुपयोग होता है, तो उसका असर व्यापक होता है।ऐसे मामलों में सबसे बड़ी जिम्मेदारी कानून और प्रशासन की होती है कि वे निष्पक्ष जांच करें और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई करें। साथ ही समाज को भी जागरूक रहने की जरूरत है, ताकि अंधभक्ति और बिना जांच-पड़ताल के किसी के पीछे चलने से बचा जा सके। यदि कोई व्यक्ति समाज सेवा या धर्म के नाम पर गलत कार्य करता है, तो वह सच में समाज के नाम पर कलंक ही कहलाएगा। ऐसे मामलों में सख्ती, पारदर्शिता और जागरूकता ही सबसे बड़ा समाधान है।

समाज में जब भी कोई स्वयंभू संत, बाबा या चमत्कारी व्यक्ति तेजी से प्रसिद्धि पाता है, तो उसके पीछे केवल आम लोगों की आस्था ही नहीं, बल्कि प्रभावशाली और रसूखदार लोगों का समर्थन भी बड़ा कारण होता है। अशोक खरात उर्फ कैप्टन बाबाइ के मामले में भी यही सवाल उठता है कि आखिर वीवीआईपी लोग उनके पास क्यों जाते थे? सबसे पहले, आस्था और अंधविश्वास का मिश्रण इस प्रवृत्ति की जड़ में है। सत्ता और पैसे के शिखर पर बैठे लोग भी जीवन की अनिश्चितताओं–राजनीतिक भविष्य, स्वास्थ्य, परिवार या सत्ता की स्थिरता–को लेकर असुरक्षित महसूस करते हैं। ऐसे में वे चमत्कार या आशीर्वाद की तलाश में इन बाबाओं की शरण लेते हैं। दूसरा कारण है प्रभाव और नेटवर्किंग। कई बार ऐसे बाबा केवल धार्मिक व्यक्तित्व नहीं होते, बल्कि वे एक पावर हब बन जाते हैं, जहां नेता, अधिकारी और व्यवसायी एक-दूसरे से जुड़ते हैं। इस तरह उनके दरबार एक अनौपचारिक नेटवर्किंग मंच में बदल जाते हैं, जहां संपर्क बनाना आसान होता है।तीसरा पहलू है छवि निर्माण किसी लोकप्रिय बाबा के साथ दिखना कुछ नेताओं के लिए जनता के बीच धार्मिक और संस्कारी छवि बनाने का माध्यम बन जाता है। इससे वे अपने वोट बैंक को मजबूत करने की कोशिश करते हैं।चौथा और चिंताजनक कारण है व्यक्तिगत लाभ और संरक्षण की उम्मीद। कुछ लोग यह मानते हैं कि ऐसे बाबा उनके काम बनवा सकते हैं, समस्याएं सुलझा सकते हैं या उन्हें किसी तरह का आध्यात्मिक संरक्षण दे सकते हैं। यह मानसिकता लोकतांत्रिक और वैज्ञानिक सोच के लिए खतरनाक है।

लेकिन इस पूरे प्रकरण का सबसे गंभीर पहलू यह है कि जब वीवीआईपी स्तर के लोग ऐसे व्यक्तियों के पास जाते हैं, तो आम जनता में उनकी विश्वसनीयता स्वतः बढ़ जाती है। इससे अंधविश्वास को बढ़ावा मिलता है और समाज में तर्क और विवेक की जगह कमजोर पड़ती है। यह जरूरी है कि समाज–विशेषकर प्रभावशाली वर्ग–तर्क, वैज्ञानिक सोच और पारदर्शिता को प्राथमिकता दे। किसी भी व्यक्ति को बिना प्रमाण और जवाबदेही के चमत्कारी मान लेना न केवल व्यक्तिगत स्तर पर, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी नुकसानदायक हो सकता है।

अशोक खरात उर्फ कैप्टन बाबा का नाम हाल के वर्षों में उनकी अकूत संपत्ति और गंभीर आपराधिक आरोपों के कारण देशभर में चर्चा का विषय बन गया है। नासिक से शुरू हुआ यह मामला केवल एक तथाकथित धार्मिक गुरुइ की कहानी नहीं, बल्कि आस्था के नाम पर खड़े किए गए एक विशाल और संदिग्ध साम्राज्य का खुलासा है।

जांच एजेंसियों के अनुसार, अशोक खरात ने खुद को ज्योतिषी, तांत्रिक और चमत्कारी शक्तियों वाला व्यक्ति बताकर लोगों, खासकर महिलाओं का विश्वास जीता। इसी विश्वास का दुरुपयोग कर उन्होंने न केवल आर्थिक लाभ अर्जित किया, बल्कि शोषण और ब्लैकमेलिंग जैसे गंभीर अपराधों को भी अंजाम दिया।सबसे चौंकाने वाला पहलू उनकी संपत्ति को लेकर सामने आया है। विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, उनके पास सैकड़ों करोड़ रुपये की संपत्ति होने का अनुमान है–कुछ जगहों पर यह आंकड़ा 200 करोड़ से लेकर 500 करोड़ और यहां तक कि 1500 करोड़ रुपये तक बताया गया है। यह संपत्ति न केवल उनके नाम पर, बल्कि पत्नी, बेटी और अन्य रिश्तेदारों के नाम पर भी पाई गई, जिससे बेनामी निवेश और मनी लॉन्ड्रिंग की आशंका मजबूत होती है।जांच में यह भी सामने आया कि इस तथाकथित आध्यात्मिक साम्राज्य के पीछे एक संगठित तंत्र काम कर रहा था–जिसमें कोड लैंग्वेज, गुप्त कैमरे और ब्लैकमेलिंग के नेटवर्क शामिल थे।इसके अलावा, उनके पास से सैकड़ों आपत्तिजनक वीडियो और दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं, जो इस पूरे नेटवर्क की गहराई को दशार्ते हैं।

यह मामला केवल व्यक्तिगत अपराध तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसके तार राजनीति और प्रशासन तक भी जुड़ते दिखाई दिए हैं, जिससे इसकी गंभीरता और बढ़ जाती है। अशोक खरात का मामला केवल एक व्यक्ति की अकूत संपत्ति का नहीं, बल्कि उस तंत्र का प्रतीक है जिसमें अंधविश्वास, लालच और सत्ता का गठजोड़ समाज के लिए गंभीर खतरा बन जाता है।

संक्षिप्त समाचार

नीदरलैंड- इस्राइल समर्थक यहूदी केंद्र के पास धमाका

यरूशलम, एजेंसी। नीदरलैंड पुलिस इस्राइल समर्थक एक ईसाई केंद्र के बाहर हुए छोटे विस्फोट की जांच कर रही है। मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। गेलडरलैंड प्रांत की पुलिस ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि शुक्रवार रात हुए विस्फोट में कोई घायल नहीं हुआ। मध्य नीदरलैंड के निजकेर्क स्थित एक इमारत में मामूली क्षति हुई। क्रिश्चियंस फॉर इस्राइल समूह ने कहा कि विस्फोट निजकेर्क स्थित उनके इस्राइल केंद्र को निशाना बनाकर किया गया था।

हॉलीवुड की अभिनेत्री डी फ्रीमैन का 66 वर्ष की आयु में निधन

वाशिंगटन, एजेंसी। द यंग एंड द रेस्टलेस और सिस्टास जैसे प्रसिद्ध शो के लिए जानी जाने वाली अभिनेत्री डोलोरेस डी फ्रीमैन का 66 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके परिवार ने पुष्टि की कि फेफड़ों के कैंसर से जूझने के बाद 2 अप्रैल को उन्होंने अंतिम सांस ली। लुइसियाना में जन्मी फ्रीमैन का कॅरिअर काफी विविधतापूर्ण रहा। उन्होंने छह साल तक अमेरिकी मरीन कॉर्प्स में सेवा दी और जापान में रेडियो डीजे के रूप में भी काम किया।

लंदन- यहूदी समुदाय की एंबुलेंस पर हमले के मामले में तीन गिरफ्तार

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश अभियोजकों ने उत्तरी लंदन में यहूदी समुदाय की एंबुलेंस पर हुए आगजनी के हमले में तीन युवकों को आरोपी बनाया है। यह घटना 23 मार्च को एक सिनेगॉग के पास हुई थी, जिसे प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने स्तब्ध करने वाला यहूदी विरोधी हमला बताया था। आरोपियों की उम्र 17, 19 और 20 वर्ष है, जिनमें दो ब्रिटिश और एक ब्रिटिश-पाकिस्तानी नागरिक है। हमले की जांच आतंकवाद रोधी टीम के अधिकारियों द्वारा की जा रही है, हालांकि अभी इसे आतंकवादी घटना नहीं माना गया है।

ट्रंप का 63 साल से बंद अल्काट्राज जेल फिर से खोलने का प्रस्ताव

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने कुख्यात अल्काट्राज जेल को फिर से खोलने का प्रस्ताव रखा है। इसके लिए उन्होंने 15.2 करोड़ डॉलर की मांग की है। इसमें अमेरिका के सबसे क्रूर व हिंसक अपराधी रखे जाएंगे। फॉक्स न्यूज के अनुसार, ट्रंप प्रशासन के वित्त वर्ष 2027 के बजट प्रस्ताव में उल्लिखित इस प्रस्ताव का उद्देश्य ऐतिहासिक व लंबे समय से बंद पड़ी इस जेल को अत्याधुनिक सुरक्षित जेल सुविधा में बदलने के प्रारंभिक चरण को वित्तीय सहायता प्रदान करना बताया गया है। हालांकि, इस योजना के लिए राशि जारी करने के मुद्दे पर संसद को फैसला लेना है।

ढाका के पास गैस लाइटर फैक्ट्री में आग, 5 की मौत; आग लगने की वजह साफ नहीं

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की राजधानी ढाका के पास स्थित केरानिगंज के कदमतली इलाके में शनिवार दोपहर गैस लाइटर बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान अभी नहीं हो सकी है। फायर सर्विस और सिविल डिफेंस के मुताबिक, आग लगते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आग बुझाने के लिए दमकल की 7 यूनिट तैनात की गई। कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। शाम तक राहत और बचाव दल ने मलबे से 5 शव बरामद किए। अधिकारियों के अनुसार, आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है और मामले की जांच जारी है।

अमेरिकी पायलट को ईरान से सुरक्षित बचाया गया, ट्रंप ने की पुष्टि

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान द्वारा अमेरिकी एफ-15 ई स्ट्राइक ईगल जेट को गिराए जाने के बाद लापता अमेरिकी सेवा सदस्य को सुरक्षित बचा लिया गया है। यह जानकारी दो अमेरिकी अधिकारियों ने रविवार को दी। अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि यह ऑपरेशन एक भयंकर खोज और बचाव अभियान के तहत सफल हुआ। इससे पहले जेट के एक अन्य चालक दल के सदस्य को पहले ही सुरक्षित बचाया जा चुका था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा 'हमने उन्हें सुरक्षित निकाल लिया! पिछले कुछ घंटों में अमेरिकी सेना ने इतिहास के सबसे साहसी खोज और बचाव अभियानों में से एक सफलतापूर्वक अंजाम दिया। हमारे अद्भुत क्रू मेम्बर अधिकारी, जो एक सम्मानित कर्नल हैं, अब पूरी तरह सुरक्षित हैं।' ट्रंप ने बताया कि अमेरिकी सेना ने अधिकारी के स्थान को 24 घंटे निगरानी में रखा और उनकी सुरक्षित वापसी की योजना बनाई। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना ने उन्हें बचाने के लिए दुनिया के सबसे शक्तिशाली हथियारों से लैस दर्जनों विमान भेजे। ट्रंप ने कहा अधिकारी घायल हुए हैं, लेकिन वे पूरी तरह ठीक हो जाएंगे।

पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ की गीदड़भभकी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने शनिवार को भारत को गीदड़भभकी देते हुए कहाकि भविष्य में किसी भी प्रकार की दुस्साहस की कोशिश का जवाब कोलकाता में हमले से दिया जाएगा। आसिफ ने लाहौर से लगभग 130 किलोमीटर दूर अपने गृहनगर सियालकोट में पत्रकारों से बात करते हुए कहाकि अगर भारत इस बार हमें जिम्मेदार ठहरा कर कोई (सैन्य) ऑपरेशन करने की कोशिश करता है, तो हम कोलकाता तक निशाना साधेंगे।

किस बात का किया दावा

आसिफ ने दावा किया कि ऐसी खबरें हैं कि उनके (भारत) अपने लोगों या पाकिस्तानियों के माध्यम से एक झूठ भरे अभियान की योजना बनाई गई, जिसमें कुछ शवों को कहीं डाल कर यह कहा गया कि वे आतंकवादी थे और उन्होंने ऐसा-ऐसा किया है। हालांकि, उन्होंने अपने दावे के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया। गुरुवार को आसिफ ने कहा था कि किसी भी हमले पर पाकिस्तान की प्रतिक्रिया त्वरित, सुनियोजित और निर्णायक होगी।

राजनाथ सिंह का दे रहे थे जवाब

आसिफ भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की टिप्पणियों का जवाब दे रहे थे, जिन्होंने पहले कहा था कि मौजूदा स्थिति में भारत के पड़ोसी देश की ओर से कोई भी दुस्साहस अभूतपूर्व और निर्णायक कार्रवाई को आमंत्रित करेगा। पिछले साल 22 अप्रैल को हुए पहलगाम हमले के परिणामस्वरूप दोनों देशों के बीच चार दिनों तक संघर्ष चला था।

क्या बोले थे राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहाकि मौजूदा हालात में पाकिस्तान की ओर से किसी भी तरह की दुस्साहसिक हरकत का जवाब अभूतपूर्व और निर्णायक कार्रवाई से दिया जाएगा।

चुनावी राज्य केरल में सैनिक सम्मान सम्मेलन में सिंह ने कहाकि अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद, भारत ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों और बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया था। उन्होंने कहाकि पहलगाम हमले के बाद, भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान को 22 मिनट के भीतर घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया और यह आतंकवाद के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा अभियान था।

सिंह ने कहाकि मैं आपको बताना चाहता हूं कि अभियान अभी खत्म नहीं हुआ है। अगर पाकिस्तान ने दोबारा ऐसी घिनौनी हरकतें कीं, तो हमारी सेना उन्हें ऐसा मुंहतोड़ जवाब देगी, जिसे वे कभी नहीं भूलेंगे। इस बार जो होगा वह अभूतपूर्व होगा। सिंह ने कहा कि मौजूदा हालात में हमारा पड़ोसी (पाकिस्तान) कोई भी दुस्साहस कर सकता है।

उन्होंने कहाकि अगर वह ऐसा करता है, तो जैसा मैंने आपको बताया, भारत की कार्रवाई अभूतपूर्व और निर्णायक होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत हुई है और सरकार के रवैये और कार्यप्रणाली में बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि यह बात 'ऑपरेशन सिंदूर' से स्पष्ट है। अप्रैल 2025 में हुए पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत ने यह अभियान चलाया था।

चांद के करीब पहुंचा आर्टेमिस 2, अपोलो 13 का तोड़ेगा रिकॉर्ड

ह्यूस्टन, एजेंसी। चांद की ओर बढ़ रहा आर्टेमिस -2 मिशन अब इतिहास रचने के करीब पहुंच गया है। यह मिशन 53 साल बाद इंसानों को फिर से चांद के पास ले जा रहा है और इससे उम्मीदें काफी बड़ी हैं। इस मिशन में तीन अमेरिकी और एक कनाडाई अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं, जो सोमवार तक चांद के पास पहुंच जाएंगे। वे चांद के उस हिस्से की तस्वीरें लेंगे, जिसे पृथ्वी से नहीं देखा जा सकता। यह मिशन नासा के पुराने अपोलो प्रोग्राम के बाद अगला बड़ा कदम माना जा रहा है। अंतरिक्ष यात्री विक्टर ग्लोवर ने बताया कि जैसे-जैसे वे आगे बढ़ रहे हैं, पृथ्वी छोटी दिख रही है और चांद बड़ा होता जा रहा है। यह अनुभव उनके लिए बेहद खास है।

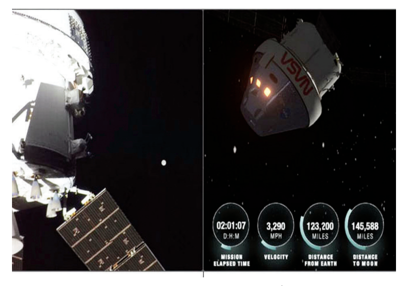

मिशन के दौरान अंतरिक्ष यान में आई एक परेशानी : हालांकि मिशन के दौरान एक छोटी परेशानी भी सामने आई है। अंतरिक्ष यान ओरियन का टॉयलेट ठीक से काम नहीं कर रहा है। लॉन्च के बाद से इसमें बार-बार दिक्कत आ रही है। इंजीनियरों को शक है कि पाइप में बर्फ जमने से समस्या हो रही है। फिलहाल अंतरिक्ष यात्रियों को बैकअप तरीके इस्तेमाल करने पड़ रहे हैं। नासा के अधिकारियों का कहना है कि अंतरिक्ष में टॉयलेट सिस्टम संभालना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है, लेकिन टीम इस स्थिति को अच्छे से संभाल रही है।

अपोलो 13 मिशन के रिकॉर्ड को तोड़ने की तैयारी : यह मिशन एक नया रिकॉर्ड भी बनाने जा रहा है। आर्टेमिस द्वद्व करीब 4 लाख किलोमीटर दूर तक जाएगा, जो अब तक इंसानों द्वारा तय की गई सबसे ज्यादा दूरी होगी। इससे पहले यह रिकॉर्ड अपोलो 13 मिशन के नाम था। इस मिशन की एक खास बात यह भी है कि इसमें कनाडा के जेरेमी हैनसेन शामिल हैं, जो चांद की ओर जाने वाले पहले गैर-अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री बन गए हैं। वहीं क्रिस्टीना कोच पहली महिला और विक्टर ग्लोवर पहले अश्वेत (ब्लैक) अंतरिक्ष यात्री हैं, जो इस मिशन का हिस्सा हैं।

प्रशांत महासागर में लैंड करने आर्टेमिस -2 मिशन : करीब 10 दिन के इस मिशन के बाद 10 अप्रैल को अंतरिक्ष यान प्रशांत महासागर में उतरकर पृथ्वी पर लौटेगा। नासा का यह मिशन भविष्य में चांद पर स्थायी बेस बनाने की दिशा में पहला बड़ा कदम है। एजेंसी का लक्ष्य है कि 2028 तक चांद के दक्षिणी ध्रुव के पास इंसानों की लैंडिंग कराई जाए।

यमन से इसराइल पर मिसाइल हमला : हूती विद्रोहियों ने ली जिम्मेदारी

आईडीएफ ने हवा में ही मार गिराया

यरूशलेम/सना, एजेंसी। यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने एक बार फिर इसराइल को निशाना बनाकर मिसाइल हमला किया है। इस हमले के बाद क्षेत्र में तनाव और गहरा गया है। इसराइल डिफेंस फोर्सेज (द्बष्ठस्न) ने बयान जारी कर बताया कि उनके उन्नत एयर डिफेंस सिस्टम ने यमन की ओर से आती हुई मिसाइल को सीमा पार करने से पहले ही इंटरसेप्ट कर लिया। मिसाइल दागे जाने के तुरंत बाद इसराइल के कई हिस्सों में अलर्ट जारी कर दिया गया था और नागरिकों को सुरक्षा के लिए शेल्टर में जाने के निर्देश दिए गए थे। हालांकि, स्थिति स्पष्ट होने और खतरा टलने के कुछ ही मिनटों बाद सेना ने सुरक्षा प्रतिबंध हटा लिए।

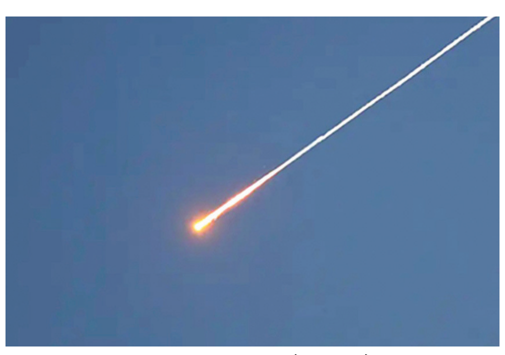

हूती विद्रोहियों के सैन्य प्रवक्ता ने इस हमले की पुष्टि करते हुए इसे इसराइल के खिलाफ उनके चल रहे सैन्य अभियान का हिस्सा बताया। गौरतलब है कि पिछले एक हफ्ते में हूतियों की ओर से किया गया यह इस तरह का दूसरा बड़ा हमला है। इससे पहले 28 मार्च को भी हूतियों ने वेस्ट बैंक के हेब्रोन शहर के ऊपर से मिसाइलें दागी थीं, जिनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं।

विशेषज्ञों का मानना है कि यमन से होने वाले ये लगातार हमले ईरान, अमेरिका और इसराइल के बीच बढ़ते क्षेत्रीय संघर्ष की ओर इशारा कर रहे हैं। हूतियों ने चेतावनी दी है कि जब तक गाजा में सैन्य कार्रवाई नहीं रुकती, उनके हमले जारी रहेंगे।

मारे गए ईरानी कमांडर कासिम सुलेमानी की भतीजी पर गिरी गाज, अमेरिका में बेटी संग हिरासत में

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरानी इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के कुद्स बल का नेतृत्व करने वाले जनरल कासिम सुलेमानी की एक रिश्तेदार एवं उसकी बेटी अमेरिका के आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन की हिरासत में हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। हमीदा सुलेमानी अफशार और उनकी बेटी के ग्रीन कार्ड की अवधि अमेरिकी विदेश मंत्रालय द्वारा समाप्त किए जाने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया। जानकारी के मुताबिक हमीदा सुलेमानी की भतीजी हैं।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा, ''मीडिया की खबरों और सोशल मीडिया पर उनकी अपनी टिप्पणियों से यह सामने आया है कि सुलेमानी अफशार ईरान के तानाशाही, आतंकवादी शासन की मुखर समर्थक हैं।' अफशार के पति के भी अमेरिका में प्रवेश पर प्रतिबंध है। बता दें कि बगदाद एयरपोर्ट के पास 2020 में हुए अमेरिकी हमले में जनरल कासिम सुलेमानी की मौत हो गई थी।

ईरानियों का वीजा रद्द कर रहा अमेरिका : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन ने ईरान की मौजूदा या पूर्ववर्ती सरकार से जुड़े कम से कम चार ईरानी नागरिकों के ग्रीन कार्ड या अमेरिकी वीजा रद्द कर दिए हैं। इनमें दो लोगों को आव्रजन अधिकारियों ने हिरासत में लिया है और उन्हें निर्वासित किया जाएगा।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने हाल में फातिमा अर्देशीर-लारिजानी का वीजा भी रद्द कर दिया था, जो ईरान के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अली लारिजानी की बेटी हैं। अली लारिजानी पिछले महीने अमेरिका-इजराइल के हवाई हमले में मारे गए थे। फातिमा के पति सैयद कलंतर मोतामेदी का वीजा भी रद्द कर दिया गया है। दोनों अब अमेरिका में नहीं हैं।

खत्म होने वाला है ईरान युद्ध-डोनाल्ड ट्रंप : युद्ध के चलते परेशान अमेरिकी जनता को संबोधित करते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र में मची उथल-पुथल से अमेरिका काफी हद तक सुरक्षित है। उन्होंने सैन्य कार्रवाई तेज करने की चेतावनी देते हुए घोषणा की कि ईरान युद्ध 'पूरा होने के करीब' है। ट्रंप ने अमेरिकियों से कहा कि युद्ध 'खत्म होने वाला है' और इसमें केवल 'दो या तीन सप्ताह' और लगने का अनुमान है। हालांकि उन्होंने सैन्य अभियान को और तेज करने के संकेत देते हुए चेतावनी दी कि ईरान को 'पाषाण युग में वापस' भेजा जा सकता है। साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति ने अमेरिका के लिए हॉर्मुज जलडमरूमध्य के रणनीतिक महत्व को कमतर बताने की कोशिश की, जबकि इस महत्वपूर्ण समुद्री गलियारे की वजह से दुनिया भर में ईंधन की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है।

ईरानी कमांडर ने बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने पर

अमेरिका-इज़रायल को विनाशकारी कार्रवाई की धमकी दी

तेहरान, एजेंसी। ईरान के एक शीर्ष कमांडर ने चेतावनी दी है कि यदि अमेरिका या इज़रायल ईरान के बुनियादी ढांचे पर हमला करते हैं, तो उसके जवाब में पश्चिम एशिया में मौजूद सभी अमेरिकी सैन्य ठिकानों और इज़रायली बुनियादी ढांचे पर 'विनाशकारी और लगातार' हमले किए जाएंगे। ईरान के खातम अल-अनबिया सेंट्रल मुख्यालय के प्रमुख कमांडर अली अब्दोल्लाही ने यह चेतावनी जारी की। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान से होर्मुज़ जलडमरूमध्य खोलने के लिए दी गई 10 दिन की समय-सीमा सोमवार को समाप्त होने वाली है। अब्दोल्लाही ने कहा, 'लगातार हार स्वीकार करने के बाद अमेरिका के आक्रामक और

युद्धोन्मादी राष्ट्रपति ने एक हताश, घबराया हुआ, असंतुलित और मूर्खतापूर्ण कदम उठाते हुए ईरान के बुनियादी ढांचे व राष्ट्रीय संपत्तियों को निशाना बनाने की धमकी दी है।'

उन्होंने कहा कि ईरानी सशस्त्र बल देश के अधिकारों की रक्षा करने और राष्ट्रीय संपत्तियों की सुरक्षा के लिए 'एक पल भी' हिचकिचाएंगे नहीं और 'हमलावरों को उनकी जगह दिखा देंगे।' सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने लिखा, 'याद रखें जब मैंने ईरान को समझौता करने या होर्मुज़ जलडमरूमध्य खोलने के लिए दस दिन दिए थे,' और जोड़ा, 'समय खत्म हो रहा है और 48 घंटे बचे हैं, उसके बाद उन पर कहर टूट पड़ेगा।'

21 मार्च को ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि यदि ईरान ने 48 घंटे के भीतर होर्मुज़ जलडमरूमध्य को पूरी तरह नहीं खोला, तो वह उसके बिजली संयंत्रों को 'नष्ट और तबाह' कर देंगे। हालांकि, दो दिन बाद तेहरान के साथ 'सकारात्मक बातचीत' के बाद उन्होंने हमलों को पांच दिनों के लिए टाल दिया। बाद में उन्होंने समय-सीमा फिर बढ़ा दी।

इस बीच, ईरान की आईआरजीसी नौसेना ने कहा कि उसने ड्रोन से एक इज़रायल से जुड़े जहाज को निशाना बनाया, जिससे उसमें आग लग गई। अपने आधिकारिक समाचार आउटलेट 'सेपाह न्यूज़' में जारी बयान में आईआरजीसी ने हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि उसके बलों ने बहरीन के एक बंदरगाह में एक इज़रायली स्वामित्व वाले वाणिज्यिक जहाज को निशाना बनाया।

होर्मुज स्ट्रेट संकट : अमेरिका से अलग होकर दुनिया के देश खुद कर रहे हैं समाधान की कोशिश

वाशिंगटन, एजेंसी। दुनिया के कई बड़े देश होर्मुज स्ट्रेट में पैदा हुए संकट को संभालने के लिए अब अमेरिका के बिना ही आगे बढ़ रहे हैं। ईरान युद्ध और उसके असर को लेकर अमेरिका और उसके यूरोपीय सहयोगियों के बीच मतभेद लगातार बढ़ रहे हैं। खाड़ी क्षेत्र से तेल और गैस पर निर्भर देश इस महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते को फिर से खोलने के लिए तेजी से प्रयास कर रहे हैं। वहीं, इस पूरे मामले में अमेरिका के रवैये को लेकर भी कई देशों में नाराजगी बढ़ रही है। इसी हफ्ते ब्रिटेन ने 40 से अधिक देशों की बैठक बुलाई, जिसमें इस जलमार्ग से फिर से जहाजों की आवाजाही शुरू कराने पर चर्चा हुई। इस दौरान वैश्विक व्यापार में रुकावट के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया गया।

हालांकि, इस बैठक में पश्चिमी देशों के बीच मतभेद भी साफ नजर आए। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने अमेरिका के सैन्य कार्रवाई के प्रस्ताव को खुलकर खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका खुद फैसला लेकर कार्रवाई करे और फिर दूसरों से समर्थन की उम्मीद रखे, यह सही नहीं है। यह हमारा अभियान नहीं है। यूरोपीय देश इस संकट को सुलझाने के लिए सैन्य कार्रवाई के बजाय बातचीत और आर्थिक दबाव को बेहतर तरीका मानते हैं। अधिकारियों और विशेषज्ञों का हवाला देते हुए 'द वॉल स्ट्रीट जर्नल' ने बताया कि स्ट्रेट को फिर से खोलने के लिए सैन्य विकल्पों को अवास्तविक और जोखिम भरा माना जा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र में बहरीन ने इस क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा के लिए एक प्रस्ताव पेश किया है, हालांकि 'द हिल' की रिपोर्ट के अनुसार, उसे चीन के विरोध का सामना करना पड़ रहा है।

यह पूरा घटनाक्रम अमेरिका और यूरोप के रिश्तों में बढ़ती दूरी को भी दिखाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान युद्ध ने अमेरिका और यूरोप के संबंधों को एक ऐसे मोड़ पर ला खड़ा किया है, जहां दरार साफ दिखाई दे रही है। अमेरिका इस बात से नाराज है कि उसके सहयोगी देश इस युद्ध में उसका साथ नहीं दे रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी यूरोपीय देशों से नाराज बताए जा रहे हैं और उन्होंने नाटो के भविष्य पर भी सवाल उठाए हैं, जिससे इस गठबंधन को लेकर चिंता बढ़ गई है।

इस बीच, ट्रंप के बयान भी साफ नहीं हैं। उन्होंने एक ओर कहा कि जो देश खाड़ी क्षेत्र के तेल पर निर्भर हैं, उन्हें खुद आगे आकर इस रास्ते को खोलना चाहिए और अमेरिका मदद करेगा। वहीं, दूसरी ओर उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अमेरिका खुद इस रास्ते को खोल सकता है और इससे तेल व्यापार में फायदा उठा सकता है। इससे उनकी नीति में असमंजस दिखाई देता है।

जमीनी स्थिति की बात करें तो 'द हिल' की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने इस जलमार्ग पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। कुछ मित्र देशों को ही सीमित रूप से गुजरने दिया जा रहा है और जहाजों से शुल्क लेने का प्रस्ताव भी सामने आया है। इस संकट के कारण कई देशों ने आपात योजनाएं बनानी शुरू कर दी हैं। इसमें शिपिंग कंपनियों के साथ तालमेल और ईरान पर दबाव बनाने के लिए संभावित प्रतिबंधों पर चर्चा शामिल है।

पाकिस्तान में गाय-भैंस पालने पर गोबर टैक्स लगाने की तैयारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब राज्य में गाय और भैंस पालने पर अब 'टैक्स' लगाने की तैयारी हो रही है। पाकिस्तानी अखबार डेली टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक मरियम नवाज की सरकार हर गाय और भैंस पर रोजाना 30 पाकिस्तानी रुपए फीस देने का नियम बना सकती है।

सरकार इस कदम को ग्रीन एनर्जी के रूप में पेश कर रही है। यह योजना 'सुथरा पंजाब' बायोगैस प्रोग्राम का हिस्सा बताई जा रही है। यह प्रोग्राम दिसंबर 2024 में पंजाब राज्य में शुरू किया गया था। इसका मकसद कचरे को साफ करना और उससे बायोगैस बनाकर ऊर्जा तैयार करना है।

वहीं विपक्षी दलों ने इस फैसले की कड़ी आलोचना कर इसे 'गोबर टैक्स' का नाम दिया है। उनका कहना है कि यह कदम दिखाता है कि सरकार आर्थिक दबाव में है और अब नए-नए तरीकों से पैसा जुटाने की कोशिश कर रही है।

विपक्ष ने दावा किया कि 'ग्रीन एनर्जी' का नाम बस दिखावा है। असली कहानी कुछ और है। सरकार का फैसला पहले से महंगाई और महंगे चारे से जूझ रहे किसानों से जबरन पैसा निकालने का तरीका है।

गोबर इकट्ठा कर पर्यावरण बचाने का दावा : सरकार ने इस फीस को लागू करने के लिए राज्य की करीब 168 कैटल कॉलोनियों को चिन्हित किया है। इन कॉलोनियों की लगभग 50 लाख गाय-भैंसों पर यह फीस लग सकती है। इस नई योजना के तहत पशुपालकों से हर पशु के हिसाब से रोजाना शुल्क लिया जाएगा। पहले चरण में लाहौर की दो प्रमुख डेयरी कॉलोनियों हरबंसपुरा और गुज्जरपुरा से शुरू होगा। बाद में पूरे पंजाब में फैलाया जाएगा।

सरकार का कहना है कि इस पैसे का इस्तेमाल गोबर इकट्ठा करने, कचरा मैनेजमेंट और बायोगैस प्लांट चलाने में किया जाएगा, ताकि पर्यावरण को भी फायदा हो। इतनी ज्यादा गाय-भैंसों का रोजाना कितना गोबर निकल रहा है, इसे ठीक-ठीक नापना लगभग नामुमकिन है। इसी वजह से सरकार ने प्रति पशु तय दर से फीस वसूली का मॉडल अपनाने का फैसला किया है। चाहे गाय या भैंस ज्यादा गोबर दे या कम मालिक को हर पशु के हिसाब से रोज एक तय फीस देनी होगी।

विपक्ष बोला- सरकार के पास असली कमाई का रास्ता खत्म : विपक्ष का कहना है कि यह शासन का सही मॉडल नहीं है।

यह इस बात का साफ इशारा है कि पाकिस्तान के सबसे बड़े राज्य के पास अब कमाई के असली रास्ते ही खत्म हो गए हैं। वहीं, किसानों और पशुपालकों की चिंता अलग है। उनका कहना है कि वे पहले से ही महंगे चारे, बढ़ती बिजली कीमतों और महंगाई से जूझ रहे हैं। ऐसे में यह नया टैक्स उनके खर्च को और बढ़ा देगा।

एक पाकिस्तानी इंडस्ट्री एक्सपर्ट ने कहा, 'एक तरफ भ्रष्ट नेता और अफसर लग्जरी गाड़ियां, विदेश यात्राएं और मोटी सैलरी का मजा ले रहे हैं। दूसरी तरफ किसान, जो पहले ही अपने पशुओं का पेट भरने के लिए जूझ रहा है, अब उससे कहा जा रहा है कि अपनी भैंस के गोबर के लिए भी सरकार को पैसा दो। इससे साफ है कि सिस्टम पूरी तरह गड़बड़ है।'

क्यों जरूरी है कैल्शियम

आजकल ज्यादातर लोगों को हड्डियों, मांसपेशियों और जोडों के दर्द की समस्या हो जाती है। अगर आप अपने परिवार को इससे बचाना चाहती हैं तो रोजाना के भोजन में पर्याप्त मात्रा में कैल्शियम युक्त चीजें जरूर शामिल करें। केवल शरीर ही नहीं, मस्तिष्क की सही कार्यप्रणाली के लिए भी इसका सेवन बहुत जरूरी है।

जिन पोषक तत्वों से मानव शरीर की रचना होती है, कैल्शियम उसका महत्वपूर्ण घटक है। कार्बन, हाइड्रोजन और नाइट्रोजन के बाद शरीर में कैल्शियम की मात्रा सबसे अधिक होती है। इसमें से 90 प्रतिशत कैल्शियम हड्डियों व दांतों में पाया जाता है। इसकी कुछ मात्रा हमारे रक्त में भी होती है। इसके अलावा मस्तिष्क के सेरेब्रोस्पाइनल फ्लूइड में व स्तन ग्रंथियों से स्त्रावित दूध में भी कैल्शियम होता है।

कैल्शियम के कार्य

कैल्शियम से न सिर्फ हड्डियां मजबूत होती हैं, बल्कि उच्च रक्तचाप, डायबिटीज और कैंसर के खतरों से भी बचाव होता है। यह नर्वस सिस्टम के माध्यम से हमारी मांसपेशियों को गतिशील बनाने में सहायक होता है। रक्त में निश्चित मात्रा में घुला कैल्शियम कोशिकाओं के हर पल सक्रिय रहने के लिए आवश्यक है। गर्भावस्था के दौरान गर्भस्थ शिशु की हड्डियों के विकास के लिए गर्भवती स्त्रियों को कैल्शियम युक्त पदार्थो का भरपूर सेवन करना चाहिए। डॉक्टर की सलाह पर उन्हें कैल्शियम की गोलियों का भी सेवन करना चाहिए। जब बच्चों के दांत निकलने शुरू हों तो उन्हें पर्याप्त मात्रा में दूध और उससे बनी चीजें देनी चाहिए। टीनएजर्स के समुचित शारीरिक विकास के लिए उन्हें भी अधिक कैल्शियम की जरूरत होती है।

बढती उम्र में कैल्शियम

30 साल की उम्र तक हड्डियां पूरी तरह विकसित हो जाती हैं, लेकिन शरीर को कैल्शियम की जरूरत तब भी होती है। 40 वर्ष की उम्र के बाद स्त्रियों में मेनोपॉज की अवस्था आती है। इस समय उन्हें प्रतिदिन 1500 मिग्रा कैल्शियम की आवश्यकता होती है। इस उम्र में कैल्शियम की कमी से हड्डियां कमजोर हो जाती हैं और ऑस्टियोपोरोसिस होने का खतरा बढ जाता है। अतः आप अपने रोजाना के खानपान में पर्याप्त मात्रा में कैल्शियम युक्त चीजें जरूर शामिल करें। नियमित एक्सरसाइज भी आपके लिए फायदेमंद साबित होगा।

प्रमुख स्त्रोत

दूध और उससे बनी चीजों जैसे- दही, पनीर और चीज आदि का सेवन करें। औसतन एक गिलास दूध में 300 मिलीग्राम कैल्शियम होता है। सफेद रंग के सभी फलों और सब्जियों जैसे-केला, नारियल, शरीफा, अमरूद, गोभी और मूली आदि में पर्याप्त मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है।

कैसे करें सेवन

हम जितना कैल्शियम भोजन के माध्यम से लेते हैं, उसमें से मात्र 30 प्रतिशत ही मेटाबॉल्जिम के माध्यम से हम तक पहुंच पाता है। शेष कैल्शियम उत्सर्जन की प्रक्रिया द्वारा शरीर से बाहर निकल जाता है। हमारे शरीर में कैल्शियम के अवशोषण और उसके पाचन के लिए फास्फोरस और विटामिन डी की भी आवश्यकता होती है। आम तौर पर सभी कैल्शियम युक्त खाद्य पदार्थो में फास्फोरस भी पाया जाता है। इसलिए अलग से फास्फरेरस के सेवन की जरूरत नहीं पडती, लेकिन हड्डियों के लिए विटमिन डी बहुत जरूरी है। इसकीप्राप्ति के लिए प्रतिदिन सूरज की रोशनी में थोडा वक्त जरूर बिताएं। हमारे रोजमर्रा के संतुलित और पौष्टिक भोजन से शरीर को पर्याप्त मात्रा में कैल्शियम मिल जाता है। इसलिए बिना डॉक्टर की सलाह लिए कैल्शियम की गोलियों का सेवन न करें, क्योंकि यह सेहत के लिए नुकसानदेह हो सकता है।

हेल्थ प्लस

दिल के लिए दांतों का रखे खयाल

दिल के लिए दांतों का रखे खयाल यह बात सुनने में अटपटी लग सकती है कि दांतों से दिल का भी गहरा रिश्ता है, लेकिन अब तक किए गए शोधों से यह प्रमाणित हो चुका है कि दांतों में होने वाली कोई भी तकलीफ दिल की बीमारी का संकेत हो सकती है। अपने दिल को बीमारियों से बचाने के लिए हम तमाम तरह की कोशिशें करते हैं। रोज सुबह उठकर एक्सरसाइज, योग, वॉकिंग-जॉगिंग, खाने में घी-तेल का कम से कम इस्तेमाल, हरी सब्जियों का सेवन आदि। लेकिन यह बात बहुत कम लोगों को मालूम है कि अगर दांतों की सही देखभाल की जाए तो इस समस्या से बहुत आसानी से बचा जा सकता है।

क्या है वजह

दरअसल शरीर के किसी भी हिस्से में लंबे समय तक इन्फेक्शन हो तो वह हमारे दिल को भी नुकसान पहुंचा सकता है। लेकिन दांतों का दिल की बीमारियों से गहरा रिश्ता इसलिए भी होता है क्योंकि दांत हमारे शरीर का वह हिस्सा है, जिसका खाने से निरंतर संपर्क रहता है और इस वजह से यहां इन्फेक्शन की आशंका सबसे अधिक होती है। हाल ही में किए गए शोध से यह प्रमाणित हो चुका है कि अगर मसूडे में बैक्टीरिया की वजह से जिंजिवाइटिस का इन्फेक्शन हो जाए तो इससे बैक्टीरिया खून के जरिये दिल तक पहुंच जाता है। यह दिल की नसों को नुकसान पहुंचाता है और इससे हार्टअटैक का खतरा बढ जाता है। इन्फेक्शन की वजह से दांतों में कुछ ऐसे हानिकारक तत्व बनते हैं, जो ब्लड के जरिये हार्ट तक पहुंचकर उसे नुकसान पहुंचाते हैं। कई बार इससे हार्ट के वॉल्व या आर्टरीज की दीवारों पर ब्लड क्लॉट की समस्या भी हो जाती है।

कैसे करें बचाव

- सबसे पहले बचपन की वही पुरानी सीख हमेशा याद रखें कि रोजाना सुबह और रात को सोने पहले अच्छी तरह ब्रश करना चाहिए। ऐसे ताजे फल जिन्हें चबाने में दांतों को थोडी मेहनत करनी पडती है, जैसे-गाजर, मूली, चुकंदर और सेब का सेवन पर्याप्त मात्रा में करें। इससे मसूडों की एक्सरसाइज होती हैं और दांत मजबूत होते हैं।
- अपने खानपान में हाईकार्ब फूड जैसे-चॉकलेट्स और मिठाइयों की मात्रा कम करें। ऐसी चीजें बहुत तेजी से नुकसानदेह बैक्टीरिया को जन्म देती हैं, जो दांतों में कैविटी बनाती है। अगर कभी ऐसी चीजें खाते भी हैं तो इसके बाद दांतों को साफ करना न भूलें।
- अगर दांतों में कैविटी हो तो उसे नजरअंदाज न करें। आगे चलकर यह हार्ट के भीतरी हिस्से को भी नुकसान पहुंचा सकती है।
- अगर आपको पहले से हार्ट की कोई भी समस्या हो तो साल में नियमित रूप से दो बार डेंटल चेकअप जरूर करवाएं। साथ ही अपने डेंटिस्ट को हार्ट की समस्या के बारे में बताना न भूलें। अगर दांतों में किसी तरह का इन्फेक्शन हो तो उसे दिल तक पहुंचने से रोकना बहुत जरूरी होता है और इसके लिए डेंटिस्ट मरीज को खास तरह की एंटीबायोक्टिस देते हैं। अगर दांत में दर्द हो तो बिना डॉक्टर की सलाह के पेनकिलर खाने से बचें, यह दांतों और दिल दोनों के लिए नुकसानदेह हो सकता है।
- एक टूथब्रश का इस्तेमाल ज्यादा से ज्यादा दो महीने तक ही करें। इसके बाद उसे बदल दें। साथ ही अपने लिए ऐसे डेंटल क्लिनिक का चुनाव करें, जहां स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाता हो क्योंकि कई बार डेंटल इक्विप्मेंट की वजह से भी दांतों में इन्फेक्शन हो जाता है।

बदलते मौसम में रहें सचेत

सर्दियों का सुहाना मौसम अब बीत चुका है और गर्मियों का आगाज हो चुका है। इस बदलते मौसम आपको अपनी सेहत के प्रति खास तौर से सचेत रहते हुए इन बातों का ध्यान रखना चाहिए :

- स्किन रैशेज से बचने के लिए लूज फिटिंग वाले कॉटन के आरामदेह आउटफिट्स पहनें।
- चंदन के पाउडर का फेस पैक लगाएं। चंदन त्वचा को चमक देने के साथ ठंडक का एहसास कराता है। यह पसीने से भी राहत दिलाता है।
- नीम की पत्तियां उबालकर, उसके पानी को ठंडा करके रखें और उसी से हाथ-मुंह धोएं। नीम में मौजूद एंटी बैक्टीरियल तत्व त्वचा को घमौरियों से बचाते हैं।
- चेहरे की त्वचा को गर्म हवाओं के असर से बचाने के लिए तरबूज का रस चेहरे पर लगाएं और पंद्रह मिनट बाद साफ पानी से अच्छी तरह धो लें।
- वैसे फल जिनमें पानी की मात्रा ज्यादा हो, जैसे-खीरा, ककडी, तरबूज, संतरा और अंगूर आदि का सेवन प्रचुर मात्रा में करें।
- नॉनवेज, मसालेदार और तली-भुनी चीजों के सेवन से बचें और ज्यादा से ज्यादा पानी पीएं।
- इस मौसम में अकसर माइग्रेन की समस्या बढ जाती है, ऐसे में खाने के बाद एक टी स्पून शहद का सेवन फायदेमंद साबित होता है। सुबह की ताजी हवा में टहलने से भी दर्द से राहत मिलती है।
- अगर आपको एस्थमा की समस्या है तो घर से बाहर निकलते वक्त इनहेलर और जरूरी दवाएं ले जाना न भूलें।
- ज्यादा देर तक धूप में रहने से बचें क्योंकि इससे सनबर्न या सनटैन की समस्या हो सकती है। घर से निकलने से पहले सनस्क्रीन लोशन का इस्तेमाल जरूर करें।
- स्कूल जाने वाले बच्चे को बाहर निकलते समय कैप जरूर पहनाएं। साथ ही उसे छाछ, लस्सी और जूस जैसे तरल पदार्थ पिलाएं। इससे बच्चे को हीट स्ट्रोक नहीं होगा।

स्वस्थ रहने के लिए टिप्स

स्वस्थ रहना सबको भता है पर स्वस्थ रहना आसान नहीं है। स्वस्थ रहना है तो इन्हें अपनाएं और स्वस्थ रहें।

- उम्र के अनुसार अन्न का सेवन करें-
- नाश्ता अवश्य करें पर ध्यान रखें कि नाश्ते में अन्न की मात्रा अधिक न लें।
- टी.वी. देखते और पढ़ते समय भोजन न करें। न ही बातें करते हुए भोजन करें।
- बीमार होने पर भोजन में संयम बरतें।
- लम्बी आयु पाने के लिए भूख से कम भोजन खाएं। एक ही समय में अधिक न खाएं।
- तीन बार मुख्य भोजन लें और दो बार हल्का नाश्ता लें।
- सुबह और रात के खाने में विभिन्नता रखें।
- बासी खाना न खाएं। थोड़ा खाएं पर ताजा खाएं।
- चाहे घर हो या बाहर, मर्यादा में रहकर खाएं।
- खाना खाते समय मन में किसी प्रकार के बुरे विचार न रखें। प्रसन्न मन से भोजन करें।
- एक ही समय अधिक चीजों का सेवन न करें। भोजन में तले हुए भोज्य पदार्थों का सेवन कम से कम करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शनैः-शनैः स्थिती पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। प्रेमभाव बढ़ेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। शुभांक-3-5-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। शुभांक-1-3-5

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा
कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। यात्रा का योग बनेगा। शुभांक-5-7-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-5-7

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। वाहन चालन में सावधानी बरतें। शुभांक-5-7-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती हैं। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मातृपक्ष के लोगों का सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-6-8-9

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों में प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-6-7-9

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक-7-8-9

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-2-5-7

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र हैं। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 2038

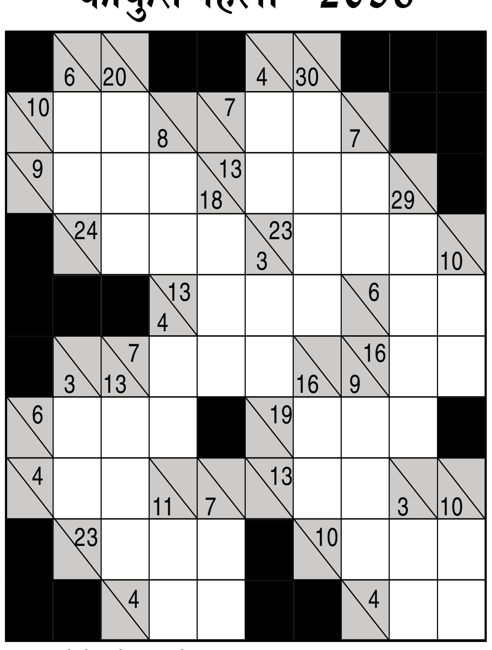

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

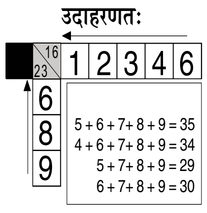

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 2037 का हल

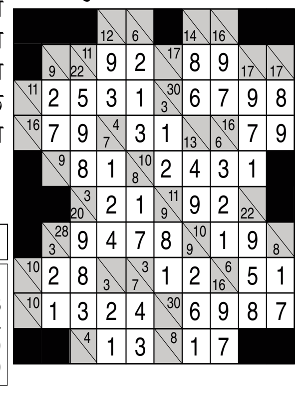

हंसी के फूव्वारें

एक पागलखाने में एक दर्शक का गाइड ने बताया-'यह जो पागल आपके सामने खड़ा है, इसकी यह दशा इसलिए हुई कि इसे उस लड़की ने ठुकरा दिया, जिसे वह प्यार करता था.'

'और वह!' दर्शक ने एक अन्य पागल की तरफ इशारा करते हुए पूछा.

'ओह !' गाइड बोला-'इसकी यह दशा इसलिए हुई कि इसने उसी लड़की से विवाह कर लिया.'

□ □ □

पहला-'पत्नी हर जन्म में वही पति क्यों पाना चाहती है?'

दूसरा-ताकि उस पति को सुधारने का परिश्रम बेकार न चला जाए.

□ □ □

'दुर्लभ पुस्तक किसे कहते हैं ?'

'जिसे पढ़कर सगे संबंधी, मित्र और पड़ोसी सुरक्षित लौटा दें.'

□ □ □

बाजार से आते ही मालकिन नौकरानी पर बिगड़ गई-''कल से तू काम पर मत आना !''

''जी ! क्या बात हो गई ?''

''जब मैं बाजार गई थी तो तेरे हाथ में चार चूड़ियां थीं, अब दो ही रह गई हैं.''

''जी. वह काम करने में टूट गई !''

''वह तो ठीक है. मगर पलंग पर तू क्या काम करने गई थी?''

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2038

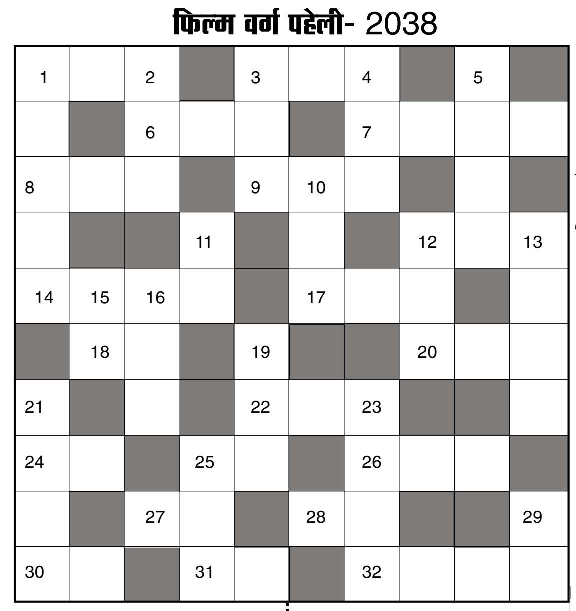

बायें से दायें:-

१. 'सारे शहर में आप सा कोई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली की फिल्म-३
६. मिथुन, मधु, रंभा की 'तुम्हें हम बहुत प्यार करने लगे' गीत वाली फिल्म-३
७. 'तेरी प्यारी प्यारी' गीत वाली राजेंद्र कुमार, बी. सरोजादेवी की फिल्म-४
८. बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
१४. 'सरकाय लेओ खटिया' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
१७. फिल्म 'शहीद' में नायिका ?-३
१८. 'आई बहार खिलते हैं दिल' गीत वाली सलमान, रेवती की फिल्म-२
२०. शशिकपूर, रेखा की 'जाने कैसे बीतेंगी ये बरसातें' अभिनीत फिल्म-३
२२. 'मच गया शोर सारी' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
२४. ऋषि, टीना की 'एक हसीना थी एक दीवाना था' गीतवाली फिल्म-२
२५. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबनो की फिल्म-२
२६. रणधीरकपूर, रेखा की 'हो देख तुझको दिल ने कहा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२८. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'दीवाने हैं दीवानों से तू' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'आइये आ जाइये, आ ही जाइये' गीत वाली अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, मनीषा, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
३१. राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला की 'नी मैं यार मनाना' गीत वाली फिल्म-२
३२. अमिताभ, जीनत की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'बचपन की मोहब्बत को' गीत वाली भारतभूषण, मीना की फिल्म-२,३
२. सुनील दत्त, मीना की फिल्म-३
३. 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली कमल हासन, श्रीदेवी की फिल्म-३
४. लकी अली, मीरा की 'जाना है जाना है चलते ही' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मेरे सपनों की रानी कब' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१०. नसीरूद्दीनशाह, शबाना की 'सीली हवा छू गई' गीत वाली फिल्म-३
११. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा मालिनी की फिल्म-२
१२. सनी, अमृता की 'ये मेरी जिंदगी बेजान लाश थी' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'ठहरो तो सही सोचो तो' गीत वाली गोविंदा, मनीषा कोइराला की फिल्म-४
१५. 'एक लड़की बस गई' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'भोर आई गया अंधियारा' गीत वाली राजेश खन्ना, जया की फिल्म-३
१९. कमल सदाना, काजोल की 'जब ना माना दिल दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आशायें खिलें दिल की' गीत वाली नसीर, श्रेयस, श्वेता की फिल्म-४
२३. अनिलकपूर, फरहा की 'पूछ रही है लड़की हैदराबादी' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
२९. संजयदत्त, अभिषेक, जायेदखान, ईशा देओल, राइमासेन, शिल्पा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2037

उ	त्स	व		चि	त्र	ग		खौ	फ
स्ता		च	रि	त्र		म	स्त		र
द	म	न		ले	कि	न		शा	दी
	र्या		रे	खा			ना	गि	न
अं	दा	ज			प्या	सा		र्द	
गू		मा	चि	स		ज	ख्मी		जं
र	वी	ना		ल	गा	न		जं	ग
	र		हे	मा			सी		ली
बे	ता	बी		न	या	ज	मा	ना	
टा		ना	ना		दे			म	स्ती

सूडोकु -2038

	4		7		1			3
3		5		4		1		
	2				8			
4		3						
	8			2			1	
						8		6
			2				3	
		9		8		2		4
1			4		6		9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2037 का हल

9	2	7	4	8	6	5	3	1
5	1	6	3	2	9	4	8	7
3	4	8	7	1	5	9	6	2
8	3	4	9	5	1	2	7	6
7	6	5	8	4	2	3	1	9
1	9	2	6	3	7	8	5	4
6	7	3	2	9	8	1	4	5
2	8	1	5	7	4	6	9	3
4	5	9	1	6	3	7	2	8

शब्द पहेली - 2038

बाएँ से दाएँ

1.बलगम-2
3.जाप,मंत्र पाठ-2
5.काया,बदन-2
7.ठाठ-बाट-2
9.गिरावट,अवनति-3
11.बुरी आदत-2
13.सदं,अच्छा-2
15.बंदर-3
17.अपशिष्ट पदार्थ-2
19.थोड़ा-2
22.दबाना,कुचलना-3
24.शारीरिक ऊंचाई-2
26.आम जनता-2
28.पिता के पिता-2
30.पक्षाघात,फालिज-3
32.मनमौजी,अलमस्त-2
34.नवीन-2
36.लोच-3
38.गाड़ी,घोड़ागाड़ी-2
41.बीता हुआ दिन-2
43.लेखनी,पेन-3
45.अधर-2
47.रांझा की प्रेमिका-2
49.अप्सरा,परी -2
51.गर्भ,कोख-3
53.दंड,शिक्षा -2
55.पाश,फंदा-2
57.परखना-3
60.वोट,अभिप्राय-2
62.हत्या-2
64.तिरस्कृत-3
66.शराब-2
67.उद्देश्य-2
68.टूंटी,नलका-2
69.आनंद-2

ऊपर से नीचे

1.प्याला-2
2.धर्म आदेश-3
4.क्षण,लमहा-2
6.गगन,आकाश-2
8.सरुर,खुमार-2
10.पति की बहन-3
12.अंधकार-2
14.शर्म,लज्जा-2
16.पासों से भविष्य जानने की विद्या-3
18.भाग्य (अंग्रेजी-2)
20.रहस्य-2
21.कुर्बान-2
23.अनुकृति-3
25.जोर,बल-2
27.नाखून-2
29.दक्षिणा-2
31.पढ़ने वाला-3
33.परत-2
35.भैंस जैसा एक प्राणी-2
37.झगड़ा-3
39.भूमि,धरा -2
40.राहगीर-2
42.रक्त-2
44.मां का प्रेम-3
46.दम-2
48.आनंद-2
50.छुट्टी-2
52.झगड़ना-3
54.प्याला-2
56.प्यार-2
58.असफल-3
59.यमराज-2
61.पैंदा-2
63.संपत्ति-2
65.सम्राट-2

शब्द पहेली -2037 का हल

	य	ती	म	खा	ना		म	हा	वी	र
क	क्ष		हा		ना	ह	क		र	म
हा		ना	न	सें	स		र	मा		जा
नी	र	व	ता		सु	र		न	म	न
का		खे		अ	र	क्त			सी	
र	वा	ना	हो	ना		पा	ल	न	हा	र
	ह			चा	ह	त		का		च
का	न	न		र	म		ब	र	सा	ना
म		र	ज		स	का	र	ना		का
धा	र		खि	ला	फ		स		भो	र
म	स	ख	रा		र	म	ता	जो	गी	

प्रियंका गांधी के असम दौरे के साथ ही कांग्रेस में भगदड़ मच गई : शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी

गुवाहाटी। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने असम की बोकाखात और नाडुआर विधानसभा सीटों पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) -भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशियों के समर्थन में विशाल जनसभाओं को संबोधित किया। उन्होंने बोकाखात में बिहरा टी एस्टेट मैदान में असम गण परिषद (एजीपी) नेता अतुल बोरा और नाडुआर में भाजपा उम्मीदवार पद्म हजारिका के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व की सराहना करते हुए केन्द्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि असम के लोग सरल, देशभक्त और ईमानदार हैं तथा राज्य की चाय विश्वभर में प्रसिद्ध है। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विपक्षी गठबंधन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस की स्थिति कमजोर हो चुकी है और पार्टी में आंतरिक कलह जारी है। उन्होंने दावा किया कि प्रियंका गांधी के असम दौरे के साथ ही कांग्रेस में भगदड़ मच गई। उन्होंने कहा कि राज्य में 'मामा हिमंत' की लोकप्रियता के कारण कांग्रेस चिंतित है। कांग्रेस पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि पार्टी ने असम के साथ 'पांच महापाप' किए। उन्होंने कहा कि विभाजन के समय असम को पाकिस्तान में शामिल करने की बात, 1962 के युद्ध में राज्य को असहाय छोड़ना, बांग्लादेशी घुसपैठ को संरक्षण देना, युवाओं को रोजगार न देना और परिवारवाद को बढ़ावा देना - ये कांग्रेस की बड़ी गलतियां रही हैं।

श्री काशी विश्वनाथ धाम के मंदिर चौक पर स्थापित हुई विक्रमादित्य वैदिक घड़ी, श्रद्धालुओं का बनी आकर्षण

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी स्थित श्री काशी विश्वनाथ धाम के मंदिर चौक पर विक्रमादित्य वैदिक घड़ी विधिवत स्थापित कर दी गई है। आकर्षण का नया केंद्र बनी यह लगभग दस फीट ऊंची और आयताकार घड़ी सनातन परंपराओं और हिंदू नववर्ष आधारित वैदिक कालगणना पद्धति पर आधारित है, जिसे श्रद्धालु पसंद करने के साथ सराह भी रहे हैं। इस विशिष्ट घड़ी को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेंट किया था। 3 अप्रैल 2026 को वाराणसी में आयोजित 'सम्राट विक्रमादित्य' महानाट्य के मंचन से पूर्व यह भेंट दी गई, जिसके बाद अब इसे धाम परिसर में स्थापित कर दिया गया है। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) डॉ. विश्वभूषण मिश्र ने बताया कि यह विशिष्ट घड़ी सूर्योदय से अगले सूर्योदय तक समय की गणना करती है, जिसमें कुल 30 मुहूर्त होते हैं। घड़ी न केवल सामान्य समय, बल्कि पंचांग, शुभ मुहूर्त, ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति, तापमान, आर्द्रता और हवा की गति जैसी जानकारियां भी प्रदर्शित करती है। साथ ही, यह भारतीय मानक समय (आईएसटी) और ग्रीनविच मीन टाइम (जीएमटी) के साथ वैदिक समय भी दर्शाती है।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद 1 मई से करेंगे उत्तर प्रदेश की हर विधानसभा क्षेत्र का दौरा

बरेली। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के एक और बयान से सियासी और धार्मिक माहौल को गरम हो गया है। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार पर गोहत्या रोकने में विफल रहने का आरोप लगाया और कहा कि प्रदेश में गोहत्या के मामले कम होने के बजाय बढ़ रहे हैं। उन्होंने 1 मई से राज्य की हर विधानसभा क्षेत्र का दौरा करने का एलान किया हैशंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती उत्तर प्रदेश के बरेली में पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि जब वर्तमान सरकार सत्ता में आई थी, तब लोगों को उम्मीद थी कि गोहत्या पर सख्ती से रोक लगेगी, लेकिन हालात इसके विपरीत दिखाई दे रहे हैं। शंकराचार्य ने दावा किया कि प्रदेश में बूचड़खाने सरकारी अनुमति और हस्ताक्षर के आधार पर संचालित हो रहे हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि विदेशी बाजारों में गोमांस की खुलेआम बिक्री हो रही है, जो उत्तर प्रदेश जैसे राज्य के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

भारी बारिश-ओलावृष्टि से फसल नुकसान पर केंद्र सतर्क, प्रभावित राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ होगी बैठक : शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में हाल ही में हुई भारी बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान को लेकर केंद्र सरकार सक्रिय हो गई है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस स्थिति का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को तत्काल समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। कृषि मंत्रालय के अनुसार, मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने संबंधित राज्यों के अधिकारियों से संपर्क कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने को कहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि फसलों को हुए नुकसान का सही आकलन जरूरी है, ताकि प्रभावित किसानों को समय पर राहत प्रदान की जा सके। मंत्री ने भरोसा दिलाया कि इस कठिन समय में केंद्र सरकार किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है और उन्हें किसी भी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है।

सरकार हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके साथ ही, शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि प्रभावित राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ आज बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में फसल क्षति का विस्तृत आकलन कर राहत और मुआवजे के उपायों पर निर्णय लिया जाएगा।

लोकसभा क्षेत्र पुनर्विन्यास राजनीतिक प्रेरित: सिद्धारमैया

एजेंसी

बेंगलुरु। प्रस्तावित लोकसभा क्षेत्रों के पुनर्विन्यास (डिलिमिटेशन) को लेकर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पूरी प्रक्रिया राजनीतिक उद्देश्यों से प्रेरित है और दक्षिण भारतीय राज्यों के साथ अन्याय कर सकती है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जारी बयान में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रतिक्रिया का स्वागत करते हुए कहा कि दक्षिण राज्यों के प्रति दिखाई जा रही अचानक चिंता वास्तविक नहीं, बल्कि राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है। उन्होंने यह भी कहा कि केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में चल रहे चुनावों को ध्यान में रखते हुए यह बयान दिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाना समस्या नहीं है, बल्कि सीटों के वितरण का तरीका असली मुद्दा है। उनके अनुसार, प्रस्तावित विस्तार में उत्तर भारत के राज्यों को अधिक लाभ मिलने की संभावना है,

जबकि कर्नाटक समेत दक्षिणी राज्यों को सीमित बढ़ोतरी ही मिल सकती है। आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और बिहार जैसे बड़े और भाजपा-शासित राज्यों को अधिक सीटें मिल सकती हैं, जिससे क्षेत्रीय असंतुलन बढ़ेगा। इसके विपरीत दक्षिणी राज्यों का हिस्सा अपेक्षाकृत कम ही रहेगा।

उन्होंने चिंता जताई कि लोकसभा की कुल संख्या 816 तक बढ़ने के बाद भी दक्षिणी राज्यों की हिस्सेदारी लगभग 24 प्रतिशत ही रह सकती है। जनसंख्या नियंत्रण और सुशासन में बेहतर प्रदर्शन करने वाले राज्यों के साथ यह अन्याय है।

सिद्धारमैया ने कहा कि इस प्रक्रिया से बड़े राज्यों का संख्यात्मक वर्चस्व बढ़ेगा और कर्नाटक जैसे राज्यों की आवाज कमजोर पड़ सकती है। उन्होंने इसे 'सहकारी संघवाद के बजाय सत्ता के केंद्रीकरण का उदाहरण' बताया।

उन्होंने यह भी कहा कि बिना व्यापक सार्वजनिक चर्चा और राज्यों से परामर्श के इस तरह के महत्वपूर्ण संरचनात्मक बदलाव लागू करना उचित नहीं है। केंद्र सरकार से उन्होंने न्याय, पारदर्शिता और संघीय ढांचे के सिद्धांतों को बनाए रखने की मांग की है। आखिर में उन्होंने चेतावनी दी कि कर्नाटक के हितों को नुकसान पहुंचाने वाले किसी भी कदम का राज्य सरकार कड़ा विरोध करेगी।

गौतमबुद्ध नगर जिला जेल में बंद नाइजीरियन कैदी की मौत, तीन सौ करोड़ की एमडीए ड्रग्स के साथ हुआ था गिरफ्तार

एजेंसी

नोएडा। उत्तर प्रदेश की गौतमबुद्ध नगर (ग्रेटर नोएडा) की जिला जेल में बंद नाइजीरियन कैदी की मौत हो गई। वह किडनी की बीमारी से ग्रसित था और वर्ष 2023 में गौतम बुद्ध नगर में 300 करोड़ की एमडीए ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया गया था।

गौतमबुद्ध नगर जिला कारागार के जेल सुपरिंटेंडेंट बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि नाइजीरियन सोलोमन (66 वर्ष) और उसके कई साथियों को वर्ष 2023 के मई माह में गौतमबुद्ध नगर के थाना बीटा- दो पुलिस ने गिरफ्तार किया था। इनके पास से करीब 300 करोड़ की एमडीए ड्रग्स बरामद हुआ था। विदेशी नागरिक एनडीपीएस एक्ट के मामले में सोलोमन तभी से जेल में बंद था। उन्होंने बताया कि कैदी लंबे समय से किडनी की गंभीर बीमारी से ग्रसित था। उसे कई बार अस्पताल में भर्ती कराया जा चुका था। उन्होंने बताया कि 2 दिन पूर्व ही वह एम्स दिल्ली से डायलिसिस करवा कर अस्पताल लौटा था। उसकी अचानक तबीयत खराब हुई। उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

उन्होंने बताया कि उचित माध्यम से नाइजीरियन दूतावास को घटना की सूचना दी गई है। मृतक के परिजनों से संपर्क किया जा रहा है। इसके कुछ साथी भारत में रहते हैं। उनको भी घटना की सूचना दे दी गई है। उन्होंने बताया कि शव का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। मृतक के परिजन और उनके साथी अंतिम संस्कार कैसे करेंगे इस बात का निर्णय वही लोग लेंगे।

मप्र के अनूपपुर जिले में हुए हादसे में मृतकों के परिजनों को 9-9 लाख रुपये की आर्थिक सहायता

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के कोतमा नगर में बस स्टैंड के पास तीन मंजिला बिल्डिंग ढहने से हुए हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हो गए। मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हादसे पर दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजन को 9-9 लाख रुपये की आर्थिक सहायता और हादसे के निष्पक्ष जांच के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने काल-कवलित लोगों के परिजन को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से 4-4 लाख, संबल योजना के अंतर्गत 4-4 लाख और रेडक्रॉस से 1-1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि घायलों को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से 2-2 लाख रुपये और रेडक्रॉस से 50-50 हजार रुपये राशि दी जाएगी। उन्होंने दिवंगतों की आत्मा को शांति और परिजन को यह गहन दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रभावित परिजन के साथ है। उन्होंने हादसे की निष्पक्ष जांच के निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, स्थानीय पुलिस, प्रशासन तथा एसईसीएल की टीमों ने आधुनिक मशीनों एवं डॉग स्क्वॉड की मदद से मलबे के एक-एक हिस्से की गहन तलाशी ली। रेस्क्यू टीम ने मलबे से तीन व्यक्तियों को सुरक्षित बाहर

अनूपपुर जिले के कोतमा बस स्टैंड के पास शनिवार शाम करीब 5.30 बजे अग्रवाल लॉज का तीन मंजिला भवन भरभराकर ढह गया था। सूचना मिलने के बाद राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंचा और रेस्क्यू शुरू किया। शनिवार शाम से प्रारंभ हुआ रेस्क्यू ऑपरेशन रविवार दोपहर तक जारी रहा। रेस्क्यू कार्य में निकालकर तत्काल उपचार उपलब्ध कराया जबकि तीन अन्य व्यक्तियों के शव बरामद किए गए। मृतकों में दो की पहचान हनुमान दीन यादव (55) और रामकृपाल यादव (40) स्थानीय निवासी के रूप में हुई है। वहीं, रविवार सुबह एक महिला का शव मिला है। अभी मृतक महिला की पहचान नहीं हुआ है।

दो राज्यों को सांस्कृतिक डोर से जोड़ेगा नया फोर लेन बायपास : मुख्यमंत्री डॉ यादव

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा प्रदेश के निवाड़ी जिले और उत्तर प्रदेश के झांसी के लिए 15.5 किमी लंबाई के 4-लेन वाले दक्षिणी बाईपास के निर्माण और बंगाय खास से ओरछा तिगेला तक राष्ट्रीय राजमार्ग-44 और राष्ट्रीय राजमार्ग-39 को जोड़ने वाली लिंक रोड के लिए 631.73 करोड़ रुपये की लागत के साथ स्वीकृति दी गई है। यह बायपास और लिंक रोड दो बड़े प्रदेशों के नागरिकों को एक सांस्कृतिक डोर से हमेशा के लिए जोड़ देगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्य प्रदेश को दिन-प्रतिदिन नई-नई सौगात देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का आभार व्यक्त किया है। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि झांसी राष्ट्रीय राजमार्ग-27 (पूर्व-पश्चिम कॉरिडोर), राष्ट्रीय राजमार्ग-44

(उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर), राष्ट्रीय राजमार्ग-39, राष्ट्रीय राजमार्ग-539, राष्ट्रीय राजमार्ग-552 इन पाँच राजमार्गों के जंक्शन पर स्थित है, जिसके कारण शहर के भीड़भाड़ वाले मुख्य इलाके से होकर गुज़रने वाले ट्रैफिक में भारी बढ़ोतरी होती है। झांसी में एक नया औद्योगिक शहर (BIDA) भी बसाया जा रहा है, जहां भारी माल ढुलाई की ज़रूरत होगी।

उन्होंने कहा कि दक्षिणी बाईपास झांसी के आस-पास से गुज़रने वाले शहरों के बीच के ट्रैफिक के लिए एक निर्बाध रास्ता बनाएगा, जिससे शहर के अंदर यात्रा का समय कम होगा और शहर में ट्रैफिक का दबाव घटेगा। इससे प्रायद्वीपीय भारत, मध्य भारत और पूर्वी भारत के बीच, झांसी से होकर गुज़रने वाले पाँच राष्ट्रीय राजमार्गों के रास्ते माल की आवाजाही में लगने वाला समय भी कम होगा। यह बाईपास ओरछा तिगेला पर खत्म होता है, जो यूनेस्को (UNESCO) की संभावित विश्व धरोहर सूची में शामिल है और जहाँ जहाँगीर महल, राम राजा मंदिर और बेतवा वन्यजीव अभयारण्य स्थित हैं। हाईवे तक बेहतर पहुंच से इस क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था और विकास को भी गति मिलेगी।

पंजाब भाजपा मुख्यालय पर ग्रेनेड हमले के मुख्य आरोपी रेवाड़ी से काबू

चंडीगढ़। चंडीगढ़ ग्रेनेड हमले के मामले में कार्रवाई करते हुए पंजाब पुलिस के काउंटर इंटेलिजेंस विंग ने चंडीगढ़ पुलिस के साथ संयुक्त ऑपरेशन और हरियाणा पुलिस की सहायता से दो मुख्य आरोपितों को हरियाणा के रेवाड़ी से गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपितों में से एक ने ग्रेनेड फेंका था तो दूसरे ने वीडियो बनाई थी। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने रविवार शाम को बताया कि गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान गुरतेज सिंह और अमनप्रीत सिंह के रूप में हुई है, दोनों रूपनगर जिले के रतनगढ़ के निवासी हैं। आरोपित अमनप्रीत सिंह का पहले से आपराधिक रिकॉर्ड है। उसके खिलाफ एसएएस नगर और हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में चोरी और लूट के मामले दर्ज हैं। यह कार्रवाई इस मामले में शामिल पांच अन्य आरोपितों बलविंदर लाल उर्फ शमी, जसवीर सिंह उर्फ जस्सी, चरणजीत

सिंह उर्फ चन्नी, रूबल चौहान और मनदीप उर्फ अभिजोत शर्मा की गिरफ्तारी के एक दिन बाद की गई, जिनके पास से एक हैंड ग्रेनेड और एक .30 बोर जिगाना पिस्तौल बरामद की गई थी। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि इन ताजा गिरफ्तारियों के साथ इस मामले में शामिल सभी सात आरोपित अब पुलिस हिरासत में हैं। इस दौरान एडीजीपी काउंटर इंटेलिजेंस अमित प्रसाद, एडीजीपी आंतरिक सुरक्षा एस.के. वर्मा, आईजीपी इंटेलिजेंस डॉ. सुखचैन सिंह गिल और एआईजी एसएसओसी एसएएस नगर दीपक पारिक भी मौजूद थे। डीजीपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों को पुर्तगाल स्थित आईएसआई समर्थित विदेशी हैंडलर बलजोत सिंह उर्फ जोत और जर्मनी से हरजीत सिंह लाडी द्वारा 2 लाख रुपये के इनाम का लालच देकर इस हमले को अंजाम देने के लिए उकसाया गया था। उन्होंने कहा कि विदेशी हैंडलरों के निर्देश पर आरोपियों ने इस हमले की योजना बनाई और इसे अंजाम देने के लिए कई स्तरों (कटआउट्स और सब-मॉड्यूल) का इस्तेमाल किया।

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपित गुरतेज सिंह ने खुलासा किया कि वह लगभग छह महीने पहले सोशल मीडिया के माध्यम से एक विदेशी हैंडलर के संपर्क में आया था। उसके निर्देश पर गुरतेज ने अपने साथियों रूबल चौहान और मनदीप उर्फ अभिजोत शर्मा के साथ मिलकर 28 मार्च 2026 को एसबीएस नगर के गांव भरापुर में जसवीर उर्फ जस्सी से हथियार और ग्रेनेड की खेप प्राप्त की थी और बाद में अमनप्रीत सिंह को साथ लेकर वारदात को अंजाम दिया। डीजीपी के अनुसार एक अप्रैल को रेकी करने के बाद अमनप्रीत सिंह ने ग्रेनेड फेंका, जबकि गुरतेज सिंह ने हैंडलर के निर्देशानुसार इस पूरी घटना को अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड किया।

मप्र के ग्वालियर के गांधी उद्यान में सफेद बाघिन मीरा ने दिए 3 शावकों को जन्म

एजेंसी

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर स्थित गांधी प्राणी उद्यान (चिड़ियाघर) में सफेद बाघिन मीरा ने तीन शावकों को जन्म दिया है। इनमें दो रॉयल बंगाल और एक सफेद टाइगर शावक शामिल हैं। इस जन्म के साथ ही चिड़ियाघर में बाघों की कुल संख्या 10 हो गई है।चिड़ियाघर के प्रभारी डॉ. उपेंद्र यादव ने बताया कि रविवार दोपहर करीब दो बजे बाघिन मीरा ने तीन शावकों को जन्म दिया। सभी शावक स्वस्थ हैं और उनकी मां मीरा भी सुरक्षित है। उन्होंने पुष्टि की कि जन्मे शावकों में दो रॉयल बंगाल (पीले) और एक सफेद टाइगर है। प्रसव के बाद से मीरा और उसके शावकों की लगातार निगरानी की जा रही है।

गांधी उद्यान के क्यूरेटर गौरव परिहार ने बताया कि नवजात शावकों को सुरक्षा और स्वास्थ्य कारणों से आइसोलेशन में रखा गया है। उन्हें बाहरी संपर्क से दूर रखा जाएगा और विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम नियमित रूप से उनके स्वास्थ्य की जांच कर रही है। मीरा को भी बेहतर रिकवरी के लिए हल्का और पौष्टिक आहार दिया जा रहा है।

तीन नए शावकों के जन्म के बाद गांधी प्राणी उद्यान में बाघों की कुल संख्या 10 हो गई है। इनमें चार सफेद और छह रॉयल बंगाल टाइगर शामिल हैं। कुल संख्या में 4 नर, 3 मादा और 3 नवजात शावक हैं। ग्वालियर नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय के निर्देश पर चिड़ियाघर प्रशासन को विशेष सतर्कता बरतने के लिए कहा गया है। नवजात शावकों की देखभाल के लिए अतिरिक्त व्यवस्थाएं की गई हैं और सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं। केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण द्वारा निर्धारित स्वास्थ्य और सुरक्षा मानकों का भी कड़ाई से पालन किया जा रहा है।

'अयोध्या पर्व' समाज के जागरण का आधार है: रामबहादुर राय

एजेंसी

नई दिल्ली। इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) के अध्यक्ष रामबहादुर राय ने कहा कि अयोध्या पर्व केवल एक आयोजन नहीं बल्कि समाज के जागरण का आधार है। रामबहादुर राय ने यह बात दिल्ली स्थित आईजीएनसीए और अयोध्या न्यास के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय (3-5 अप्रैल) 'अयोध्या पर्व' के समापन के दौरान कही।

उन्होंने कहा, अयोध्या पर्व में निरंतरता और नवीनता है यही निरंतरता इसे विशेष बनाती है। वर्तमान की अयोध्या से समाज में जागरण आया, जो भविष्य की अयोध्या का आधार बनेगा। चाहे अयोध्या के नगर नियोजन का पक्ष हो, या अध्यात्म का पक्ष हो, अयोध्या पर्व एक मंच है, जिस पर लोग अपनी बात कह सकें। यही अयोध्या पर्व का प्रयोजन है। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने कहा कि भारत की मूल पहचान समृद्धि, संवेदनशीलता और सामाजिक आत्मीयता की रही है। पराधीनता के बावजूद समाज ने अपने स्वाभिमान को बनाए रखा और स्वतंत्रता के बाद देश को पुनः उसके स्वाभाविक स्वरूप में लाने का प्रयास निरंतर चलता रहा, जिसमें विभिन्न संतों और रामजन्मभूमि आन्दोलन की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

रामजन्मभूमि आंदोलन इस चिंता से निकला कि समाज को जगाया कैसे जाए। मंदिर निर्माण तो उस जागरण का फल है। अयोध्या के स्वरूप में समय के साथ व्यापक परिवर्तन आया है। अयोध्या पर्व के माध्यम से 84 कोसी परिक्रमा और इसकी सांस्कृतिक व्यापकता को समाज के सामने लाने का सार्थक

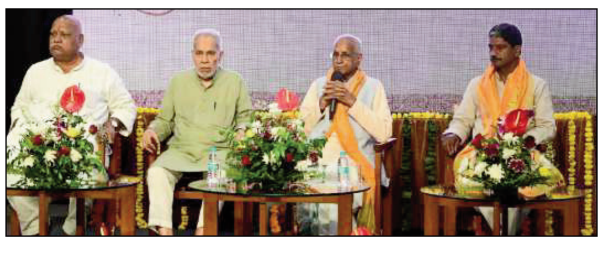

प्रयास किया गया है। आज आवश्यकता केवल मंदिर निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि राम के आदर्शों और जीवन मूल्यों को अपने आचरण में उतारने की है। उन्होंने अयोध्या में व्यवस्थाओं के बारे में बात करते हुए कहा कि धीरे-धीरे और भी बदलाव आएंगे। उन्होंने कहा कि लल्लू सिंह के प्रयासों से 84 कोसी परिक्रमा मार्ग जैसे कार्य आगे बढ़े हैं। अयोध्या का यह परिवर्तन केवल भौतिक विकास नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक जागरण की एक सतत प्रक्रिया है, जो आगे भी निरंतर चलती रहेगी।

इससे पहले, 'भविष्य की अयोध्या - शासन और समाज' विषय पर विचार विमर्श से हुआ। इसमें अयोध्या के भावी स्वरूप, उसके सांस्कृतिक एवं प्रशासनिक आयामों तथा समाज की भूमिका पर गंभीर चर्चा हुई। इस सत्र में सिद्धपीठ श्रीहनुमन्निवास, अयोध्या के आचार्य मिथिलेश नंदिनी शरण, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव मनोज सिंह और पंच परमेश्वर विद्यापीठ के अध्यक्ष चंद्रशेखर प्राण ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए अयोध्या को एक आदर्श सांस्कृतिक-आध्यात्मिक नगर के रूप में विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। वक्ताओं ने परम्परा और आधुनिकता के संतुलन को अयोध्या के भविष्य का मूल आधार बताया।

आचार्य मिथिलेश नंदिनी शरण ने कहा कि आज चिंता यह है। नगरीय अवस्थापना और नगर विकास की एक दृष्टि है। किसी भी भूगोल का विकास भारत में उसी दृष्टि से होता है। अयोध्या श्री राम के कारण जानी जाती है। श्री राम मंदिर के कारण नहीं जानी जाती है। जो मंदिर का मूल्य है, वह इसलिए है, क्योंकि वह राम की स्मृति को अक्षुण्ण करने में एक बड़ा उपादान है। उन्होंने कहा, अयोध्या परिभाषित होती है उस सनातन स्मृति से, जिसको हमारे पूर्वजों ने बचा करके रखा है। उन्होंने कहा, अयोध्या तो आश्रय है उनके लिए, जो सब छोड़ चुके हैं, वह अयोध्या आए। अयोध्या पाने के संघर्ष का नगर नहीं है। अयोध्या सब कुछ त्याग देने पर भी आपको हीन नहीं बनने देने की आत्मवत्ता का नगर है। संध्या को आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत दुलाल राय द्वारा निर्देशित 'श्री राम विजय' की भव्य प्रस्तुति ने उपस्थित दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

पंजाब में बारिश-ओलावृष्टि से फसल बर्बाद, रंधावा ने केंद्र से किसानों के लिए राहत पैकेज की मांग की

एजेंसी

चंडीगढ़। कांग्रेस सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने पंजाब में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से गेहूं की फसल को भारी नुकसान होने को लेकर केंद्र से तुरंत मदद की मांग की है। उन्होंने इस संबंध में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखकर तत्काल आकलन, राहत पैकेज और नीतिगत सहयोग की मांग की है। इसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पत्र को साझा करते हुए दी। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा, मैंने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखकर तत्काल आकलन, राहत पैकेज और नीतिगत सहयोग की मांग की है। विशेष रूप से इसलिए, क्योंकि किसानों के पास पीएमएफबीवाई (प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना) का कवरेज उपलब्ध नहीं है। कांग्रेस सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने पत्र में लिखा कि मैं यह पत्र अत्यंत जरूरी स्थिति में लिख रहा हूं। यह पंजाब के गुरदासपुर क्षेत्र सहित पूरे राज्य के किसानों की गंभीर समस्या से जुड़ा है। पिछले कुछ दिनों, यानी 30-31 मार्च से, पंजाब के कई जिलों में बेमौसम बारिश, तेज हवाएं और ओलावृष्टि हुई है। बठिंडा, मानसा,

फाजिल्का, श्री मुक्तसर साहिब, पटियाला, लुधियाना, अमृतसर, तरनतारन, होशियारपुर और गुरदासपुर जैसे कई जिलों में फसल को भारी नुकसान हुआ है। मौसम विभाग ने 6 और 7 अप्रैल को भी खराब मौसम की चेतावनी दी है, जिससे स्थिति और गंभीर हो सकती है। पंजाब में लगभग 34 लाख हेक्टेयर में गेहूं की खेती होती है। इस समय फसल कटाई के लिए पूरी तरह तैयार थी और 1 अप्रैल से खरीद प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी थी, तभी मौसम खराब हो गया। कई जगहों पर 30 से 70 प्रतिशत तक फसल बर्बाद हो गई है। लगातार बारिश के कारण कटाई में लगभग दो हफ्ते की देरी हो रही है। खेतों में नमी बढ़ने से फसल में बीमारी लगने का खतरा है और गुणवत्ता भी खराब हो रही है। जो फसल कट चुकी थी, वह भी बारिश में भीग गई, जिससे उसकी गुणवत्ता और बाजार मूल्य दोनों प्रभावित हुए हैं।

इसके अलावा, गीलीजमीन के कारण हार्वेस्टर मशीनें भी नहीं चल पा रही हैं। किसान ऐसी स्थिति में फंसे हैं कि वे न तो फसल काट पा रहे हैं और न ही उसे बेच पा रहे हैं। सबसे बड़ी चिंता यह है कि पंजाब के किसान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) से नहीं जुड़े हैं, इसलिए उन्हें किसी भी बीमा का लाभ नहीं मिल पा रहा है। ऐसी स्थिति में कुछ महत्वपूर्ण सवाल और मांगें सामने आती हैं। क्या केंद्र सरकार ने इस नुकसान का कोई आकलन किया है यदि नहीं, तो तुरंत सर्वे कराया जाना चाहिए। पंजाब के किसानों को राहत किस तरह मिलेगी, यह भी स्पष्ट किया जाए। क्या केंद्र सरकार राष्ट्रीय आपदा राहत कोष (एनडीआरएफ) से विशेष सहायता देगी, या पूरा बोझ राज्य सरकार पर ही रहेगा इसके साथ ही, एसडीआरएफ के तहत मिलने वाली मुआवजा राशि वर्तमान लागत के हिसाब से बहुत कम है, इसलिए इसे बढ़ाया जाना जरूरी है। खराब मौसम के कारण गेहूं में नमी बढ़ गई है। ऐसे में एफसीआई के खरीद मानकों में ढील दी जानी चाहिए, ताकि किसानों की फसल मंडियों में रिजेक्ट न हो और उन्हें दोहरी मार न झेलनी पड़े।

काशी की पावन धरा पर सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य का हुआ भव्य समापन

एजेंसी

काशी। धर्म, संस्कृति और ज्ञान की अविनाशी नगरी काशी के बीएलडब्ल्यू मैदान में पिछले तीन दिनों से चल रहे सांस्कृतिक महाकुंभ (सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य) का रविवार की शाम गौरवमयी समापन हुआ। महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य के मंचन के अंतिम दिन बाबा विश्वनाथ के हजारों भक्तों, कला रसिकों, कला प्रेमियों और स्थानीय नागरिकों ने भरपूर आनंद लिया। मध्य प्रदेश शासन के संस्कृति विभाग द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार के विशेष सहयोग से आयोजित महानाट्य 'सम्राट विक्रमादित्य' के अंतिम दिन वाराणसी की जनता का उत्साह अपने चरम पर रहा। समापन समारोह में उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए।उत्तर प्रदेश के मंत्री सुरेश कुमार ने कहा कि भारत की माटी में भगवान श्रीराम और युगावतार श्रीकृष्ण के बाद यदि कोई नायक जन-जन के हृदय में लोकमान्य हुआ है, तो वे उज्जैन के अधिपति सम्राट विक्रमादित्य ही थे। उन्होंने कहा कि इतिहास के पन्नों में सम्राट विक्रमादित्य ने दुर्दांत विदेशी आक्रांताओं को भारत की सीमाओं से खदेड़कर निर्णायक विजय प्राप्त की थी, जिसके उपलक्ष्य में गौरवशाली 'विक्रम सम्वत' का प्रवर्तन हुआ। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की सरकारें मिलकर अपनी गौरवशाली विरासत को विकास की मुख्यधारा से जोड़ रही हैं। काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर में स्थापित उज्जैन की 'विक्रमादित्य वैदिक घड़ी' इसी सांस्कृतिक सेतु का जीवंत प्रमाण है।समापन की संध्या पर 'विशाला' संस्था उज्जैन के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत महानाट्य 'सम्राट विक्रमादित्य' ने दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। भव्य त्रि-आयामी मंच पर जब सैकड़ों कलाकारों ने एक साथ सम्राट के पराक्रम और उनके सुशासन को जीवंत किया, तो पूरा मैदान 'जय श्री महाकाल' के जयघोष से गूँज उठा। नाटक के निर्देशक संजीव मालवीय के कुशल निर्देशन में सम्राट की न्यायप्रियता, 'सिंहासन बत्तीसी' के प्रसंग और विदेशी शत्रुओं के दमन के दृश्यों को जिस भव्यता के साथ प्रस्तुत किया गया, उसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पार्श्व संगीत, युद्ध के सजीव दृश्य और प्रभावशाली संवादों ने यह सिद्ध कर दिया कि हमारी गौरवशाली संस्कृति आज भी जन-मानस के हृदय में धड़कती है।

मंचन के साथ-साथ आयोजन स्थल पर मध्य प्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा 'भारतीय ज्ञान परंपरा' पर केंद्रित एक विशेष प्रदर्शनी भी लगाई गई।

आईपीएल में आज होगा मुम्बई और राजस्थान का मुकाबला

गुवाहाटी (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मंगलवार को राजस्थान रॉयल्स का मुकाबला मुंबई इंडियंस से होगा। इस मैच में जहां रॉयल्स जीत का सिलसिला जारी रखने उतरेगी। वहीं मुम्बई का लक्ष्य पिछले मैच में मिली हार से उबरकर जीत की राह पर वापसी करना रहेगा। आंकड़ों पर नजर डालें ता अब तक दोनो के बीच 31 मुकाबले हुए हैं जिसमें से 16 मुम्बई ने जबकि 14 रॉयल्स ने जीते हैं। कप्तान रियान पराग की राजस्थान टीम ने अब तक काफी अच्छा खेला है। टीम के हर खिलाड़ी ने अपनी ओर से योगदान दिया है। यशस्वी जायसवाल ने टीम को अच्छी शुरुआत दी है, वहीं वैभव सूर्यवंशी ने इसे तेजी दी है। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने पावरप्ले के दौरान टीम को काफी गति प्रदान की है। मध्यक्रम में ध्रुव जुरेल ने पारी को संभाला है, जबकि शिमरोन हेटमायर ने दबाव भरे पलों में भी बड़े-बड़े छक्के लगाकर टीम लक्ष्य तक पहुंचाया है। पराग ने स्वयं भी अपनी बल्लेबाजी और कप्तानी दोनों से टीम में अहम योगदान दिया है, जिससे टीम की मुख्य बल्लेबाजी संरचना में स्थिरता बनी रही है। ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा के आने से टीम का संतुलन बेहतर हुआ है।

गेंदबाजी में टीम के पास जोफ्रा आर्चर जैसा तेज गेंदबाज है। वहीं नांद्रे बर्गर ने उनका अच्छा साथ दिया है। बीच के ओवरों में रवि बिश्नोई ने अपनी स्पिन से विरोधियों पर अंकुश लगाया है। वहीं संदीप शर्मा और तुषार देशपांडे ने भी अच्छी गेंदबाजी का प्रदर्शन किया है। वहीं दूसरी ओर दूसरी ओर मुंबई इंडियंस की टीम के नियमित कप्तान हार्दिक पंड्या को इस मैच से वापसी अभी तय नहीं है। ऐसे में कप्तानी सूर्यकुमार यादव के पास ही रहने की संभावना है। मुम्बई की बल्लेबाजी रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव के साथ ही तिलक वर्मा पर आधारित रहेगी।

इसके अलावा रयान रिकेल्टन शेरफेन रदरफोर्ड और मिशेल सैंटनर के अलावा टीम के पास। शार्दुल ठाकुर जैसे ऑलराउंडर हैं। मुंबई की गेंदबाजी जसप्रीत बुमराह और ट्रेंट बोल्ट पर आधारित है। वहीं बीच के ओवरों में स्पिनर मिशेल सैंटनर विरोधी टीम पर अंकुश लगायेंगे। कुल मिलाकर देखा जाये तो मुकाबला रोमांचक होगा।

टीम इस प्रकार है

राजस्थान रॉयल्स : रियान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), शिमरोन हेटमायर, रविंद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नंद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे, संदीप शर्मा, रवि बिश्नोई। इम्पैक्ट प्लेयर-डोनोवन फरेरा।

मुम्बई इंडियंस : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), रयान रिकेल्टन (विकेटकीपर), रोहित शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, नमन धीर, शेरफेन रदरफोर्ड, मिचेल सेंटनर, कॉर्बिन बॉश, दीपक चाहर, जसप्रीत बुमराह। इम्पैक्ट प्लेयर-शार्दुल ठाकुर।

सीएसके की तीसरी हार से निराश ऋतुराज बोले, मुझे बेहतर बल्लेबाजी करनी चाहिये थी

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के लिए आईपीएल के 19 सत्र की शुरुआत अच्छी नहीं रही है और उसे लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा है। सीएसके को अपने तीसरे मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स (आरसीबी) के खिलाफ मुकाबले में हार मिली है। इससे टीम के युवा कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ निराश हैं। ऋतुराज ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए कहा है कि मुझे अच्छी बल्लेबाजी करनी चाहिये थी। साथ ही कहा कि अगर मैंने रन बना दिए होते तो मैच का परिणाम कुछ और होता पर ऐसा हुआ नहीं। इस मैच में आरसीबी से मिले 250 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए सीएसके की टीम 207 रन ही बना पायी।

हार के बाद उन्होंने कहा, 'मैं भी टीम केप्रदर्शन से थोड़ा हैरान था। सरफराज खान, प्रशांत वीर और जेमी ओवरटन ने अच्छा खेल दिखाया। वहीं अगर मैंने शीर्ष क्रम में रन बनाये होते तो हम लक्ष्य हासिल कर सकते थे। इसलिए आरसीबी के खिलाफ मिली हार की जिम्मेदारी मैं अपने ऊपर लेता हूं। इस मैच में हमारी टीम ने जिस प्रकार विराट कोहली का कैच छोड़ा उससे भी हमें नुकसान हुआ। इसके अलावा आरसीबी के टिम डेविड की पारी से भी मैच हमारे हाथ से निकल गया। साथ ही कहा कि हमारी कुछ गलतियों से मैच हमारे हाथ ने फिसल गया।' इस मैच में सीएसके ने टॉस जीतकर आरसीबी को पहले बल्लेबाजी का आमंत्रण दिया था। आरसीबी ने टिम और पडीक्कल के अलावा कप्तान रजत पाटीदार की नाबाद 48 रन और फिल सॉल्ट की 46 रन की पारी से तीन विकेट पर 250 रन बनाये जिसका पीछा करते हुए सीएसके 207 रन ही बना पायी।

संग्राम सिंह अर्जेंटीना में एमएमए खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने

ब्यूनस आयर्स (एजेंसी)। भारत के संग्राम सिंह ने अर्जेंटीना में मिक्स्ड मार्शल आर्ट (एमएमए) खिताब जीत लिया है। संग्राम ये एक अहम उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय हैं। संग्राम ने खिताबी मुकाबले में फ्रांस के फाइटर फ्लोरियन को दो मिनट में ही हरा दिया। इस जीत के साथ ही संग्राम ने एक बार फिर अपने को साबित किया है। संग्राम की एमएमए में यह लगातार तीसरी जीत है। इससे पहले उन्होंने जॉर्जिया के त्बिलिसी और नीदरलैंड्स के एम्स्टर्डम में भी मुकाबले जीते थे। वह कॉमनवेल्थ हेवीवेट चैंपियन भी रहे हैं। वहीं जीत के बाद संग्राम ने कहा, मेरे लिए जीत या हार अधिक महत्वपूर्ण नहीं है। मैं या तो जीतता हूं या सीखता हूं। मैं हमेशा कहता हूं कि जुनून की कोई उम्र नहीं होती। मेरा सपना था कि मैं अर्जेंटीना में जीतने वाला पहला भारतीय बनूं और आज मेरा सपना पूरा हो गया है। संग्राम ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच को दिया है। उन्होंने कहा, मैं अपने कोच का आभार व्यक्त करता हूं, जो पिछले 25 साल से मेरे साथ हैं। उन्होंने मेरी सफलता के लिए दिन-रात मेहनत की। संग्राम के सामने फ्लोरियन काफी कमजोर नजर आये भारतीय रेसलर ने उन्हें पहले किक पकड़कर गिराया और फिर अपने दांव आजमाकर मैच अपने नाम कर लिया। संग्राम ने इससे पहले भी कई देशों में हुए खिताबी मुकाबले जीते हैं और वह इस क्षेत्र में देश का नाम रौशन करते आये हैं।

अगर पडिक्कल इसी तरह बैटिंग करते रहे, तो उन्हें भारतीय टीम से बाहर रखना मुश्किल होगा: पूर्व क्रिकेटर

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मेंटर दिनेश कार्तिक का मानना है कि देवदत्त पडिक्कल को भारतीय टीम से लंबे समय तक बाहर रखना मुश्किल होगा, जिस तरह से वह घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद IPL में बैटिंग कर रहे हैं। रविवार को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ RCB की बड़ी जीत में पडिक्कल ने अहम भूमिका निभाई, उन्होंने 29 गेंदों में ताबड़तोड़ 50 रन बनाए।

चिन्नास्वामी स्टेडियम में पडिक्कल की शांत और संयमित पारी के बारे में पूछे जाने पर RCB के बैटिंग कोच कार्तिक ने शुरुआती मुश्किल दौर में उनके संयम की तारीफ की जिसके बाद उन्होंने खुलकर खेलना शुरू किया। कार्तिक ने कहा, 'सबसे पहली बात जो सामने आती है, वह है उनका पक्का इरादा। इस तरह की पिच पर, जब शुरुआत में रन आसानी से नहीं बनते, तो

कई बैटर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश करते हैं और अपनी विकेट गंवा बैठते हैं। जब हालात मुश्किल थे, तब भी धैर्य बनाए रखने के लिए देवदत्त ने बहुत हिम्मत दिखाई।'

उन्होंने कहा, 'जैसे ही उन्हें पहली बाउंड्री मिली, आप देख सकते थे कि उन्होंने अपनी बैटिंग का गियर बदल दिया। वह सही क्रिकेटिंग शॉट खेल रहे हैं और गेंद को जोरदार तरीके से मार रहे हैं। अगर वह इसी तरह बैटिंग करते रहे, तो उन्हें भारतीय टीम से लंबे समय तक बाहर रखना मुश्किल होगा। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में खूब रन बनाए हैं और हम जानते हैं कि वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं।' कार्तिक ने आगे कहा, 'एक और बात जो काबिले-तारीफ है कि वह यह कि वह कर्नाटक के ड्रेसिंग रूम में एक लीडर के तौर पर उभरकर सामने आ रहे हैं। 25 साल की उम्र में भी, वह अपने आइडिया और लीडरशिप से टीम में योगदान दे रहे हैं, और यह देखना बहुत अच्छा लगता है।' पडिक्कल की पारी में 5 बाउंड्री और दो छक्के शामिल थे, जिससे RCB 250/3 के विशाल स्कोर तक पहुंचने में कामयाब रही इससे पहले टिम डेविड ने 25 गेंदों में 70 रन की तूफानी पारी खेली थी। RCB ने यह मैच 43 रनों से जीता और CSK को लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा।

सरफराज ने पॉवरप्ले में अर्धशतक लगाकर बनाया रिकार्ड

चेन्नई । चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के बल्लेबाज सरफराज खान ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स (आरसीबी) के खिलाफ मुकाबले में नंबर चार पर खेलते हुए पावरप्ले में अर्धशतक लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया है। इस मैच में हालांकि वह अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये। आरसीबी की टीम के 250 रनों के जवाब में सीएसके टीम 19.4 ओवर में 207 रन ही बना पायी। सरफराज के लिए आमतौर पर चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच अच्छी रही। इससे पहले साल 2015 में उन्होंने यहां आरसीबी की ओर से खेलते हुए 45 रन बनाये थे। अब एक दशक बाद इसी मैच में आरसीबी के खिलाफ उन्होंने एक बेहतरीन पारी खेली है। इस मैच में सीएसके के बल्लेबाज लक्ष्य का पीछा करते हुए विफल रहे। शीर्ष तीन बल्लेबाज संजू सैमसन, ऋतुराज गायकवाड़ और आयुष म्हात्रे केवल 17 रन ही बना पाये। सरफराज ने 200 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से अर्धशतक लगाया। सरफराज अपनी अर्धशतकीय पारी के साथ ही आईपीएल में आईपीएल में नंबर 4 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए पहले छह ओवरों के अंदर अर्धशतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने हैं। वहीं आरसीबी के खिलाफ सरफराज का यह दूसरा अर्धशतक था। इससे पहले उन्होंने साल 2019 में पंजाब किंग्स की ओर से एक अर्धशतक लगाया था. वहीं अब छह साल बाद अपना दूसरा अर्धशतक लगाया है।

भविष्य में सीएसके की कप्तानी भी संभाल सकते हैं सैमसन : मनोज तिवारी

कोलकाता। पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि पिछले कुछ समय में उनका बेहतीन प्रदर्शन सामने आया है और ऐसे में वह इस बार चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के लिए बेहद उपयोगी साबित

होंगे। तिवारी के अनुसार सैमसन एक अच्छे बल्लेबाज हैं, विकेटकीपर हैं मौका मिलने पर वह कप्तानी भी कर सकते हैं। उन्होंने आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में लंबे समय तक कप्तानी की है। साथ ही कहा कि आज महेन्द्र सिंह धोनी जिस प्रकार सीएसके में लोकप्रिय हैं। वैसे ही आने वाले समय में सैमसन भी होंगे। वह धोनी के जाने के बाद सीएसको को उनकी कम महसूस नहीं होने लेंगे। मनोज तिवारी ने कहा कि, हर इंसान के जीवन में एक अच्छा समय आता है और यही अब सैमसन के साथ हो रहा है। इस पूर्व क्रिकेटर ने आगे कहा कि जिस तरह से सैमसन ने टी20 विश्व कप 2026 में खेला उसके लिए उनकी सराहना होनी चाहिये। उनको पहले ही पारी की शुरुआत का अवसर मिलना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जब उन्हें मौका मिला तब वो मध्यक्रम में खेले और फिर उन्हें पारी शुरु करने का मौका मिला और फिर जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की उससे सभी प्रभावित हुए हैं।

शुरुआती बल्लेबाजों के विफल होने से हारे : ईशान किशन

हैदराबाद । सनराइजर्स हैदराबाद के कार्यकारी कप्तान ईशान किशन ने आईपीएल में यहां अपने घरेलू मैदान में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मिली हार पर निराशा जतायी है। इस मैच में सनराइजर्स को पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा। ईशान ने कहा है कि शुरुआती बल्लेबाजों के असफल होने से टीम हारी है। टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपने चार विकेट खो दिये थे। इसके बाद नीतीश कुमार रेड्डी 56 रन और हेनरिक क्लासेन के 62 रनों की सहायता से सनराइजर्स की टीम 20 ओवर में केवल 156 रन तक पहुंची थी। ईशान ने कहा कि जो स्कोर उनकी टीम ने बनाया था वह बचाव के लिए पर्याप्त नहीं था। उन्होंने कहा कि इसके बाद भी हर्ष दुबे ने 18 रन देकर दो विकेट लेकर अपनी ओर से पूरा प्रयास किया। इससे टीम ने अंतिम ओवर तक जीत हासिल करने का प्रयास किया। ईशान ने कहा कि यह एक अच्छा मैच था पर बचाव के लिए उनके रन कम पड़ गये। गेंदबाजों ने योजना के अनुसार अच्छी गेंदबाजी की और क्षेत्ररक्षकों ने भी अपनी ओर से पूरा प्रयास किया। साथ ही कहा शुरुआत में 4 विकेट गिरने से दूसरे बल्लेबाजों पर दबाव आ गया पर क्लासेन और नीतीश ने अच्छी बल्लेबाजी कर टीम को 150 से ऊपर पहुंचाया। वहीं सुपरजायंट्स के कप्तान ऋषभ ने अच्छी बल्लेबाजी कर मैच हमारे हाथ से छीन लिया।

आईसीसी महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की घोषणा, भारत के दो खिलाड़ी लिस्ट में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन, बेहतरीन तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज कॉनर एस्टरहुइजन को मार्च 2026 के लिए आईसीसी पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट किया गया है।

सैमसन ने 2026 पुरुष टी20 वर्ल्ड कप की शुरुआत बेंच पर बैठकर की थी, जब उन्हें चेन्नई में जिम्बाब्वे के खिलाफ सुपर एट्स मुकाबले से टीम में शामिल होने का मौका मिला, तो उन्होंने टूर्नामेंट की सबसे शानदार व्यक्तिगत कहानियों में से एक लिख दी। उन्होंने कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ एक जरूरी सुपर 8 मुकाबले में 97 रन की यादगार नाबाद पारी खेली। इसके बाद मुंबई में इंग्लैंड के खिलाफ सेमी-फाइनल में और अहमदाबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में दोनों ही मैचों में उन्होंने 89-89 रन बनाए। उनके इन प्रयासों की बदौलत

भारत अपने घरेलू मैदान पर खिताब बचाने में कामयाब रहा और सैमसन को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का अवॉर्ड मिला।

वहीं बुमराह भारत की हर उस नॉकआउट जीत के केंद्र में रहे, जिसने टीम को खिताब तक पहुंचाया। सेमी फाइनल में जहां इंग्लैंड के खिलाफ ज्यादातर गेंदबाजों ने 9.50 से ज्यादा रन प्रति ओवर दिए, बुमराह ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 31 रन देकर 1 विकेट लिया। उनके 16वें और 18वें ओवर की कसी हुई गेंदबाजी निर्णायक साबित हुई और इंग्लैंड लक्ष्य का पीछा करते हुए 7 रन पीछे रह गया। इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में उन्होंने चार ओवर में सिर्फ 15 रन देकर चार विकेट झटके और अपने घरेलू मैदान पर 'प्लेयर ऑफ द मैच' का अवॉर्ड जीता। कुल मिलाकर बुमराह ने टूर्नामेंट के आखिरी तीन मैचों में 12 की औसत और 7 की इकॉनमी रेट से सात विकेट लिए।

टी20 वर्ल्ड कप खत्म होने के बाद एस्टरहुइजन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैचों में दक्षिण अफ्रीका के लिए 200 रन बनाकर शानदार प्रदर्शन किया। चौथे मैच में उन्होंने अपना पहला टी20आई अर्धशतक बनाया और फिर निर्णायक पांचवें मैच में 33 गेंदों पर नाबाद 75 रन की तूफानी पारी खेलकर दक्षिण अफ्रीका को 3-2 से सीरीज जिताई। उन्होंने 'प्लेयर ऑफ द मैच' के दो पुरस्कार जीते और 551 रेटिंग अंकों के साथ पुरुषों की टी20आई बैटिंग रैंकिंग में 39वें स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने 5 मैचों के बाद किसी भी दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज द्वारा यह चौथा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

अब कमेंट्री नहीं कोचिंग पर ही ध्यान देंगे युवराज

मुम्बई (ईएमएस)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने कहा है अब वह कमेंट्री नहीं करेंगे। इसकी जगह पर कोचिंग और अपने कारोबार पर ध्यान देंगे। युवराज ने बताया कि कमेंट्री खेल पर बात करने का एक अच्छा मंच है पर वह इसलिए इसमें नहीं रहना चाहते हैं क्योंकि कुछ लोगों ने कमेंट्री के दौरान उनके निजी जीवन को लेकर टिप्पणियां की थीं। इसी वजह से वह इससे दूर रहना चाहते हैं। युवराज कहा, अब जब मैं रिटायर हो गया हूं तो मैं यह कहना चाहता हूं कि कुछ लोगों ने मेरे क्रिकेट पर नहीं, बल्कि मुझ पर निजी प्रहार किय। क्रिकेट पर बात करना समझ में आता है, क्योंकि वह खेल का हिस्सा है पर निजी जीवन पर कहना सही नहीं है। युवराज का कहना है कि वह अब कोचिंग के साथ ही अपने कामकाज मे लगे हुए हैं। वह युवा खिलाड़ियों के साथ काम कर रहे हैं और उगे बढ़ाने में सहायता कर रहे हैं। युवराज पंजाब के युवा खिलाड़ियों जैसे अभिषेक शर्मा और प्रभसिमरन सिंह के मेंटर की भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने संजू सैमसन को भी कठिन दौर में टिप्स दिये थे। युवराज ने बताया कि उन्होंने संजू सैमसन को तकनीकी रूप से फुटवर्क सुधारने की सलाह दी थी।

एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप : प्रीति ने ओलंपिक विजेता को हराया, फाइनल में बनाई जगह

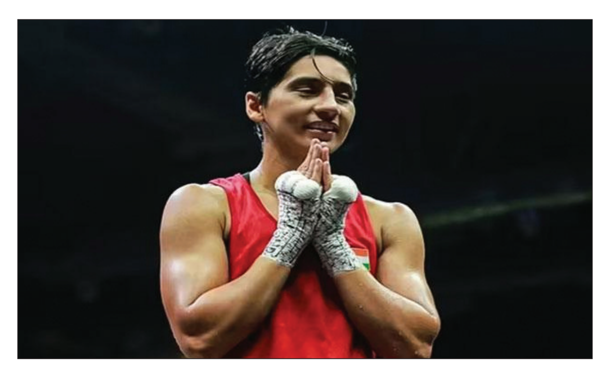

उलानबटोर (मंगोलिया)। उदीयमान भारतीय मुक्केबाज प्रीति पवार ने पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता कोरिया की एजी इम को हराकर एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के फाइनल में प्रवेश कर लिया जबकि निकहत जरीन और लवलीना बोरगोहेन हारकर बाहर हो गई। प्रिया और अरूंधति चौधरी ने भी अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीते। विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता पूजा रानी और अंकुशिता बोरो को सेमीफाइनल में हारने के बाद कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता प्रीति ने तीन दौर के मुकाबले में इम को 5-0 से हराया। अब फाइनल में उनका सामना तीन बार की विश्व चैम्पियन (2019, 2023, 2025) और तोक्यो ओलंपिक 2020 की कांस्य पदक विजेता चीनी ताइपै की हुआंग सियाओ वेन से होगा। महिलाओं के 60 किलोवर्ग में प्रिया ने स्थानीय मुक्केबाज नामून मोंखोर को 5-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। अब उनका सामना उत्तर कोरिया की उन जियोंग वोन से होगा। अरूंधति ने उजबेकिस्तान की ओइशा तोइरोवा को 70 किलोवर्ग के सेमीफाइनल में 4.1 से हराया। अब उनका सामना कजाखस्तान की बेकित सेइदिश से होगा। दो बार की विश्व चैम्पियन निकहत को ओलंपिक पदक विजेता चीन की वू यू ने 51 किलोवर्ग के सेमीफाइनल में 5-0 से मात दी। निकहत की इस मुक्केबाज के खिलाफ यह दूसरी हार है। तोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना को 75 किलोवर्ग में विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता उजबेकिस्तान की अजीजा जोकिरोवा ने 5-0 से मात दी। पहले दौर में बाय मिलने के बाद यह टूर्नामेंट में लवलीना का पहला मुकाबला था। अंकुशिता को चीनी ताइपै की नियेन चिन चेन ने 3-0 से हराया। महिलाओं के 80 किलो वर्ग में पूजा सेमीफाइनल में कजाखस्तान की एन रियाबेत्स से हार गई।

इंग्लैंड फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन अभी कुछ समय मैदान से दूर रहेंगे

लंदन। इंग्लैंड फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन चोटिल हो गये हैं और ऐसे में आने वाले टूर्नामेंटों में उनका खेलना संदिग्ध नजर आता है। केन को अभ्यास सत्र के दौरान यह चोट लगी थी। इसी कारण उन्हें कुछ समय के लिए मैदान से दूर रहना पड़ सकता है क्योंकि प्रबंधन उनकी वापसी को लेकर कोई खतरा नहीं उठाना चाहता है। एक रिपोर्ट के अनुसार केन के टखने में चोट लगी है, जिसकी वजह से वह अहम वाले मुकाबलों से बाहर रहेंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार केन को यह चोट अभ्यास सत्र के दौरान लगी थी। इसी कारण वह एक मैत्री मैच में भी नहीं खेल सके। इसके अलावा एक अन्य मुकाबले में आराम दिया गया था, जिससे उनकी फिटनेस को लेकर पहले ही प्रशंसकों को आशंका हो गयी थी। वहीं उनक क्लब के मुख्य कोच ने कहा है कि वह अगले घरेलू लीग मुकाबले में नहीं रहेंगे। हालांकि, उन्होंने उम्मीद जताई है कि हेरी शीघ्र ही वापसी करेंगे। वह अंतरराष्ट्रीय क्लब टूर्नामेंट में खेल सकते हैं। यह मुकाबला काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है और इसमें उनकी भूमिका निर्णायक हो सकती है। केन का इस सीजन का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उन्होंने क्लब और राष्ट्रीय टीम की ओर से काफी गोल किये हैं। ऐसे में उनके बार रहने से टीम को नुकसान पहुंचेगा। आने वाले माह में विश्व स्तर का बड़ा टूर्नामेंट भी होना है, ऐसे में टीम प्रबंधन चाहत ही हैरी को पर्याप्त आराम दे दिया जाये जिससे कि वह तय समय तक फिट हो जायें।

धोनी फिटनेस टेस्ट में पास हुए तो दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में उतरेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। आईपीएल के इस 19 वें सत्र में अपने शुरुआती तीनो ही मैचों में हार के कारण मुश्किलों में फंसी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए राहत की खबर है। टीम को पांच बार खिताब जिताने वाले महेन्द्र सिंह धोनी की अगले मैच में वापसी हो सकती है बशर्ते वह फिटनेस टेस्ट में पास हो जाएं। धोनी काफ इंजरी (पिंडली की चोट) के कारण अब तक इस लीग में नहीं खेल पाये हैं हालांकि उन्होंने अभ्यास शुरु कर दिया है पर उन्हें खेलने की अनुमति फिटनेस टेस्ट में पास होने पर ही मिलेगी। अगर सब कुछ ठीक ठाक रहा तो वह 11 अप्रैल को चेन्नई में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले मैच से वापसी करेंगे। अगर ऐसा होता है तो सीएसके का मनोबला बढ़ जाएगा। धोनी के नहीं होने पर सीएसके को काफी परेशानियों से गुजरना पड़ रहा है। उनके रहने से टीम को मार्गदर्शन मिलता रहता है। इस बार आईपीएल 2026 अंकतालिक में टीम का खाता भी नहीं खुला है और वह सबसे नीचे 10वें स्थान पर है। सीएसके के लिए इस मैच से युवा डेवाल्ड ब्रेविस भी वापसी कर सकते हैं क्योंकि अब वह भी अपनी चोट से उबर गये हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपने अगले मुकाबले में अगर धोनी और ब्रेविस खेलते हैं तो इससे सीएसके को काफी लाभ होगा। अगले कुछ दिनों में धोनी का फिटनेस टेस्ट होने की संभावना है और अगर वह इसमें पास हो गए तो चेपॉक में दिल्ली के खिलाफ मैदान पर उतरेंगे। आईपीएल में सीएसके धोनी पर कितना निर्भर है इसका अंदाजा आंकड़ों से होता है। अब तक धोनी ने केवल 8 मुकाबले नहीं खेल हैं। 3 मुकाबले 2010 में, 2 मुकाबले 2019 में और 3 मुकाबले अब तक 2026 में उन्होंने नहीं खेले हैं। हैरानी की बात ये है कि जिन 8 मैचों में एमएस धोनी प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं रहे हैं, उनमें से केवल एक ही मैच में सीएसके जीती है। वहीं बचे हुए 7 मैचों में टीम को हार का सामना करना पड़ा है।

अनीत पड्डा की 'शक्ति शालिनी' में हुई विनीत कुमार की एंट्री

मैडॉक का हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स बॉलीवुड के सबसे पसंदीदा फ्रेंचाइजी में से एक है। इस फ्रेंचाइजी की अधिकतर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर हिट हैं। पिछले साल इस यूनिवर्स की 'थामा' रिलीज हुई थी, जिसको फैंस ने पसंद किया था। अब फैंस इस यूनिवर्स की अगली फिल्म 'शक्ति शालिनी' का इंतजार कर रहे हैं। अनीत पड्डा की प्रमुख भूमिका वाली इस फिल्म में एक और दिग्गज एक्टर की एंट्री हुई है। इसके बाद इस फिल्म को लेकर लोगों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है।

अनीत पड्डा के प्रमुख भूमिका वाली 'शक्ति शालिनी' अपनी घोषणा के बाद से ही फैंस के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। अब फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आ रही है। वैरायटी इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की इस आगामी फिल्म में अभिनेता विनीत कुमार सिंह की एंट्री हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, विनीत कुमार सिंह फिल्म में निगेटिव रोल में नजर आएंगे। वहीं रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया है कि विनीत ने फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है, जिसका निर्माण पिछले साल शुरू हुआ था।

हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की छठी फिल्म है 'शक्ति शालिनी'

आदित्य सरपोतदार द्वारा निर्देशित 'शक्ति शालिनी' मैडॉक हॉरर यूनिवर्स की छठी फिल्म है। इससे पहले इस यूनिवर्स की 'स्त्री', 'भेड़िया', 'मुंज्या', 'स्त्री 2' और 'थामा' जैसी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल रही हैं। इस प्रोजेक्ट में विशाल जेठवा और अनीत पड्डा 'सलाम वेंकी' के बाद एक बार फिर साथ नजर आएंगे। हालांकि, फिल्म की कहानी के बारे में अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा 'थामा' के क्लाइमेक्स के दौरान की गई थी।

सलमान खान के साथ नयनतारा की बनी जोड़ी!

बॉलीवुड के मेगास्टार सलमान खान की नई फिल्म लेकर एक नया अपडेट है। खबर है कि साउथ के 'ब्लॉकबस्टर डायरेक्टर' वामशी पेडिपल्ली की इस फिल्म में नयनतारा को कास्ट किया गया है। साउथ सिनेमा की 'लेडी सुपरस्टार' कही जाने वाली नयनतारा इससे पहले शाहरुख खान की 'जवान' के साथ बॉलीवुड डेब्यू कर चुकी हैं। चर्चा ये भी है कि सलमान खान और मेकर्स ने इसकी रिलीज के लिए अगले साल ईद 2027 की तारीख पक्की कर ली है।

सलमान खान ने सोशल मीडिया पर अपनी इस नई फिल्म का ऐलान किया था। जबकि अब मंगलवार को ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने खबर दी है कि नयनतारा को सलमान खान के अपोजिट लीड रोल में कास्ट कर लिया गया है। अभी फिल्म की बाकी कास्ट का ऐलान होना भी बाकी है। इससे पहले सलमान खान और प्रोडक्शन हाउस 'श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स' ने सोशल मीडिया पर इस नए प्रोजेक्ट का ऐलान किया। सलमान खान ने जहां वामशी पेडिपल्ली के साथ फोटो शेयर करते हुए अपने खास अंदाज में लिखा, 'दिल, दिमाग, जिगर से अप्रैल से वामशी पेडिपल्ली और दिल राजू के साथ।' वहीं दूसरी ओर, प्रोडक्शन हाउस ने भी इस घोषणा की पुष्टि करते हुए सलमान को 'एक ऐसी हस्ती बताया, जिन्होंने दुनियाभर के दर्शकों को खुशी के अनगिनत पल दिए हैं। अब वे इस प्रोजेक्ट के लिए 'ब्लॉकबस्टर फिल्ममेकर' वामशी पैडिपल्ली के साथ हाथ मिला रहे हैं।

बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर होगी फिल्म

नेशनल अवॉर्ड जीत चुके डायरेक्टर वामशी पेडिपल्ली को साउथ सिनेमा का 'ब्लॉकबस्टर डायरेक्टर' कहा जाता है। यह पहली बार है, जब वह बॉलीवुड के लिए फिल्म बना रहे हैं। बताया जाता है कि फिल्म एक बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसे भव्य पैमाने पर बनाया जा रहा है। इसमें हिंदी और दक्षिण भारतीय, दोनों फिल्म इंडस्ट्री के बड़े कलाकारों को शामिल किया जाएगा। मेकर्स ने बयान जारी करते हुए कहा है, 'यह फिल्म सलमान खान को पर्दे पर एक ऐसे अवतार में पेश करेगी, जैसा उनके फैंस ने इससे पहले कभी नहीं देखा होगा। फिल्म की शूटिंग पूरे भारत में अलग-अलग लोकेशन पर होगी और इसकी शुरुआत 14 अप्रैल से मुंबई में बने एक भव्य सेट से होगी।'

सलमान की 'मातृभूमि' होगी पोस्टपोन

इस बीच सलमान खान की गलवान युद्ध पर बनी 'मातृभूमि' पोस्टपोन होने की भी चर्चा है। फिलहाल, इसकी रिलीज डेट 17 अप्रैल 2026 है, लेकिन अब खबर है कि यह स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 14 अगस्त या आसपास रिलीज होगी। फिल्म की शूटिंग अभी बची हुई है। 'इंडियन आइडल' फेम सिंगर-एक्टर प्रशांत तमांग की मौत के कारण इस वॉर-ड्रामा के कई सीन्स को फिर से शूट किया जा रहा है। बीते दिनों सलीम खान के अस्पताल में भर्ती होने की वजह से इसका आखिरी शेड्यूल प्रभावित हुआ है। वैसे भी अब, 17 अप्रैल को अक्षय कुमार की 'भूत बंगला' रिलीज होगी। इससे भी साफ है कि अक्षय ने यह फैसला अपने दोस्त सलामन से बातचीत के बाद ही लिया होगा।

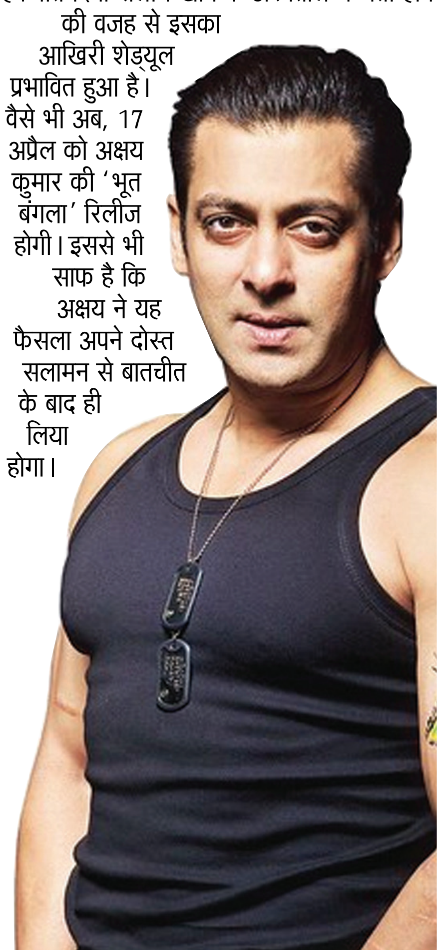

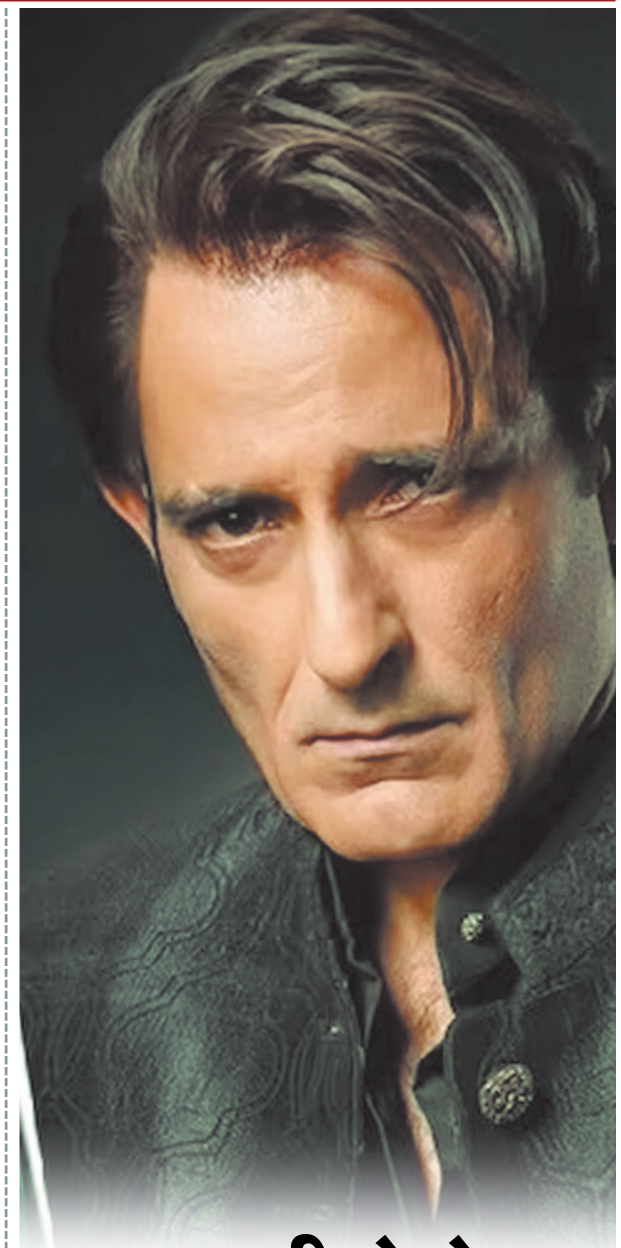

महाकाली से तेलुगु डेब्यू करेंगे अक्षय खन्ना

निभाएंगे शुक्राचार्य का रोल

अक्षय खन्ना इन दिनों काफी चर्चा में हैं। उनकी फिल्म 'धुरंधर' में रहमान दकैत का किरदार लोगों को बहुत पसंद आया है। अब उनकी अगली फिल्म 'महाकाली' को लेकर भी फैंस में काफी उत्साह है।

'धुरंधर' में रहमान डकैत के किरदार से अक्षय खन्ना ने सभी का दिल जीत लिया। 'धुरंधर' के बाद अब वह साउथ फिल्म 'महाकाली' में नजर आएंगे । अक्षय खन्ना के जन्मदिन के मौके पर फिल्म निर्माता प्रशांत वर्मा ने 'महाकाली' फिल्म के सेट से एक खास तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर में अक्षय खन्ना शुक्राचार्य के रूप में नजर आ रहे हैं। प्रशांत वर्मा ने अक्षय को जन्मदिन की बधाई देते हुए लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो अक्षय खन्ना सर। आप एक सच्चे अभिनेता हैं। आपने साबित कर दिया कि असली प्रतिभा को शोर-शराबे की जरूरत नहीं होती। आपकी सहज उपस्थिति और दमदार अभिनय हमेशा अलग दिखता है। आपके साथ काम करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। जल्द ही हम दर्शकों को बताएंगे कि हमने साथ मिलकर क्या बनाया है।'

कब रिलीज होगी 'महाकाली'

अक्षय खन्ना फिल्म 'महाकाली' में हिंदू पौराणिक कथा के प्रसिद्ध असुर गुरु

शुक्राचार्य का किरदार निभा रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन पूजा कोल्लुरु कर रही हैं। यह फिल्म प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स का हिस्सा है, जिसमें पहले 2024 में 'हनुमान' फिल्म आई थी। आगे 'जय हनुमान' और 'अधिरा' जैसी फिल्में भी आने वाली हैं। यह अक्षय खन्ना की तेलुगु सिनेमा में पहली फिल्म है। फिल्म में मुख्य भूमिका (महिला सुपरहीरो) भूमि शेट्टी निभा रही हैं। 'महाकाली' 15 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'इक्का' में नजर आएंगे अक्षय खन्ना

अक्षय खन्ना सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा की फिल्म 'इक्का' में भी नजर आने वाले हैं। इसमें अक्षय मुख्य खलनायक की भूमिका करेंगे। फिल्म में सनी देओल, दीया मिर्जा, तिलोत्तमा सोम और संजीदा शेख भी हैं। यह फिल्म सीधे नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

क्या वामिका गब्बी का टूट गया दिल? एक्ट्रेस ने की क्रिप्टिक पोस्ट

शनिवार को वामिका गब्बी ने अपने इंस्टग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। साथ ही एक क्रिप्टिक मैसेज भी साथ में शेयर किया है। अपनी तस्वीरों के साथ वामिका ने कैप्शन में रेड हार्ट और बैंडेज का इमोजी शेयर किया है। इस क्रिप्टिक पोस्ट को जब डिकोड किया जाता है तो पता चलता है कि ऐसे इमोजी हार्टब्रेक के लिए शेयर किए जाते हैं। तो क्या रियल लाइफ में वामिका गब्बी हार्टब्रेक से गुजर रही हैं। इस पोस्ट से तो यही अंदाजा लगाया जा सकता है। वामिका गब्बी की लव लाइफ की बात करें तो यह पूरी तरह से सीक्रेट है। उनका नाम अब तक किसी एक्टर के साथ भी नहीं जोड़ा गया है। वामिका इन दिनों अपने करियर पर पूरी तरह से फोकस कर रही हैं। 10 अप्रैल को वामिका गब्बी की फिल्म भूत बंगला रिलीज होगी। इसमें वह अक्षय कुमार के अपोजिट नजर आएंगी।

सत्य घटना पर आधारित होगा अजय का यह आगामी प्रोजेक्ट

अजय देवगन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'दृश्यम 3' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इसी बीच आज अजय ने अपने नए प्रोजेक्ट का एलान सोशल मीडिया पर किया है। अजय का यह आगामी प्रोजेक्ट सत्य घटना पर आधारित होगा। जिसकी रिलीज डेट से भी अजय ने पर्दा उठा दिया है। अजय ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की है। इस पोस्ट में अजय ने हाथ में एक फ्लॉपी डिस्क पकड़ रखी है, जिस पर लिखा है - 'हैप्पी बर्थडे जोशी।' इस प्रोजेक्ट का निर्माण अजय देवगन और दानिश देवगन मिलकर करेंगे। इसका निर्देशन अंशुल कुमार शर्मा करेंगे। हालांकि, यह जानकारी नहीं दी है कि यह एक फिल्म है या सीरीज। अजय ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने अगले प्रोजेक्ट की जानकारी देते हुए लिखा, 'हर किसी की एक सीमा होती है, उसकी तो पूरी दुनिया में फैल गई।' अजय ने यह भी बताया कि उनका अगला प्रोजेक्ट सच्ची घटनाओं से प्रेरित होगा। अजय के इस पोस्ट पर विंदू दारा सिंह ने लाल इमोजी बनाया है।

समझ और सम्मान ही हर रिश्ते की असली नींव है

शिल्पा शिंदे की बेबाकी हम 'बिग बॉस' में देख चुके हैं। उनके लिए निर्णय लेना सिर्फ अधिकार नहीं, अपनी जगह, पहचान और गरिमा बनाने की प्रक्रिया है। वह मानती हैं कि हर 'न' लड़ाई नहीं होती और हर 'हां' झुकना नहीं। रिश्तों, काम और व्यक्तिगत स्पेस के बीच उन्होंने बार-बार साबित किया है कि असली ताकत टकराव में नहीं बल्कि सही समय पर सही बात कहने की ईमानदार हिम्मत में है। शिल्पा बताती हैं कि समझ और सम्मान ही हर रिश्ते की असली नींव है।

अपने मुद्दों को सही से भी रखें

शिल्पा शिंदे ने कहा, 'मुझे लगता है कि डिसीजन मेकिंग स्पेस में अपनी खुद की जगह होना बहुत जरूरी है। अब भी बहुत सारे ऐसे घर हैं, जहां लोग बहुत पढ़े-लिखे हैं लेकिन फैसले लेने में महिलाओं को वह स्पेस नहीं दे पाते हैं। तुम चुप रहो, तुम्हें नहीं पता, या यह तुम्हारा काम नहीं है, बहुत सारी महिलाएं ये सब बर्दाश्त करती हैं। मैं यह नहीं कहूंगी कि हर बात पर बगावत करो लेकिन अपने मुद्दे को अच्छे तरीके से भी रखा जा सकता है। दरअसल, बहुत सी महिलाएं फिर बिल्कुल गलत तरीके से बगावत पर उतर आती हैं कि मेरा तो इस घर में जमता नहीं है, मेरा तो इस घर में कुछ हो ही नहीं सकता या मेरी तो कोई सुनता नहीं है। आप अपने मुद्दे को बहुत प्यार से भी रख सकते हो, थोड़ा अलग तरीके से भी रख सकते हो तो यह कोशिश करनी बहुत जरूरी है।'

स्ट्रॉन्ग होने का मतलब टकराव नहीं

रिश्तों और समाज की ज्यादातर उलझनें लोगों की सोच और व्यवहार के फर्क से पैदा होती हैं। आज कहा जाता है कि महिलाएं बहुत स्ट्रॉन्ग हो गई हैं इसलिए शादियां नहीं चल रहीं, जबकि स्ट्रॉन्ग होने का मतलब टकराव करना नहीं बल्कि जिम्मेदारियों और फैसलों को समझदारी से निभाना है। समाज चाहे जितना आगे बढ़ जाए, मां बनने के बाद महिला की जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं और वहीं पति-पत्नी दोनों को मिलकर चलने की जरूरत होती है। यह साझेदारी जब नहीं बन पाती तो रिश्ते में असंतुलन आ जाता है। अंत में किसी भी रिश्ते का सार यही है संतुलन, समझ और समय पर शांत रहना।

रिश्तों में क्लैरिटी होना बहुत ज़रूरी

देखिए, मेरी नजर में महिलाओं की जिंदगी काफी बदल चुकी है। उन्होंने हर जगह, खासकर डिसीजन मेकिंग में अपने आप को प्रूव किया है। हालांकि, समस्या यह है कि हमारा समाज अब भी कुछ पुरानी धारणाओं पर अटका हुआ है। जैसे हम मेल ईगो बोलते हैं, लेकिन फीमेल ईगो शब्द सुनाई नहीं देता। यानी मान लिया गया है कि ईगो हमेशा पुरुष का ही होता है। अब यहां समझदारी की जरूरत है। अगर एक महिला समझ ले कि सामने वाले में मेल ईगो है तो उसे यह भी समझना होगा कि उसे उस स्थिति में कैसे रिएक्ट करना है। रिश्तों में क्लैरिटी बहुत जरूरी है। जब आप किसी से प्यार करते हैं या किसी परिवार का हिस्सा बनते हैं तो पहले से यह जानना जरूरी है कि सामने वाला कैसा है और कौन-सी बात उसे कहां तक स्वीकार है। हम सबके पास चॉइस हैं। अगर सामने वाला आपको नहीं समझ रहा तो आप समझिए, बातचीत कीजिए और चीजों को बेहतर करने की कोशिश कीजिए।

सामने वाले को समझिए

शिल्पा ने कहा, मेरी जिंदगी एक ऐसे लेवल पर पहुंच गई थी, जहां मुझे उसी वक्त उसी तरीके से फैसला लेना पड़ा। मैंने शो छोड़ा या कहें कि मैं शो से आउट थी लेकिन उस पल जो निर्णय था, वह बिल्कुल साफ था। मुझे पता है कि मैं सिर्फ इसी एक चीज के लिए पैदा नहीं हुई हूं इसलिए मैंने उस वक्त वो रास्ता नहीं चुना। आज जब मैं वापस हूं और पहले से ज्यादा सम्मान मिल रहा है तो इसका सबसे बड़ा कारण वही है, आप सामने वाले को समझिए कि उसे क्या चाहिए। मैं उस वक्त भी प्रोड्यूसर का पॉइंट समझ रही थी लेकिन बीच में किसी तीसरे ने आग लगाई थी। उन्होंने मेरे साथ चीजें डिस्कस ही नहीं कीं। अब हालात अलग हैं। आज मुझे पता है कि उन्हें कैसे संभालना है। उन्हें भी पता है कि मुझे कैसे ट्रीट करना है।

गलत नहीं हैं तो झुकना नहीं चाहिए

मुझे नहीं लगता कि मैंने कोई गलती की थी। हां, कुछ लोग बहुत डिप्लोमैटिक होते हैं लेकिन मैं जिस चीज को कर सकती हूं, उसे मैं गलती नहीं मानती। परिस्थितियां जैसी बनीं, वहीं रहकर उन्हें समझना जरूरी था। इसका मतलब यह नहीं कि आप झुककर रहें। अगर आप गलत नहीं हैं तो आपको झुकना नहीं चाहिए। गलत चीज को इतना बड़ा भी न बनाइए कि हर समय 'मेरे साथ गलत हुआ' ही लगता रहे। आप जब सच में गलत नहीं हैं, तब डरने की कोई वजह नहीं होती। मैं आज भी यहां इसलिए हूं क्योंकि मैंने कुछ गलत नहीं किया था।

कितना सही है नाश्ते में दही लेना

नाश्ते में हम सभी कुछ ऐसा खाना पसंद करते हैं, जो खाने में टेस्टी हो और हमारे शरीर को पूरा दिन काम करने की एनर्जी देता रहे। ऐसे में ज्यादातर लोग किसी ना किसी रूप में नाश्ते में दही खाना पसंद करते हैं। लेकिन क्या नाश्ते में दही लेना एक स्वस्थ विकल्प है?

पाचक होती है लेकिन नींद दिलाती है

- यदि आपके दिन शुरुआत ही दही के साथ हो रही है तो यह आपको एनर्जी देने के स्थान पर नींद दिला सकती है और शरीर में सुस्ती बढ़ा सकती है। इसलिए दही कभी भी आपके फर्स्ट फूड का भाग नहीं होना चाहिए। हालांकि दही नाश्ते का एक शानदार हिस्सा है। यदि आप इसे खाते समय कुछ खास बातों का ध्यान रखते हैं तब.

समझे विरोधी बातों का अर्थ

- एक तरफ तो हम कह रहे हैं कि दही नाश्ते में खाना अच्छा है। वहीं दूसरी तरफ यह भी कह रहे हैं कि इसे खाने से सुस्ती बढ़ सकती है। दरअसल, ये दोनों ही बातें सही हैं। दही खाने पर आपको एनर्जी मिलेगी या सुस्ती आएगी, यह इस बात पर निर्भर करता है कि दही खाने का आपका तरीका क्या है।

इस तरह खाएं और इस तरह ना खाएं दही

- आप नाश्ते में चपाती, पराठा, चिल्ला आदि के साथ दही खा सकते हैं। एक कटोरी दही का सेवन नाश्ते में करना शरीर के लाभकारी होता है और पाचनतंत्र को सही करता है। साथ ही शरीर को दिनभर के लिए ऊर्जा देने में लाभकारी होता है।
- लेकिन नाश्ते में दही का सेवन तभी करना चाहिए जब आप सुबह के समय नाश्ते से पहले कुछ खा या पी चुके हों। जैसे, सुबह की शुरुआत आपने पानी के साथ की हो और फिर चाय-टोस्ट, स्प्राउट्स या ड्राईफ्रूट्स आदि खाए हों। इसके एक घंटे बाद यदि आप नाश्ते में दही का सेवन करते हैं तो आपको नींद नहीं आएगी। आपको गैस बनने की समस्या है तो इन 5 सब्जियों से बचना चाहिए

खाली पेट नहीं खानी चाहिए दही

- सुबह के समय आप नाश्ते में केवल मीठी दही का उपयोग कर सकते हैं। खट्टी दही खाने से परहेज करें। साथ ही नाश्ते में दही खाते समय आप इसमें एक चम्मच शक्कर मिला सकते हैं। यदि आपको शुगर की समस्या नहीं है तब।
- दिन की शुरुआत यदि किसी भी कारण देरी से हुई हो और आपके पास नाश्ता करने का समय ना हो तो भूलकर भी खाली दही ना खाएं। यदि आप खाली पेट दही खाते हैं तो आपको जबदस्त नींद आएगी और आप खुद को बहुत थका हुआ अनुभव करेंगे।
- ऐसा इसलिए होता है क्योंकि खाली पेट दही खाने से कुछ लोगों को ब्लड प्रेशर कम होने की समस्या हो जाती है। इससे शरीर में ब्लड का फ्लो कम होता है और ऑक्सीजन का स्तर घटने लगता है। यही कारण है कि बहुत तेज नींद आती है और बेहोशी जैसा अनुभव होता है।

आप चाहे मानसिक काम अधिक करते हैं या शारीरिक काम। यदि आपको काम करते समय बहुत जल्दी थकान होने लगती है तो इसका एक अर्थ यह होता है कि आपके शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या है। जी हां, केवल पोषण की कमी के कारण ही नहीं बल्कि शरीर में पानी की कमी के कारण भी जल्दी थकान होती है। जो लोग नियमित रूप से जरूरी पानी नहीं पीते हैं, उन्हें काम करते समय अधिक थकान होना और अन्य लोगों की तुलना में जल्दी थकान होने जैसी समस्याएं होती हैं। जानें, जल्दी थकान होने के अन्य कारण और उनके निवारण के तरीके

लगातार बनी रहती है थकान तो ऐसे रखें अपना ध्यान

जल्दी थकने की वजह

- आमतौर पर जो लोग बहुत जल्दी थकान होने की समस्या से पीड़ित होते हैं, उनके शरीर में कुछ खास तत्वों की कमी देखने को मिलती है.
- पानी की कमी
- खून की कमी
- विटमिन-बी12 की कमी
- फोलेट या फॉलिक एसिड की कमी देखने को मिलती है।

जल्दी थकान से बचने के तरीकों में ना केवल अपने खान-पान पर ध्यान देना है बल्कि यह भी ध्यान देना है कि जिस डायट का सेवन आप कर रहे हैं और जिन ड्रिक्स को आप ले रहे हैं, क्या वे आपके शरीर की जरूरतों को पूरा कर रही हैं। यहां जानें कैसे रखा जाएगा इस बात का ध्यान.

तरल पदार्थों का सेवन

- जल्दी-जल्दी होने वाली थकान की समस्या से बचने के लिए जरूरी है कि आप तरल पदार्थों का सेवन बढ़ा दें। इनमें जूस, सूप, छांछ, दाल इत्यादि शामिल हैं। इसके साथ ही समय-समय सादा पानी पीते रहें। वयस्कों को हर दिन कम से कम 8 गिलास पानी पीना चाहिए।

तनाव को नियंत्रित करना सीखें

- जल्दी थकने की एक बड़ी वजह लगातार बना रहनेवाला तनाव भी होता है। तनाव का कारण चाहे जो भी लेकिन यह व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से जल्द थका देता है। इसलिए तनाव से बचने के लिए हर दिन कुछ समय के लिए मेडिटेशन यानी ध्यान जरूर करें। यह आपको मानसिक रूप से फिट रखने का काम करेगा।

फलियों का सेवन करें

- हरी फलियां कई तरह की वरायटी में आती हैं। खास बात यह है कि मौसम की प्रकृति और उस दौरान शरीर की जरूरत के अनुसार हर सीजन में आनेवाली फलियां पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं।
- हरी फलियां फाइबर युक्त होती हैं और इनका पाचन धीमी गति से होता है। इसलिए ये शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा देने का काम करती हैं, जिससे शरीर पर थकान कम हावी होती है।

ड्राईफ्रूट्स

- ऐसा नहीं है कि ड्राईफ्रूट्स का सेवन केवल सर्दियों में ही करना चाहिए। बल्कि सीमित मात्रा में और दूध के साथ ड्राईफ्रूट्स का सेवन गर्मियों में भी हर दिन किया जा सकता है।
- क्योंकि ड्राईफ्रूट्स केवल हमारे शरीर को गर्माहट देने का ही काम नहीं करते हैं बल्कि पोषण देने का काम भी करते हैं। शरीर की कमजोरी को दूर करने में मीट भी अच्छी भूमिका निभाता है। लेकिन कोरोना संक्रमण के दौर में हम आपको मीट खाने की सलाह नहीं देना चाहते हैं। इस समय में आप थकान से बचने के लिए ड्राईफ्रूट्स यानी सूखे मेवों का सेवन कर सकते हैं।

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण और कारण

शरीर में ऑक्सीजन की कमी हो जाना कई रोगों का कारण बनता है। ऑक्सीजन का स्तर कम होने पर सबसे जल्दी और सबसे बुरा असर हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है। इस स्थिति में कोई भी वायरस और बैक्टीरिया हमारे शरीर पर हावी हो सकता है। शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण और कारण क्या होते हैं.

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण

- शरीर में ऑक्सीजन की कमी होने से अर्थ है कि शरीर को अपनी नियमित क्रियाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए जितनी मात्रा में ऑक्सीजन चाहिए, उतनी मात्रा में ऑक्सीजन ना मिल पाना।
- जब शरीर में ऑक्सीजन की कमी होती है तो सबसे पहले व्यक्ति को थकान महसूस होती है, सांस लेने में दिक्कत होने लगती या सांस फूलने लगता है। इसके बाद शरीर में रक्त के प्रवाह की गति धीमी हो जाती है। इससे थकान और घबराहट बढ़ जाती है।

हो सकती हैं ये बीमारियां

- यदि शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बहुत कम हो जाए तो ब्रेन डैमेज और हार्ट अटैक तक की स्थिति बन जाती है। शुगर के रोगियों में यदि ऑक्सीजन की कमी हो जाए तो उनकी शुगर अचानक बहुत अधिक बढ़ सकती है, जो कि एक जानलेवा स्थिति भी बन सकती है।
- ऑक्सीजन का स्तर अचानक से बहुत अधिक घट जाने पर शरीर में थायरॉइड हॉर्मोन का संतुलन गड़बड़ा जाता है। इस स्थिति में थायरॉइड का स्तर या तो बहुत अधिक बढ़ सकता है या बहुत अधिक घट सकता है।

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के कारण

- शरीर में ऑक्सीजन की कमी के कई कारण होते हैं, जो व्यक्ति की लाइफस्टाइल पर निर्भर करते हैं। जो लोग बहुत अधिक आलस से भरपूर जीवनशैली जीते हैं यानी फिजिकल ऐक्टिविटी नहीं करते हैं, उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो जाती है।
- जो लोग बहुत अधिक शारीरिक श्रम करते हैं लेकिन उसके हिसाब से डायट नहीं लेते हैं, उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो सकती है।
- जिन लोगों के भोजन में आयरन की मात्रा कम होती है अगर वे लंबे समय तक इसी तरह का भोजन लेते रहें तो उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो सकती है। क्योंकि फेफड़ों सहित पूरे शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह करने में आयरन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

चैन की नींद सोना है तो जरूर करें यह काम

अगर आप चाहते हैं कि रात में आपको सुकून की नींद आए, पैरों में कुलन और बेचैनी के कारण आपकी नींद में किसी तरह की बाधा ना आए तो आपको सोने से पहले एक खास काम करना होगा। यह काम आपके शरीर को राहत देने के साथ ही दिमाग को भी शांति देगा। आइए, जानते हैं कि आखिर क्या और कैसे करना है.

आपको क्या करना है?

- बिस्तर पर जाने से पहले आपको अपने पैर साफ पानी से धुलकर कॉटन के कपड़े से पोछकर साफ करने हैं। इसके बाद सरसों के तेल से अपने पैरों की मालिश करें। यह मालिश 2 से 3 मिनट की भी हो तो काफी है। यहां जानें इस तरह हर दिन मालिश करने से आपको किस तरह के लाभ होंगे.

पैर के तलुए में होते हैं सभी एक्युप्रेशर पॉइंट्स

- हमारे पैर के तलुओं में पूरे शरीर के एक्यूप्रेशर पॉइंट्स होते हैं। पैर के तलुओं पर मसाज करने से इन पॉइंट्स पर दबाव पड़ता है, जिससे शरीर का तनाव कम होता है और मानसिक शांति बढ़ती है। इसलिए आप अच्छी नींद आती है।

ताउम्र रहेंगे युवा

- अगर आप हर दिन सोने से पहले अपने पैर के तलुओं पर सरसों के तेल से मालिश करेंगे तो आप ताउम्र युवा बने रहेंगे। यहां युवा बने रहने से हमारा आशय है कि आपके दांत, आपकी दृष्टि और आपके शरीर के जोड़ों में किसी तरह का दर्द या समस्या नहीं हो पाएगी।

चश्मा नहीं लगेगा

- यदि आप सोने से पहले हर दिन अपने पैरों पर सरसों तेल से मालिश करते हैं तो आप अपनी कमजोर आइसाइट को भी ठीक कर सकते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि आपको एक या दो हफ्ते में ही इसका असर देखने को मिल जाएगा।

पाचन को ठीक रखे

- आपको जानकर थोड़ी हैरानी हो सकती है। लेकिन यह सही है कि जो लोग नियमित रूप से अपने पैर के तलुओं पर मालिश करते हैं या किसी और से कराते हैं, उनका पाचनतंत्र अन्य लोगों की तुलना में काफी ठीक रहता है। साथ ही उन्हें पेट संबंधी रोग नहीं घेरते हैं।
- साथ ही ऐसे लोगों के शरीर पर थकान हावी नहीं हो पाती है। पैर के तलुओं की मसाज करने से शरीर के डैमेज सेल यानी क्षतिग्रस्त कोशिकाओं की जल्द मरम्मत होती है। इससे त्वचा भी चमकदार बनी रहती है। तो देर किस बात की, खूबसूरती और सेहत के लिए आज से ही शुरू करें पैर के तलुओं की मालिश।

ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत हो सकता है आंखों में पानी आना

आंखे शरीर का सबसे जरूरी, सुंदर और नाजुक अंग है। सर्दी के मौसम में नमी और ठंडक के कारण आंखों में पानी आ जाता है लेकिन यह ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत भी हो सकता है। इस बीमारी में आंखों से बहुत ज्यादा पानी आना, धुंधला दिखाई देना और चुभन महसूस होना, सूजन, रैशेज, लालपन जैसे लक्षण दिखाई देते है। इस बीमारी का समय पर इलाज न करने पर आंखों की रोशनी जा भी सकती है। ऐसे में इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप डॉक्टर की दवाइ के साथ-साथ कुछ घरेलू उपाय भी कर सकते हैं। इन घरेलू नुस्खों की मदद से आप बिना किसी नुकसान के इस परेशानी से छुटकारा पा सकते है।

गीला कपड़ा – आंखों को हाथों से इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। आंखों में जलन, दर्द या खुजली होने पर साफ पानी में कपड़े को भिगोकर आंखों की सफाई करें। इससे किसी भी तरह की बीमारी का खतरा कम हो जाता है।

नारियल का तेल – नारियल तेल में मौजूद गुण आखों की गंदगी को साफ करते हैं। रोजाना आंखों के नीचे और आस-पास नारियल के तेल की मालिश करें। आपको इस समस्या से निजात मिल जाएगा।

हर्बल टी – कोमोमाइल या पेपरमिंट चाय की पत्तियों को थोड़ी देर गर्म पानी में भिगो दें। इसके बाद थोड़ी-थोड़ी देर में आंखों की सिकाई करें। ध्यान रहें कि पानी ज्यादा गर्म न हो।

नमक – कई बार आंखो में जलन और खुजली के कारण पानी आने लगता है। ऐसे में आप 1 गिलास गर्म पानी में चुटकीभर नमक डालकर आंखों की सिकांई करें। दिन में 3 बार इसका इस्तेमाल खुजली और जलन की परेशानी को दूर कर देगा।

बेकिंग सोडा – साफ पानी में 1 चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर गर्म करें। पानी थोड़ा रह जाने पर इससे अपनी आंखों को धो लें। इससे आपको आराम मिल जाएगा।

ठंडा दूध – कॉटन बॉल को ठंडे दूध में डिप करके अपनी आंखों के आस-पास रगड़ें। इसके अलावा आप कॉटन बॉल को ठंडे दूध में भिगोकर रख भी सकते है। इन उपायों को सुबह-शाम करने से आपको आराम मिल जाएगा।

एलोवेरा – एलोवेरा जेल में 1 चम्मच शहद और 1/2 कप एल्डरबैरी चाय मिलाएं। रोजाना दिन में 2 बार इस मिश्रण से अपनी आंखों को धोएं। आपकी परेशानी कुछ समय में ही दूर हो जाएगी।

कच्चा आलू – एस्ट्रिंजेंट के गुणों से भरपूर कच्चा आलू आंखों में पानी आने की समस्या से जल्दी राहत देता है। आलू की पतली स्लाइस काट कर कुछ देर फ्रिज में रखें। इसके बाद इस ठँडी स्लाइस को 15 से 20 मिनट के लिए आंखों के उपर रख लें। 2-3 दिन तक इसका इस्तेमाल आपकी इस समस्या को दूर कर देगा।